नई दिल्ली

मंगलवार 9 जून 2026

ज्येष्ठ मास कृष्ण पक्ष, नवमी वर्ष : 30, अंक : 51

पृष्ठ 12 मूल्य 2.00

मौसम

अधि. 37

न्यून. 27

हरिभूमि

दिल्ली, हरियाणा, छत्तीसगढ़ व मध्यप्रदेश से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

haribhoomi.com

राष्ट्रपति भवन में जांबाजों का सम्मान

प्रधानमंत्री मोदी भी रहे मौजूद

मुर्मू ने सौंपे वीर चक्र और शौर्य चक्र

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने सोमवार को राष्ट्रपति भवन में आयोजित रक्षा अलंकरण समारोह-I में सशस्त्र बलों और पुलिस कर्मियों को वीरता पुरस्कारों से सम्मानित किया। इस गरिमामयी समारोह में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह भी मौजूद रहे। असाधारण वीरता और विशिष्ट सेवा के लिए स्क्वाड्रन लीडर आर्शवीर सिंह ठाकुर, नायब सूबेदार सतीश कुमार और लेफ्टिनेंट कर्नल सुशील बिष्ट सहित पांच जांबाजों को वीर चक्र प्रदान किया गया। वहीं, सागर परिक्रमा II अभियान की लेफ्टिनेंट कमांडर दिलना के. और रूपा ए. को शौर्य चक्र से नवाजा गया। इसके अतिरिक्त, एलओसी पर तीन आतंकवादियों को ढेर करने वाले लेफ्टिनेंट कर्नल नितेश भारती शुक्ला, मेजर आदित्य प्रताप सिंह, छत्तीसगढ़ पुलिस के इंस्पेक्टर लक्ष्मण केवट और रामेश्वर प्रसाद देशमुख को भी शौर्य चक्र से सम्मानित किया गया।

वायुसेना के मी-17 हेलिकॉप्टरों से देशभर में भेजे जाएंगे नीट-यूजी परीक्षा के प्रश्नपत्र

आगामी 48 से 72 घंटे में चुनिंदा लोकेशन की तरफ शुरू हो सकता है हेलिकॉप्टरों के उड़ान भरने का सिलसिला

- गोपनीय जगह पर लॉकडाउन में रहेगी पेपर बनाने से लेकर मॉडरेटर और अनुवादकों की पूरी टीम
- पेपरलीक के बाद 21 जून को फिर से होगी परीक्षा, 23 लाख छात्र भाग लेंगे
- परीक्षा के लिए 550 शहरों में बनाए गए हैं 5 हजार 400 से अधिक केंद्र

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

पेपरलीक के बाद 21 जून को फिर से होने वाली राष्ट्रीय पात्रता एवं सह प्रवेश परीक्षा (नीट-यूजी) के लिए प्रश्न पत्र के पैकेट वायुसेना के मी-17 हेलिकॉप्टरों और अन्य विमानों की मदद से देशभर में भेजे जाएंगे। यह पहला ऐसा मौका होगा जब ऐतिहासिक रूप से भारत में किसी राष्ट्रीय स्तर की प्रवेश परीक्षा के सफल संचालन के लिए वायुसेना के विमानों का इस्तेमाल किया जाएगा। अगले करीब दो से तीन दिन के अंदर संबंधित अभियान को लेकर हेलिकॉप्टरों की उड़ान का सिलसिला शुरू हो जाएगा। जिसमें यह चुनी हुई 18 लोकेशन से प्रश्नपत्र की कॉपियों को लेकर उन्हें सुरक्षित ढंग से वितरण और परीक्षा केंद्रों तक पहुंचाएंगे। पेपर लीक के बाद 12 मई को रद्द हुई नीट की परीक्षा के ▶▶ शेष पेज 5 पर

फाइल फोटो

वायुसेना के पास हैं 80 मी-17 हेलीकॉप्टर

मी-17 हेलीकॉप्टर को आम प्रचलन की भाषा में मी-17वी5 के नाम से भी जाना जाता है। यह मूल रूप से अविभाजित रूस यानी सोवियत संघ में निर्मित एक उन्नत मालवाहक सैन्य हेलीकॉप्टर है। जो सुदूर सीमावर्ती इलाकों पर सैनिकों और जरूरी रसद पहुंचाने के अलावा प्राकृतिक आपदाओं के समय पर मानवीय सहायता और राहत सामग्री (एचएडीआर) पहुंचाने के लिए बड़े पैमाने पर इस्तेमाल किया जाता है। एक बार में मी-17 से लगभग ढाई टन वजनी सामग्री को एक स्थान से दूसरे पर ले जाया जा सकता है। वर्तमान में वायुसेना के पास मी-17 हेलीकॉप्टर की अनुमानित 8 से 10 स्क्वाड्रन हैं। इस लिहाज से देखें तो हवाई बल के पास 64 से 80 हेलीकॉप्टर हो सकते हैं। एक स्क्वाड्रन में हेलीकॉप्टरों की संख्या 8 तक होती है।

58 विधायकों के बाद अब टीएमसी सांसदों ने बनाया अलग गुट

टीएमसी सांसदों ने अलग बैठने की व्यवस्था मांगी काकोली घोष ने लिखा लोकसभा अध्यक्ष को पत्र

भाजपा के चुनाव प्रभारी भूपेंद्र यादव के घर बैठे टीएमसी के बागी सांसद

ममता और सांसद काकोली

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

तृणमूल कांग्रेस के करीब 20 सांसदों के समर्थन के दावे के साथ पार्टी की सांसद काकोली घोष दस्तीदार ने लोकसभा अध्यक्ष को एक पत्र लिखा। इस पत्र में दावा किया गया कि ये सांसद एनडीए का समर्थन करेंगे। हालांकि, अब टीएमसी ने इन दावों को फर्जी और झूठा करार दिया है।

टीएमसी नेता कीर्ति आजाद ने कहा कि भाजपा मनगढ़ंत कहानी फैला रही है। टीएमसी की लोकसभा सांसद काकोली घोष दस्तीदार ने सोमवार को करीब 20 सांसदों के साथ एनडीए को समर्थन देने का एलान किया। वहीं, अब टीएमसी नेताओं ने इन दावों को खारिज करते हुए सवाल खड़े किए हैं। तृणमूल कांग्रेस के लगभग 20 सांसदों ने भाजपा-नेतृत्व वाले एनडीए को समर्थन देने का औपचारिक इरादा व्यक्त किया है, जो पश्चिम बंगाल की राजनीति में एक महत्वपूर्ण बदलाव का संकेत है। बागी टीएमसी सांसद काकोली घोष दस्तीदार ने राज्य में पिछले 3-4 वर्षों से व्याप्त कुशासन, अराजकता और वित्तीय अनियमितताओं को इस निर्णय का कारण बताया है। इन सांसदों ने लोकसभा अध्यक्ष को अलग बैठने की व्यवस्था के लिए पत्र लिखा है, जिससे तृणमूल कांग्रेस को बड़ा झटका लगा है। सोमवार को दस्तीदार ने बताया कि इन सांसदों ने लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला को पत्र लिखकर एनडीए को समर्थन देने की इच्छा व्यक्त की है। उन्होंने अपने बयान के साथ एक 'थम्ब्स अप' इमोजी भी लगाया। सांसद काकोली घोष ने कहा कि हम 20 सांसद हैं जिन्होंने अध्यक्ष से अलग बैठने की व्यवस्था का अनुरोध किया है, और हम पश्चिम बंगाल के विकास के लिए केंद्र और राज्य सरकार के साथ मिलकर काम करेंगे, और हम पिछले कुछ वर्षों से पश्चिम बंगाल राज्य में व्याप्त अराजकता, कुशासन और बेरोजगारी के खिलाफ हैं। उन्होंने कहा कि हालात बद से बदतर होते जा रहे हैं।

काकोली घोष ने कहा कि हालात बद से बदतर होते जा रहे हैं, और मैं ममता बनर्जी के साथ 40 साल से काम कर रही हूँ... यह कहना बेकार है कि पश्चिम बंगाल में उनके सत्ता में न होने से मैंने साथ छोड़ दिया है। ऐसा नहीं है... पिछले 3-4 सालों में सरकारी अधिकारियों पर कुछ खास नेताओं की मनमानी के अनुसार काम करने का बहुत दबाव था... हम राज्य के विकास, राष्ट्रीय हित और देश की सुरक्षा के लिए काम करना चाहते हैं। इसीलिए हम अलग होकर काम करना चाहते हैं।

कीर्ति आजाद ने काकोली घोष के दावे को बताया फर्जी

टीएमसी के लोकसभा सांसद कीर्ति आजाद और पार्टी नेता कुणाल घोष ने इन दावों को फर्जी और जनता को धोखा देने वाला करार दिया है। मुख्य सचेतक के पद पर विवाद को लेकर कीर्ति आजाद ने कहा कि काकोली घोष दस्तीदार खुद को मुख्य सचेतक बताकर लोकसभा अध्यक्ष को पत्र लिख रही हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि पिछले महीने ही पार्टी की अध्यक्ष ममता बनर्जी ने लोकसभा अध्यक्ष को काकोली घोष दस्तीदार को हटाकर कल्याण बनर्जी को मुख्य सचेतक नियुक्त किए जाने की सूचना दे दी थी। कीर्ति आजाद ने भाजपा पर आरोप लगाया कि वह डर्टी ट्रिक्स डिपार्टमेंट (चालबाजियों) का इस्तेमाल कर फर्जी नैरेटिव बना रही है। उन्होंने कहा कि सवाल यह है कि भाजपा कब तक जनता को गुमराह करती रहेगी? बैठक में उपस्थिति को लेकर आजाद ने यह भी दावा किया कि भूपेंद्र यादव के घर पर हुई बैठक में केवल 13 सांसद (12 लोकसभा और 1 राज्यसभा) शामिल हुए थे, ना कि 20 सांसद। उन्होंने कहा कि इन सांसदों के अलावा किसी और ने हस्ताक्षर नहीं किए हैं।

कल तक करते थे दीदी, दीदी : कुणाल घोष

टीएमसी नेता कुणाल घोष ने भी इस मामले पर तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की। उन्होंने कहा कि जिन सांसदों ने टीएमसी का टिकट 'दीदी' (ममता बनर्जी) के नाम पर और उनके चुनाव चिन्ह का इस्तेमाल करके जीता है, वे कुछ दिन पहले तक 'दीदी, दीदी, दीदी' का नारा लगा रहे थे। अब उनका अचानक एनडीए के साथ जुड़ने की बात करना उनकी विश्वसनीयता पर सवाल उठाता है। कुणाल घोष ने कहा कि जनता ऐसे राजनीतिक चालों को पसंद नहीं करती और इसे उनके जनमत का अपमान मानती है।

महुआ मोइत्रा ने यूसुफ पठान पर साधा निशाना

वहीं, टीएमसी सांसद महुआ मोइत्रा ने अपनी ही पार्टी के अन्य सांसद यूसुफ पठान पर निशाना साधा है। महुआ मोइत्रा ने कहा कि यूसुफ पठान आप दिल्ली जाने की जल्दी में हैं, क्योंकि अमित शाह ने आपको फोन किया है? कुछ तो हिम्मत रखो। आप भारत के लिए खेले थे। हमारे जिले ने आपको भारी बहुमत से जिताया था। थोड़ी शर्म और थोड़ा साहस रखो।

रक्षा सूत्र बोले, पूरी प्रक्रिया में होगा कानूनों के सख्ती से पालन, पर्यावरण संरक्षण पहली प्राथमिकता

ग्रेट निकोबार परियोजना से आईपीआर में मजबूत होगी भारत की समुद्री-आर्थिक ताकत

किसी भी रूप में छीने नहीं जाएंगे जनजातीय समुदाय के अधिकार, वैश्विक पर्यटन मानचित्र पर उभरेगा जीएनआई

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

केंद्र सरकार की महत्वाकांक्षी मेगा ग्रेट निकोबार द्वीप परियोजना (जीएनआई) के जरिए न केवल हिंद-प्रशांत महासागर क्षेत्र (आईपीआर) में भारत की समुद्री सामरिक और आर्थिक ताकत में कई गुना की बढ़ोतरी देखने को मिलेगी। बल्कि इसकी मदद से पर्यावरण संरक्षण के अलावा स्थानीय जनजातीय समुदाय के हितों की भी रक्षा की जा सकेगी। रक्षा सूत्रों ने सोमवार को बताया कि इस द्वीप की भौगोलिक स्थिति रणनीतिक दृष्टिकोण से खासी अहमियत रखती है। जिसके पीछे की बड़ी वजह ग्रेट चैनल जैसे अंतरराष्ट्रीय जलमार्ग और अन्य समुद्री संचार मार्गों से इसकी कम दूरी है। ग्रेट चैनल ने ग्रेट निकोबार द्वीप मात्र 40 किलोमीटर की दूरी पर है। जिसे समुद्र में काफी कम दूरी के रूप में देखा जाता है। इस चैनल से आगे अदन और मलक्का की खाड़ी जैसे वैश्विक जलमार्ग पड़ते हैं। ऐसे में ग्रेट निकोबार परियोजना से भारत की आईओआर में हर लिहाज से ताकत में बढ़ोतरी देखने को मिलेगी। गौरतलब है कि इस मामले पर बीते काफी वक्त से कांग्रेस पार्टी, लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी और संप्रग सरकार में पूर्व केंद्रीय पर्यावरण एवं वन मंत्री रहे जयराम रमेश मोदी सरकार पर निशाना साधने में लगे हुए हैं। जिसमें उनका बड़ा तर्क यही ▶▶ शेष पेज 5 पर

विशाखापत्तनम स्टील प्लांट में भीषण हादसा

पिघले हुए स्टील की चपेट में आए 8 श्रमिकों की मौत कई गंभीर रूप से झुलसे

यूनिट के अंदर कुछ और कर्मचारियों के फंसे होने की आशंका

स्टील प्लांट में आग का भयावह दृश्य

एजेंसी ▶▶ विशाखापत्तनम

आंध्र प्रदेश के विशाखापत्तनम स्टील प्लांट में सोमवार को एक बड़ा और दर्दनाक हादसा हो गया। प्लांट के एसएमएस-2 और एसटीसी-3 हीट फैसिलिटी में एक लैडल में जोरदार विस्फोट होने के कारण भारी मात्रा में पिघला हुआ लोहा (स्टील) बाहर फैल गया। इस भीषण दुर्घटना में पिघले हुए स्टील की चपेट में आने से 8 मजदूरों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि कई अन्य कर्मचारी गंभीर रूप से झुलस गए हैं। हादसे के वक्त लैडल से गिरे पिघले हुए स्टील का तापमान लगभग 1,600 डिग्री सेल्सियस था, जिसके कारण मजदूरों को संभलने का मौका तक नहीं मिला। घटना के बाद रिसाव के चलते यूनिट में आग लग गई। फायर ब्रिगेड और इमरजेंसी सर्विस की टीमें मौके पर पहुंचकर आग बुझाने और फंसे हुए लोगों को निकालने में जुटी हैं। यूनिट के अंदर कुछ और कर्मचारियों के फंसे होने की आशंका है। घायलों की सही संख्या की अभी आधिकारिक पुष्टि होना बाकी है। मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू ने इस भीषण औद्योगिक दुर्घटना पर गहरा दुख व्यक्त किया है।

घटनास्थल पर पहुंचीं गृह मंत्री : गृह मंत्री वंगलापुडी अनिता ने हादसे पर त्वरित संज्ञान लिया है। उन्होंने विशाखापत्तनम के जिला ▶▶ शेष पेज 5 पर

खेती-किसानी पर 5 दिन तक मंथन इंदौर की संस्कृति और 'ब्रिक्स वाटिका' से दिया जाएगा हरित संदेश

इंदौर में आज से जुटेंगे ब्रिक्स और सहयोगी 20 देशों के कृषि मंत्री व वरिष्ठ अधिकारी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

मप्र के इंदौर में 9 से 13 जून तक ब्रिक्स देशों के कृषि कार्य समूह और सदस्य देशों के कृषि मंत्रियों की उच्च स्तरीय बैठकें होने जा रही है। इन बैठकों में खाद्य सुरक्षा, सतत कृषि, छोटे किसानों के सशक्तिकरण और कृषि नवाचार जैसे वैश्विक मुद्दों पर ठोस दिशा तय करेगा। ब्रिक्स आज की स्थिति में 11 सदस्य देशों व 10 साझेदार देशों के साथ यह विश्व के सबसे प्रभावशाली समूहों में से एक है। भारत इस साल ब्रिक्स की ▶▶ शेष पेज 5 पर

शिवराज सिंह चौहान

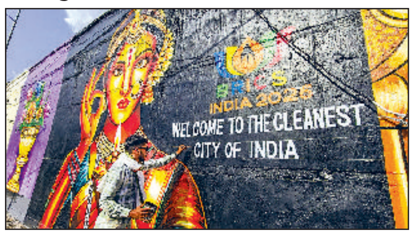

दुनिया का 42% खाद्य उत्पादन इन्हीं ब्रिक्स देशों के पास

इसी क्रम में इंदौर शहर में ब्रिक्स कृषि मंत्रियों की एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित होने जा रही है। इसे लेकर केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने सोमवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस में ब्रिक्स के आयोजन की विस्तृत रूपरेखा पत्रकारों से साझा की। उन्होंने बताया कि वैश्विक दृष्टिकोण से यह समूह बेहद महत्वपूर्ण है, क्योंकि दुनिया की लगभग 42 % कृषि भूमि, 68 % कृषि जोतें और करीब 42 % खाद्य ▶▶ शेष पेज 5 पर

महाकाल मंदिर की सुरक्षा में बड़ी चूक

'पुष्पा' लुक में घूमता रहा युवक सुरक्षाकर्मियों ने खिंचवाई सेल्फी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ उज्जैन

महाकाल मंदिर की सुरक्षा व्यवस्था और नियमों पर एक बार फिर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। फिल्म 'पुष्पा' में अभिनेता अल्लू अर्जुन के विशेष लुक की तर्ज पर साड़ी-ब्लाउज, नथनी, पायल और नींबू की माला पहनकर एक युवक मंदिर परिसर के भीतर तक प्रवेश कर गया। हैरानी की बात यह रही कि जिन सुरक्षाकर्मियों पर नियमों का पालन कराने की जिम्मेदारी थी, उन्होंने युवक को रोकने के बजाए उसके साथ सेल्फी ली और रील (वीडियो) बनवाने में सहयोग किया। यह पूरी घटना दो दिन पहले की बताई जा रही है। मंदिर के प्रशासक प्रथम कौशिक ने कड़ी नाराजगी जताते हुए कहा कि इस प्रकार किसी भी व्यक्ति को आपत्तिजनक वेशभूषा में प्रवेश देना और मंदिर परिसर में फोटोग्राफी की अनुमति देना महाकाल मंदिर की मर्यादा और सुरक्षा व्यवस्था, दोनों का गंभीर उल्लंघन है। संबंधित सुपरवाइजर को हटा दिया गया है और मामले की विस्तृत जांच की जा रही है।

इंडिया ब्लॉक की बैठक के बाद मल्लिकार्जुन खरगे का ऐलान

नीट पेपर लीक मामले को लेकर केंद्र सरकार पर तीखा हमला बोला

हम लड़ेंगे और आगे बढ़ेंगे.... शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग

- बैठक में महंगाई, बेरोजगारी, विदेश नीति और मतदाताओं के अधिकारों पर चर्चा की गई
- आगामी मानसून सत्र में इन मुद्दों को विपक्ष आक्रामक ढंग से उठाएगा

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

दिल्ली में सोमवार को विपक्ष के 'इंडिया' ब्लॉक की एक मैराथन बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में करीब 25 विपक्षी दलों के शीर्ष नेताओं ने हिस्सा लिया।

बैठक के बाद कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने भाजपा नेतृत्व वाली सरकार के खिलाफ संयुक्त लड़ाई का शंखनाद किया। उन्होंने साफ संदेश देते हुए कहा कि विपक्षी दल ▶▶ शेष पेज 5 पर

इंडिया ब्लॉक के नेताओं के साथ खरगे जानकारी देते हुए

छात्रों के साथ न्याय होने तक संघर्ष जारी रहेगा

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने इसे देश के युवाओं के भविष्य के साथ सरासर धोखा करार दिया। खरगे ने कहा कि परीक्षा प्रणाली में लगातार हो रही गड़बड़ियां देश के लाखों छात्रों की मेहनत और उनकी उम्मीदों को बर्बाद कर रही हैं। वर्तमान सरकार परीक्षा व्यवस्था को पूरी तरह संभालने में विफल साबित हुई ▶▶ शेष पेज 5 पर

राहुल और अखिलेश की गर्मजोशी

उत्तर प्रदेश में हालिया राजनीतिक घटनाक्रमों के बीच इस बैठक में राहुल गांधी और समाजवादी पार्टी के प्रमुख अखिलेश यादव बेहद गर्मजोशी के साथ मिले। बैठक के इतर दोनों नेताओं के बीच उत्तर प्रदेश में आगामी राजनीतिक तालमेल और सीट बंटवारे को लेकर भी सकारात्मक चर्चा हुई।

सीएम ने वजीरपुर औद्योगिक क्षेत्र में 75 करोड़ रुपये की सड़क और ड्रेनेज परियोजना का किया शिलान्यास

दिल्ली के सभी औद्योगिक क्षेत्रों को आधुनिक और विश्वस्तरीय बनाना हमारा लक्ष्य : रेखा गुप्ता

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

दिल्ली सरकार का लक्ष्य राजधानी के सभी औद्योगिक क्षेत्रों को आधुनिक, स्वच्छ, सुरक्षित और विश्वस्तरीय सुविधाओं से युक्त बनाना है। बेहतर सड़कें, प्रभावी जल निकासी व्यवस्था और सुव्यवस्थित अवसंरचना न केवल उद्योगों की कार्यक्षमता बढ़ाएगी, बल्कि निवेश और रोजगार के नए अवसर भी सृजित करेगी। यह बातें सोमवार को दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता वजीरपुर औद्योगिक क्षेत्र में 75 करोड़ 40 लाख रुपये की सड़क और ड्रेनेज परियोजना का शिलान्यास कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कही। मुख्यमंत्री ने बताया कि इस परियोजना के तहत क्षेत्र की करीब 5 किलोमीटर 77 मीटर लंबी सड़कों का पुनर्विकास किया जाएगा, जबकि 11.54 किलोमीटर लंबे स्टॉर्म वॉटर ड्रेनेज नेटवर्क का निर्माण और सुधार किया जाएगा। इससे जलभराव की समस्या कम करने और क्षेत्र की बुनियादी सुविधाओं को बेहतर बनाने में मदद मिलेगी। परियोजना का काम दिल्ली राज्य औद्योगिक एवं अवसंरचना विकास निगम (डीएसआईआईडीसी) द्वारा किया जाएगा। इस अवसर पर वजीरपुर से विधायक पूनम शर्मा सहित कई गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि वजीरपुर औद्योगिक क्षेत्र दिल्ली के प्रमुख औद्योगिक केंद्रों में से एक है, जहां हजारों उद्योग और व्यापारिक प्रतिष्ठान संचालित होते हैं। लंबे समय से क्षेत्र में जर्जर सड़कों, क्षतिग्रस्त नालियों, जलभराव और बुनियादी सुविधाओं की कमी की समस्याएं सामने आ रही थीं। दिल्ली सरकार ने इन समस्याओं के स्थायी समाधान के लिए इस महत्वाकांक्षी परियोजना की शुरुआत की है। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह परियोजना केवल सड़क और नाली निर्माण तक सीमित नहीं है, बल्कि वर्तमान में औद्योगिक क्षेत्रों में सबसे बड़ी समस्या बार-बार सड़क कटिंग और विभिन्न एजेंसियों द्वारा अलग-अलग कार्यों के कारण होने वाली अव्यवस्था है। भूमिगत यूटिलिटी डक्ट्स विकसित होने के बाद विभिन्न सेवाओं के रखरखाव और विस्तार के लिए बार-बार सड़कों को खोदने की आवश्यकता नहीं पड़ेगी, जिससे समय और संसाधनों दोनों की बचत होगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि मॉनसून के दौरान जलभराव की समस्या उद्योगों और स्थानीय नागरिकों दोनों के लिए गंभीर चुनौती बन जाती है। इस परियोजना के तहत विकसित होने वाला आधुनिक स्टॉर्म वॉटर ड्रेनेज सिस्टम वर्षा जल निकासी को बेहतर बनाएगा और जलभराव की समस्या का स्थायी समाधान सुनिश्चित करेगा। दिल्ली सरकार औद्योगिक विकास और पर्यावरण संरक्षण को साथ लेकर चलने के लिए प्रतिबद्ध है। इसी दृष्टिकोण के तहत परियोजना में वृक्षारोपण और लैंडस्केपिंग को भी विशेष महत्व दिया गया है, जिससे क्षेत्र को अधिक स्वच्छ, हरित और प्रदूषण-मुक्त बनाया जा सके। मुख्यमंत्री ने विश्वास व्यक्त किया कि परियोजना के पूर्ण होने के बाद वजीरपुर औद्योगिक क्षेत्र राजधानी के सबसे आधुनिक और सुव्यवस्थित औद्योगिक क्षेत्रों में शामिल होगा और यह अन्य औद्योगिक क्षेत्रों के लिए भी एक मॉडल के रूप में स्थापित होगा। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने परियोजना से जुड़े अधिकारियों, इंजीनियरों और तकनीकी विशेषज्ञों को बधाई देते हुए समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण कार्य सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि दिल्ली सरकार विकसित दिल्ली के संकल्प को साकार करने के लिए बुनियादी ढांचे के व्यापक उन्नयन पर निरंतर कार्य कर रही है और आने वाले समय में राजधानी के विभिन्न क्षेत्रों में इसी प्रकार की विकास परियोजनाओं को गति दी जाएगी।

तस्वीरों से छेड़छाड़ कर महिलाओं से ऑनलाइन पैसे वसूलने के आरोप में व्यक्ति गिरफ्तार

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

दिल्ली में कृत्रिम बुद्धिमता (एआई) की मदद से तस्वीरों से छेड़छाड़ कर युवतियों को ब्लैकमेल करने और उनसे पैसे वसूलने के आरोप में 30-वर्षीय एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया है। एक अधिकारी ने सोमवार को यह जानकारी दी। पुलिस के अनुसार, आरोपी की पहचान सौरव के रूप में हुई है, जो उत्तरी दिल्ली के भलस्वा डेरी इलाके का निवासी है। उसे चार जून को पकड़ा गया। वह पहले भी जबरन वसूली और यौन उत्पीड़न से जुड़े दो मामलों में शामिल रहा है। पुलिस ने बताया कि वह नौकरी दिलाने का झांसा देकर युवतियों को सोशल मीडिया पर निशाना बनाता था। उनका भरोसा जीतने और उनका बायोडाटा हासिल करने के बाद वह कथित तौर पर उन्हें वीडियो सत्यापन कॉल के लिए राजी करता था। पुलिस के अनुसार, आरोपी एआई आधारित उपकरणों के जरिये वीडियो कॉल के दौरान लिये गये 'स्क्रीनशॉट' को अश्लील तस्वीरों में बदल देता था। इन्हीं तस्वीरों के जरिये पीड़िताओं को धमकाकर उनसे पैसे वसूले जाते थे। यह मामला उस वक्त सामने आया, जब मलकागंज की 19-वर्षीय युवती ने राष्ट्रीय साइबर अपराध रिपोर्टिंग पोर्टल (एनसीआरपी) पर शिकायत दर्ज कराई। उसने आरोप लगाया कि एक अज्ञात व्यक्ति ने छेड़छाड़ की गई तस्वीरों के जरिये उसे ब्लैकमेल किया। पुलिस के अनुसार, शिकायतकर्ता को आरोपी की ओर से एक संदेश मिला, जिसमें उसकी छेड़छाड़ की गई तस्वीर थी। आरोपी ने कथित तौर पर उसे ₹लक्ष्य गर्ग₹ नाम से संचालित सोशल मीडिया अकाउंट के जरिये बातचीत करने को कहा और तस्वीर हटाने के बदले 30,000 रुपये मांगे। पुलिस ने बताया कि दबाव में आकर और छेड़छाड़ की गई तस्वीर प्रसारित किए जाने के डर से पीड़िता के परिवार ने क्यूआर कोड के जरिये भुगतान कर यह राशि भेज दी। कई महीनों बाद, इस वर्ष फरवरी में आरोपी ने कथित तौर पर युवती से फिर संपर्क किया और और पैसे मांगे। बातचीत के बाद पीड़िता ने एक साइबर कैफे के जरिये 10,000 रुपये भेजे। पुलिस ने बताया कि आरोपी लगातार और पैसे मांगता रहा। उसने युवती पर अन्य युवतियों के नंबर साझा करने का भी दबाव बनाया। जब उसने इनकार कर दिया, तो आरोपी ने कथित तौर पर उसे धमकी दी, जिसके बाद युवती ने पुलिस से संपर्क किया। शिकायत के आधार पर भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया और जांच शुरू की गई। पुलिस ने ग्राहक विवरण, रिकॉर्ड, इंटरनेट प्रोटोकॉल (आईपी) लॉग और सोशल मीडिया मंचों से मिली जानकारी सहित तकनीकी और डिजिटल साक्ष्य जुटाए। जांच के दौरान पुलिस ने अपराध में इस्तेमाल बैंक खाते का पता लगाया, जो कथित तौर पर आरोपी द्वारा संचालित एक ईमेल अकाउंट से जुड़ा था। इसके बाद तकनीकी विश्लेषण के आधार पर जांचकर्ता सौरव तक पहुंचे, जिसे भलस्वा डेरी इलाके से गिरफ्तार किया गया। पूछताछ के दौरान आरोपी ने कथित तौर पर बताया कि वह एक निजी वित्त कंपनी में काम करता है और अवैध रूप से पैसा कमाने के लिए जबरन वसूली करता था। पुलिस ने अपराध में कथित तौर पर इस्तेमाल किया गया एक मोबाइल फोन, एक सिम कार्ड और एक वाई-फाई राउटर बरामद किया है।

'म्यूल' बैंक खाते उपलब्ध कराने वाले गिरोह का भंडाफोड़, जयपुर से दो पकड़े

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

दिल्ली पुलिस ने जयपुर से दो लोगों को गिरफ्तार कर 'म्यूल' (कमीशन पर मिलने वाले) बैंक खाते उपलब्ध कराने वाले गिरोह का भंडाफोड़ किया है। अधिकारियों ने सोमवार को यह जानकारी दी। उनके मुताबिक, दिल्ली निवासी एक व्यक्ति का मोबाइल फोन हैक कर उसके खाते से 1.91 लाख रुपये निकालने के मामले में यह कार्रवाई की गई है। पुलिस ने बताया कि शिकायतकर्ता ने 23 अप्रैल को पुलिस में शिकायत देकर बताया कि दो दिनों में उसके खाते से अवैध रूप से 95,000 रुपये और 96,000 रुपये निकाले गए हैं। जांच के दौरान, जांचकर्ताओं ने इस बात का पता लगाया कि पीड़ित के खाते से पैसा निकाल कर किन खाते में भेजा गया। अधिकारियों ने बताया कि इसकी जांच करते हुए पुलिस की टीम जयपुर पहुंची जहां रोहित कुमार बैरवा (21) और लोकेश महावर (21) को पकड़ा गया। पूछताछ के दौरान, बैरवा ने जांचकर्ताओं को कथित तौर पर बताया कि उसने महावर को कई बैंक खाते उपलब्ध कराए थे, जिसके बदले में उसे उन खातों में धोखाधड़ी से प्राप्त रकम पर दो प्रतिशत कमीशन मिलता था। पुलिस ने बताया कि महावर साइबर ठगी करने वाले गिरोहों को 'म्यूल' बैंक खाते उपलब्ध कराने और उनकी व्यवस्था करने में शामिल था और उसने अवैध धन के लेन-देन के लिए इस्तेमाल किए जाने वाले लगभग 30 ऐसे खाते उपलब्ध कराए थे। मामले की आगे की जांच जारी है।

दरियागंज में दुकान से साढ़े तीन लाख रुपये चुराने का आरोपी अरेस्ट

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

दिल्ली पुलिस ने दरियागंज स्थित एक दुकान से साढ़े तीन लाख रुपये नकद चोरी करने के आरोप में 33 वर्षीय व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। अधिकारियों ने सोमवार को यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि आरोपी अभिनाश कुमार पहले इसी दुकान में काम करता था। उत्तर प्रदेश के प्रतापगढ़ जिले के निवासी कुमार को पांच जून को गिरफ्तार किया गया। मध्य दिल्ली के पुलिस उपायुक्त (डीसीपी) रोहित राजबीर सिंह ने बताया कि चोरी की घटना को लेकर तीन जून को दरियागंज थाने में शिकायत दी गई जिसमें तिलक नगर निवासी शिकायतकर्ता ने दावा किया कि अज्ञात लोगों ने दरियागंज के कूचा चालान स्थित उनकी दुकान का ताला तोड़कर कैश बॉक्स से लगभग 3.5 लाख रुपये से भरा बैग चुरा लिया। जांच के दौरान, पुलिस ने अपराध में कथित तौर पर इस्तेमाल की गई एक स्कूटर की पहचान की।

उन्होंने बताया कि तकनीकी निगरानी और खुफिया जानकारी जुटाने के आधार पर जांचकर्ता कुमार तक पहुंचे, जिसने लगभग छह महीने पहले शिकायतकर्ता के साथ काम किया था। पुलिस ने बताया कि आरोपी अपराध करने के बाद उत्तर प्रदेश स्थित अपने पैतृक गांव लौट गया था। विशिष्ट सूचनाओं के आधार पर, टीम ने प्रतापगढ़ में उसका पता लगाया और उसे गिरफ्तार कर लिया। अधिकारी ने बताया कि पूछताछ के दौरान कुमार ने कथित तौर पर अपना जुर्म कबूल कर लिया और चोरी की रकम छुपाने की जगह भी बता दी। सिंह के मुताबिक, उसके खुलासे के आधार पर पुलिस ने प्रतापगढ़ जिले के शुक्लपुर इलाके में गाड़ियों की मरम्मत करने वाली दुकान के पीछे झाड़ियों से चोरी किया गया बैग और 3.36 लाख रुपये नकद बरामद किए। चोरी में कथित तौर पर इस्तेमाल किया गया स्कूटर भी गाजियाबाद के इंदिरापुरम से बरामद कर लिया गया।

पुलिस ने बताया कि जांचकर्ताओं ने पाया कि वाहन किराए पर लिया गया था और आरोपी ने अपराध को अंजाम देने और पकड़े जाने से बचने के लिए कथित तौर पर इसका इस्तेमाल किया गया था।

पश्चिमी दिल्ली के गोदाम में लगी आग

एजेंसी, नई दिल्ली। पश्चिमी दिल्ली के मटियाला में एक गोदाम में सोमवार को आग लग गई। दिल्ली अग्निशमन सेवा (डीएफएस) के एक अधिकारी ने सोमवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि इस गोदाम में गद्दे, कुर्सियां और मेजें रखी जाती हैं। डीएफएस ने बताया कि आग पर काबू पा लिया गया है और इसमें किसी के घायल होने की खबर नहीं है। डीएफएस को पूर्वाह्न 11 बजे आग लगने की सूचना मिली और उन्होंने तुरंत दमकल की पांच गाड़ियां मौके पर भेजीं। डीएफएस के एक अधिकारी ने बताया कि आग की लपटें तेज होने पर बाद में और दमकल की गाड़ियां भी भेजी गईं। उन्होंने बताया कि अपराह्न 12.40 बजे आग पर काबू पा लिया गया, लेकिन स्थान को ठंडा करने की प्रक्रिया अब भी जारी है।

आईजीआई गीजरों में छिपाकर रखा 5.38 करोड़ रुपये का हाइड्रोपोनिक गांजा जब्त, दो दबोचे

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय (आईजीआई) हवाई अड्डे पर सीमा शुल्क अधिकारियों ने कुआलालंपुर से आने वाले यात्रियों द्वारा लाए गए दो गीजरों के अंदर छिपाकर रखे गए लगभग 5.38 करोड़ रुपये मूल्य के 15.38 किलोग्राम संदिग्ध हाइड्रोपोनिक गांजे को जब्त किया है। अधिकारियों ने सोमवार को यह जानकारी दी। हाइड्रोपोनिक गांजा, गांजे की एक उच्च क्षमता वाली किस्म है जिसे मिट्टी के बजाय पोषक तत्वों से भरपूर पानी में उगाया जाता है। एक आधिकारिक बयान में कहा गया है कि विशिष्ट खुफिया जानकारी के आधार पर सात जून को ग्रीन चैनल पार करने के बाद दोनों यात्रियों को रोका गया। बयान में कहा गया है कि जांच के दौरान, सीमा शुल्क अधिकारियों ने देखा कि यात्री अपने चेक-इन बैगेज के अलावा दो बिल्कुल नए गीजर भी ले जा रहे थे। इसके बाद आगे की जांच हुई। इसमें कहा गया है कि यात्रियों से लगातार पूछताछ और उनके मोबाइल फोन की जांच से उपकरणों के बारे में संदेह और गहरा गया। इसके बाद गीजरों की एक्स-रे जांच की गई, जिससे पता चला कि उनमें भीतर कुछ छिपा हुआ है।

इसके बाद गीजरों की विस्तृत जांच हुई और सीमा शुल्क अधिकारियों ने उपकरणों के अंदर भरे हुए 145 वैक्यूम-सील्ड पैकेट बरामद किए। पैकेटों में हरे पत्तेदार पदार्थ पाए गए, जिनके हाइड्रोपोनिक खरपतवार (गांजा) होने का संदेह है।

बयान में कहा गया है, ₹बरामद मादक पदार्थ का कुल वजन 15.38 किलोग्राम पाया गया। जब्त किए गए प्रतिबंधित पदार्थ का अनुमानित बाजार मूल्य लगभग 5.38 करोड़ रुपये है।₹ स्वापक औषधि एवं मनः प्रभावी पदार्थ (एनडीपीएस) अधिनियम, 1985 के प्रावधानों के तहत संदिग्ध मादक पदार्थ को जब्त कर दोनों यात्रियों को गिरफ्तार कर लिया गया है। अधिकारियों ने कहा कि खेप के स्रोत और गंतव्य का पता लगाने और यह सुनिश्चित करने के लिए आगे की जांच जारी है कि क्या आरोपी मादक पदार्थों की तस्करी के किसी बड़े नेटवर्क का हिस्सा थे।

आदिवासी छात्रों ने यूरोपीय मंच पर 'संथाली' भाषा में किया शेक्सपियर का मंचन

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

आदिवासी संथाली भाषा में शेक्सपियर के नाटक को मंचित करके अंतरराष्ट्रीय स्तर पर तारीफ बटोरने वाले छात्रों के सम्मान में नई दल्लिी में दो दविसीय कार्यक्रम आयोजति कयिा गया। रोमानियाई दूतावास और कलगिा इंस्टीट्यूट आफ सोशल साइंस (कीस) और कलगिा इंस्टीट्यूट आफ इंडस्ट्रयिल टेक्नालोजी (कीट) के सहयोग से आयोजति इस कार्यक्रम में संस्थान के छात्रों ने रोमानिया में आयोजित विश्व शेक्सपियर थिएटर महोत्सव 2026 में शेक्सपियर के नाटकों- रोमियो और जूलियट, हैमलेट और मैकबेथ का संथाली भाषा में अभ्यास और मंचन किया था। दल्लिी लौटने पर इन सभी छात्रों ने अपने मंचन का यहां भी सराहनीय प्रदर्शन कयिा।

आदिवासी संथाली भाषा में शेक्सपियर के नाटक मंचित करने वाले महोत्सव में दुनिया भर से 71 विश्वविद्यालयों और 3,000 से ज़्यादा प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया था। यह पहला मौका था जब इन संस्थानों के छात्रों ने वदिेशों में शेक्सपियर के नाटकों का मंचन 'संथाली' में किया। यह प्रस्तुति ऐसे समय में हुई जब संथाली भाषा की 'ओल चिकी लिपि' अपना शताब्दी वर्ष मना रही है, जिससे संथाली भाषा का गौरव वैश्विक मंच तक पहुंचा है।

मालवीय नगर आग : गरीब सेफ पर सारा इल्जाम डाल बड़े लोगों को बचा रही सरकार : संजीव झा

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

आम आदमी पार्टी के बुराड़ी से विधायक संजीव झा ने सोमवार को कहा कि भाजपा सरकार मालवीय नगर आग मामले में गरीब सेफ पर सारा इल्जाम डालकर बड़े लोगों को बचा रही है। संजीव ने कहा कि ऐसा बताया जा रहा, जैसे सेफ ही अवैध होटल चला रहा था और उसके कारण ही एमसीडी या पुलिस ने कोई कार्रवाई नहीं की। उन्होंने कहा कि सरकार निष्पक्ष है तो सुरक्षा मानकों की अनदेखी करने वालों की जिम्मेदारी तय कर कड़ी कार्रवाई करे। सेफ को फंसाया जा रहा है। आम आदमी पार्टी उसके साथ अन्याय नहीं होने देगी। संजीव ने बताया कि केशव नेगी, जो उत्तराखंड के पहाड़ों से आते हैं और उस होटल में शेफ हैं, सारा इल्जाम उन पर डाल दिया गया है। संजीव ने कहा कि जांच के नाम पर फिर से एक गरीब को फंसाने की कोशिश की जा रही है। सरकार को लगता है कि उनका साथ देने वाला कोई नहीं है, लेकिन हम यह अन्याय बर्दाश्त नहीं करेंगे और ऐसा होने नहीं देंगे। संजीव ने कहा कि मैं मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता से कहना चाहता हूं कि जांच के नाम पर गरीबों के साथ अन्याय करना बंद करें और जितने भी बड़े दोषी हैं, उन्हें बख्शा न जाए और न ही बचाने की कोशिश की जाए।

बस की टक्कर से महिला समेत एक ही परिवार के चार लोग जख्मी

एजेंसी, नई दिल्ली। बाहरी दिल्ली के पश्चिम विहार इलाके में सड़क पार करते समय एक बस की टक्कर लगने से 50 वर्षीय महिला और उसके परिवार के तीन सदस्य घायल हो गए जिनमें से दो नाबालिग हैं। एक अधिकारी ने सोमवार को यह जानकारी दी। यह घटना रविवार शाम करीब छह बजे रोहतक रोड पर मुल्तान नगर के पास घटी, जब पीड़ित सड़क पार कर रहे थे।

अधिकारी ने बताया कि लापरवाही से चलाई जा रही एक क्लस्टर बस ने पैदल यात्रियों को टक्कर मार दी।

एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि घायलों को पहले इलाके के एक निजी अस्पताल में ले जाया गया, लेकिन बाद में अन्य अस्पताल में स्थानांतरित कर दिया गया। पुलिस ने बताया कि दुर्घटना के बाद उसने बस चालक को मौके से ही गिरफ्तार कर लिया और बस को भी जब्त कर लिया गया है।

दिल्ली ट्रांसको लिमिटेड

ई-निविदा आमंत्रण सूचना

दिल्ली ट्रांसको लि. (राराक्षे दिल्ली सरकार का उपक्रम) निम्नलिखित कार्य के लिए ऑनलाइन निविदा आमंत्रित करता है :

निविदा संख्या T25P131642 : शक्ति सदन और आईपी कमर्शियल ऑफिस, डीटीएल में टॉयलेट ब्लॉक्स का पुनरोद्धार और आंतरिक/बाहरी फिनिशिंग कार्य।

निविदा के पूर्ण विवरण के लिए कृपया निम्नलिखित वेबसाइट्स देखें :- https://govtprocurement.delhi.gov.in (निविदा आईडी संख्या: 2026_DTL_292575_1) और www.dtl.gov.in के साथ यूनिक नंबर DTL-0036-030626.

बोली जमा करने की अंतिम तिथि : 08.07.2026, 13:00 बजे।

इस ई-निविदा के सभी शुद्धिपत्र/परिशिष्ट/ संशोधन/ विस्तार की तिथि/स्पष्टीकरण इत्यादि केवल उपरोक्त वेबसाइट पर प्रदर्शित किए जाएंगे। बोलीदाताओं को स्वयं को अद्यतन रखने के लिए नियमित रूप से वेबसाइट पर पधारना चाहिए।

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा 82 Cr.P.C. देखिए

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **छेदी राम, पुत्रः राम कुमार, पताः म.नं. 5बी/288, तृतीय तल, विष्णु गार्डन, एक्सटेंशन नं. 5, तिलक नगर, दिल्ली** ने **FIR No. 585/24, U/s 223(B) भारतीय न्याय संहिता–2023, पुलिस थाना विकास पुरी, नई दिल्ली** के अधीन दंडनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है) और उस पर जारी किये गए गिरफ्तारी के वारंट को यह लिख कर लौटा दिया गया है कि उक्त **छेदी राम** मिल नहीं रहा है और मुझे समाधानप्रद रूप में दर्शित कर दिया गया है कि उक्त **छेदी राम** फरार हो गया है (या उक्त वारंट कि तामील से बचने के लिए अपने आप को छिपा रहा है)।

इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि **FIR No. 585/24, U/s 223(B) भारतीय न्याय संहिता–2023, पुलिस थाना विकास पुरी, नई दिल्ली** के अभियुक्त **छेदी राम** से अपेक्षा की जाती है कि वह इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **13.07.2026** को या इससे पहले हाजिर हो।

आदेशानुसार — श्री विनोद कुमार
न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी–05, दक्षिण–पश्चिमी जिला
कमरा नं. 09, द्वारका कोर्ट, दिल्ली

DP/7546/WD/2026

देरी के कारण संचालक और कर्मियों के परिवार हो रहे परेशान

सार्वजनिक बस संचालकों की सरकार के पास फिर अटकी बड़ी राशि

■ प्रक्रिया शुरू, जल्द जारी की जाएगी रूकी हुई राशि

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

राजधानी में सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था से जुड़े सीएनजी बस संचालकों की एक बार फिर से भुगतान की बड़ी राशि रूक गई है, जिसके चलते बस संचालकों और बस कर्मियों को परेशान होना पड़ सकता है। बस संचालकों का कहना है कि दिल्ली सरकार की ओर से 200 से अधिक करोड़ रुपये का भुगतान लंबे समय से लंबित है, जिसके कारण कई डिपो आर्थिक संकट का सामना कर रहे हैं। इसका सीधा असर ड्राइवरों, परिचालकों और अन्य कर्मियों पर पड़ रहा है, जिन्हें समय पर वेतन नहीं मिल पा रहा है। वहीं, बस कर्मियों का कहना है कि भुगतान में लगातार हो रही देरी के कारण उनके सामने परिवार के पालन-पोषण, बच्चों की शिक्षा, मकान किराया और दैनिक खर्चों को पूरा करने की गंभीर चुनौती खड़ी हो गई है। सूत्रों के अनुसार, कई डिपो में कर्मियों को पिछले महीनों का वेतन तक नहीं मिला है, जिससे असंतोष बढ़ता जा रहा है। वहीं, दिल्ली परिवहन विभाग की आयुक्त निहारिका राय ने बताया कि डीटीसी और संबंधित परिवहन शाखा (बीटी) मिलकर फाइल, भुगतान, अनुबंध या प्रशासनिक प्रक्रिया को अंतिम रूप दे रहे हैं और निर्णय जल्द होने की संभावना है।

भुगतान समय पर नहीं हुआ बस सेवाओं पर पड़ेगा असर

सार्वजनिक परिवहन क्षेत्र से जुड़े लोगों का कहना है कि राजधानी की सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था को सुचारू रूप से चलाने में निजी सीएनजी बस ऑपरेटरों की महत्वपूर्ण भूमिका है। इसके बावजूद यदि भुगतान समय पर नहीं किया जाता तो इसका असर बस सेवाओं और यात्रियों की सुविधाओं पर भी पड़ सकता है।

दिल्ली सरकार के हस्तक्षेप की मांग

इस संबंध में बस संचालक और कर्मियों ने दिल्ली सरकार, परिवहन विभाग तथा संबंधित अधिकारियों से हस्तक्षेप की मांग की है। उनका कहना है कि यदि सरकार समयबद्ध तरीके से भुगतान जारी करे तो कर्मियों को वेतन मिलने में राहत मिल सकती है और परिवहन व्यवस्था भी प्रभावित होने से बच सकती है।

हरियाणा सरकार — निविदा सूचना

क्र. सं.	बोर्ड/निगम/ प्राधि. का नाम	कार्य सूचना निविदा का नाम	खुलने की तिथि बंद होने की तिथि	राशि/ईएमडी (लगभग) रु.में	बोर्ड/निगम/प्राधि. की वेबसाइट	नोडल अधिकारी / सम्पर्क विवरण/ ई-मेल
1	नगर पालिका गन्नौर	एम.सी. गन्नौर में वार्ड नं. 7 में सामुदायिक केन्द्र का निर्माण + 2 कार्य।	04.06.2026 15.06.2026	रु.1,72,48,193/-	https://etenders.hry.nic.in	8930110195 secy.gannaur@ulbharyana.nic.in

अधिक जानकारी हेतु कृपया पधारें: www.haryanaeprocurement.gov.in or www.etenders.hry.nic.in

संवाद–13/2027/40/46001/I/88/7 दि. 08.06.26

एलजी की अध्यक्षता में हुई डीडीएमए की बैठक, रेखा गुप्ता, आशीष सूद और प्रवेश हुए शामिल

अग्निशमन विभाग पूर्व अग्निवीरों को भर्ती करने पर करे विचार : संधू

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

दिल्ली के मालवीय नगर इलाके में एक होटल में आग लगने की घटना के कुछ दिनों बाद सोमवार को आयोजित डीडीएमए की बैठक में उपराज्यपाल तरनजीत सिंह संधू ने दिल्ली अग्निशमन सेवा (डीएफएस) में कर्मचारियों की कमी को दूर करने के लिए पूर्व अग्निवीरों को भर्ती करने पर विचार करने का सुझाव दिया।

इस घटना में 22 लोगों की मौत हुई थी। उपराज्यपाल संधू ने दिल्ली आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (डीडीएमए) की बैठक की अध्यक्षता की, जिसमें मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता, गृह मंत्री आशीष सूद, पीडब्ल्यूडी मंत्री प्रवेश साहिब सिंह और दिल्ली सरकार के शीर्ष पुलिस और प्रशासनिक अधिकारी शामिल हुए। संधू ने कहा कि अवैध भवनों के खिलाफ जारी अभियानों, अग्नि सुरक्षा संबंधी लाइसेंसों के दुरुपयोग और भविष्य की तैयारियों के उपायों की व्यापक समीक्षा की गई। सैद-उल-अजैब इलाके में हाल ही में एक इमारत ढहने से छह लोगों की मौत होने और मालवीय नगर में आग लगने की घटना के बाद दिल्ली सरकार ने अनधिकृत निर्माण के खिलाफ एक अभियान शुरू किया है। बैठक में अवैध इमारतों के खिलाफ चल रहे अभियानों, आग से सुरक्षा से जुड़े लाइसेंसों के गलत इस्तेमाल और भविष्य में आपदा से निपटने की तैयारियों की व्यापक समीक्षा की गई। उपराज्यपाल ने जोर दिया कि आपदा के प्रति राजधानी की संवेदनशीलता से जुड़ी चुनौतियों को सीखने, तैयारी करने और मजबूती से निपटने के मौकों के तौर पर देखा जाना चाहिए। अवैध और असुरक्षित ढांचों तथा लाइसेंसों के गलत इस्तेमाल के खिलाफ चल रहे प्रवर्तन अभियान की स्थिति की समीक्षा करते हुए उपराज्यपाल ने कहा कि सुरक्षा नियमों का पालन तो जरूरी है, लेकिन प्रवर्तन की कार्रवाई कभी भी आम निवासियों को परेशान करने का बहाना नहीं बननी चाहिए।

यह जानकारी मिलने पर कि फायर डिपार्टमेंट ने अब तक एक भी नोटिस जारी नहीं किया है, उपराज्यपाल ने कड़ी नाराजगी जताई और दिल्ली फायर सर्विसेज के प्रिंसिपल डायरेक्टर को तुरंत ज़रूरी कार्रवाई करने और एल, सीएम व गृह मंत्री के कार्यालय को सूचित करने का निर्देश दिया। बैठक में पिछले हफ़्ते बनाई गई अधिकारियों की विशेष टीमों को निर्देश दिया गया है कि वे समय पर अपनी 'की गई कार्रवाई की रिपोर्ट' सौंपें ताकि नियमित निगरानी और साफ तौर पर दिखने वाले नतीजे सुनिश्चित किए जा सकें। उपराज्यपाल ने चेतावनी दी कि किसी भी तरह की लापरवाही, काम में ढिलाई या काम न कर पाने का सीधा असर अधिकारी की सालाना गोपनीय रिपोर्ट की ग्रेडिंग पर पड़ेगा। मानसून की तैयारियों की समीक्षा करते हुए उपराज्यपाल ने कहा कि अतिरिक्त सावधानी बरतने और गाद निकालने के कामों को सख्ती से लागू करने का निर्देश दिया, ताकि आने वाले बरसात के मौसम में जल-जमाव और बाढ़ की स्थिति बिल्कुल न बने। उपराज्यपाल ने कहा कि प्रशासनिक सीख कभी नहीं रुकनी चाहिए और अधिकारियों से आग्रह किया कि वे सभी उपलब्ध स्त्रोतों से व्यावहारिक सुझावों और समाधानों के लिए पूरी तरह तैयार रहें।

एक टीम के रूप में काम करें सभी सरकारी एजेंसियां : सीएम रेखा

बैठक में शामिल मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने इस बात पर ज़ोर दिया सभी सरकारी एजेंसियों और प्राधिकरणों को नतीजे देने के लिए एक टीम के रूप में मिलकर काम करना चाहिए। उन्होंने कहा कि दिल्ली राष्ट्रीय राजधानी है और यहां बहाने बनाने या प्रशासनिक शक्तियों का पूरा इस्तेमाल न करने की कोई गुंजाइश नहीं है। शहर में नियमों का खुलेआम उल्लंघन करके किए जा रहे अवैध निर्माण और जमीन की अनधिकृत प्लॉटिंग को तुरंत रोका जाना चाहिए।

बहुमंजिला इमारतों में आग से बचाने के उपाय लागू करना जरूरी : सूद

बैठक में गृह मंत्री आशीष सूद के इस सुझाव को माना गया कि दिल्ली फायर सर्विस एक्ट, 2007 की धारा 32 को सख्ती से लागू किया जाए। इस धारा के तहत राजधानी की सभी बहुमंजिला इमारतों में आग से बचाव और सुरक्षा के उपाय लागू करना जरूरी है, चाहे उन्हें एक्ट के प्रावधानों के अनुसार फायर सेफ्टी सर्टिफिकेट की ज़रूरत हो या न हो। बैठक में इमरजेंसी रिस्पांस टाइम को बेहतर बनाने के लिए दिल्ली भर में फायर स्टेशनों की संख्या को व्यवस्थित तरीके से बढ़ाने की योजनाओं की समीक्षा की गई।

हो सकता है बड़ा हादसा

सुखदेव विहार में फुटपाथ धंसा

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

दक्षिण-पूर्वी दिल्ली के 'सुखदेव विहार पॉकेट-ए' क्षेत्र में फोर्टिस अस्पताल के निकट हाल ही में कराए गए विकास कार्यों की गुणवत्ता पर सवाल उठने लगे हैं। स्थानीय लोगों के अनुसार, कुछ समय पहले यहां नाले का निर्माण किया गया था और उसके ऊपर फुटपाथ बनाया गया था, लेकिन अब पानी के रिसाव के कारण फुटपाथ का एक हिस्सा टूटकर धंस गया है।

स्थानीय नागरिकों का कहना है कि यदि समय रहते इस समस्या पर ध्यान नहीं दिया गया तो यहां कभी भी बड़ा हादसा हो सकता है। राहत की बात यह रही कि फुटपाथ धंसने की घटना के समय वहां कोई राहगीर मौजूद नहीं था, अन्यथा कोई गंभीर दुर्घटना हो सकती थी। जानकारी के अनुसार, यह क्षेत्र पूर्व मुख्यमंत्री व वर्तमान विधायक आतिशी के विधानसभा क्षेत्र में आता है, जबकि स्थानीय निगम पार्षद राजपाल सिंह हैं। इस संबंध में निगम पार्षद राजपाल सिंह ने बताया कि इस संबंध में विधायक को पत्र लिखा जाएगा ताकि नागरिकों को सुविधा मिल सके। वहीं, लोगों ने दिल्ली सरकार, लोक निर्माण विभाग, दिल्ली जल बोर्ड और संबंधित एजेंसियों से इस मामले में शीघ्र हस्तक्षेप की अपील की है।

निर्माण कार्य की गुणवत्ता पर उठ रहे सवाल

वहां से गुजर रहे जागरुक नागरिक, सामाजिक कार्यकर्ता एवं उर्दू के वरिष्ठ लेखक फिरोज मुज़फ़्फ़र ने यह जानकारी देते हुए बताया कि इस स्थान पर कुछ ही समय पहले विकास कार्य किया गया था, लेकिन अब फुटपाथ के टूटने से निर्माण कार्य की गुणवत्ता पर प्रश्नचिह्न लग गया है। उन्होंने कहा कि संबंधित विभाग को तुरंत जांच करानी चाहिए और यह पता लगाना चाहिए कि पानी के रिसाव की वजह क्या है।

'रिसाव या निर्माण संबंधी खामियों को किया जाए दूर'

स्थानीय निवासियों का आरोप है कि यदि निर्माण कार्य मानकों के अनुरूप हुआ होता तो इतनी जल्दी फुटपाथ क्षतिग्रस्त नहीं होता। लोगों ने मांग की है कि क्षेत्र का तकनीकी निरीक्षण कराया जाए और जहां भी रिसाव या निर्माण संबंधी खामियां हों, उन्हें तत्काल दूर किया जाए।

जनसहभागिता से ही संभव है स्वच्छ वातावरण : डॉ. पंत

नई दिल्ली। स्वच्छ वातावरण केवल सरकारी प्रयासों से नहीं,

बल्कि जनसहभागिता से ही संभव है। दिल्ली की उप-महापौर डॉ. मोनिका पंत ने सोमवार को सूरजमल विहार स्थित सी-ब्लॉक शिव मंदिर पार्क में विशेष स्वच्छता अभियान एवं वृक्षारोपण कार्यक्रम के आयोजन पर उपस्थित नागरिकों को संबोधित करते हुए यह बात कही। उन्होंने कहा कि प्रत्येक नागरिक का यह दायित्व है कि वह अपने घर, मोहल्ले और सार्वजनिक स्थलों को स्वच्छ बनाए रखने में सक्रिय योगदान दे। उन्होंने बताया कि इस अभियान का उद्देश्य क्षेत्र में स्वच्छता को बढ़ावा देना, नागरिकों को पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक करना तथा हरित एवं स्वच्छ दिल्ली के निर्माण के लिए जनभागीदारी को प्रोत्साहित करना था। कार्यक्रम में शाहदरा दक्षिण जोन की उपायुक्त वैरोकपम पुंशीबा सिंह एवं वरिष्ठ अधिकारियों, पर्यावरण सहायकों तथा स्थानीय नागरिकों ने सहभागिता की।

महापौर ने खिचड़ीपुर वार्ड का किया निरीक्षण

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

दिल्ली के महापौर प्रवेश वाही ने सोमवार को वार्ड संख्या 167 (खिचड़ीपुर) एवं वार्ड संख्या 168 (पटपड़गंज) का व्यापक निरीक्षण कर क्षेत्र में उपलब्ध नागरिक सुविधाओं, शिक्षा, स्वच्छता एवं आधारभूत ढांचे की समीक्षा की। इस अवसर पर संबंधित वार्ड के पार्षद देवेंद्र कुमार एवं रेणु चौधरी, अतिरिक्त आयुक्त पंकज नरेश अग्रवाल, उपायुक्त शाहदरा दक्षिण वैरोकपम पुंशीबा सिंह तथा अन्य वरिष्ठ निगम अधिकारी उपस्थित रहे। निरीक्षण के दौरान महापौर ने खिचड़ीपुर स्थित ब्लॉक-8 में वरिष्ठ नागरिक केंद्र का दौरा किया तथा वहां आवश्यक विकास कार्य शीघ्र कराने के निर्देश दिए।

इसके बाद उन्होंने आसपास के पार्क का निरीक्षण कर सिंचाई व्यवस्था को बेहतर बनाने हेतु छोटा मोटर पंप लगाने के निर्देश दिए। एक अन्य पार्क में सुरक्षा एवं सौंदर्यीकरण के दृष्टिगत प्रवेश द्वार (गेट) लगाने तथा चारदीवारी के निर्माण के निर्देश भी संबंधित अधिकारियों को दिए गए। महापौर ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी सफाई कर्मियों को नियमित रूप से ओआरएस के पैकेट वितरित किए जाएं, जिससे वे गर्मी के मौसम में स्वस्थ रह सकें। उन्होंने सैनिटेशन स्क्वाड वाहनों के प्रभावी उपयोग पर भी बल देते हुए कहा कि इन वाहनों के माध्यम से नागरिकों, विशेषकर आरडब्ल्यूए एवं स्थानीय समुदायों को गीले एवं सूखे कचरे के पृथक्करण (वेस्ट सेग्रीगेशन) के प्रति जागरूक किया जाए।

शौचालय के बाहर से अतिक्रमण हटाने के दिए निर्देश

महापौर ने क्षेत्र में स्थित सुलभ शौचालय का निरीक्षण करते हुए पाया कि उसके बाहर अतिक्रमण किया गया है। उन्होंने संबंधित विभागों को तत्काल प्रभाव से अतिक्रमण हटाने तथा आम नागरिकों की सुविधा सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। इसके बाद महापौर ने निगम विद्यालय का दौरा कर विद्यार्थियों को उपलब्ध कराई जा रही मूलभूत सुविधाओं का जायजा लिया। उन्होंने विद्यालय में पेयजल, पंखों, बेंचों, शौचालयों एवं अन्य आवश्यक सुविधाओं के संबंध में विस्तृत जानकारी प्राप्त की तथा अधिकारियों को सभी व्यवस्थाओं को समयबद्ध रूप से दुरुस्त रखने के निर्देश दिए।

एमसीडी ने अवैध निर्माणों के खिलाफ की कार्रवाई

26 संपत्तियों पर तोड़फोड़ और 42 संपत्तियों को किया सील

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) ने दिल्ली के उपराज्यपाल तरणजीत सिंह संधू और दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के निर्देशों पर राजधानी दिल्ली में अवैध निर्माणों के खिलाफ अपना अभियान और तेज कर दिया है।

निगम प्रशासन ने सोमवार को जानकारी देते हुए बताया कि अवैध निर्माण तथा संपत्तियों के दुरुपयोग के प्रति अपनी 'जीरो टोलरेंस की नीति को दोहराते हुए एमसीडी ने सोमवार को दिल्ली भर में 26 संपत्तियों पर तोड़फोड़ (डिमोलिशन) की कार्रवाई की तथा 42 संपत्तियों को सील किया। 1 जून से अब तक एमसीडी ने भवन उपविधियों के उल्लंघन के खिलाफ चलाए जा रहे इस व्यापक अभियान के तहत 123 संपत्तियों पर तोड़फोड़ और 170 संपत्तियों को सील किया है। यह कार्रवाई दिल्ली पुलिस के सहयोग से एमसीडी की टीमों ने की। एमसीडी ने बुलडोजर और अपने संसाधनों की सहायता से अवैध संरचनाओं में तोड़फोड़ की तथा भवन निर्माण नियमों का उल्लंघन करने वाली संपत्तियों को सील किया।

राजस्व विभाग ने 86 संपत्तियों को जांचा

नई दिल्ली। दिल्ली सरकार द्वारा अवैध निर्माण के खिलाफ और अग्निशमन नियमों के उल्लंघन करने वाली संपत्तियों पर कार्रवाई जारी है। राजस्व विभाग से मिले आंकड़ों के अनुसार सोमवार को 86 संपत्तियों को जांचा गया। वहीं पिछले चार दिनों में 5 जून से 8 जून तक कुल 452 संपत्तियों को जांचा को जांचा गया। आंकड़ों के अनुसार सोमवार को कुल 86 संपत्तियों को जांचा गया। आंकड़ों के अनुसार उत्तरी जिले की 8, पुरानी दिल्ली जिले की 5, नई दिल्ली जिले की 2, दक्षिणी पश्चिमी जिले की 20, उत्तरी पश्चिमी जिले की 5, मध्य उत्तरी जिले की 1, मध्य जिले की 10 और पश्चिमी दिल्ली जिले की 24 संपत्तियों को नोटिस जारी किए गए।

एनडीएमसी उपाध्यक्ष ने विकास कार्यों का निरीक्षण किया

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

नई दिल्ली नगरपालिका परिषद (एनडीएमसी) के उपाध्यक्ष कुलजीत सिंह ने सोमवार को खान मार्केट में चल रहे विकास कार्यों का विस्तृत निरीक्षण किया और स्थल पर कार्य की प्रगति की समीक्षा की। चहल ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'विकसित भारत' के विजन के अनुरूप राजधानी को स्वच्छ, सुरक्षित, आधुनिक, सुदृढ़ और भविष्य-उन्मुख शहरी अवसंरचना से सुसज्जित करने के उद्देश्य से निरंतर विकास कार्यों की समीक्षा की जाती है। उन्होंने बताया कि खान मार्किट में एनडीएमसी द्वारा मध्य लेन के सुधार हेतु एकीकृत ड्रेनेज सिस्टम, उन्नत फुटपाथ एवं फर्श बिछाने का कार्य किया जा रहा है। इस निरीक्षण के दौरान परिषद् वित सलाहकार राकेश कुमार, सचिव राहुल सिंह सहित सिविल, इलेक्ट्रिकल, आर्किटेक्चर, स्वास्थ्य, प्रवर्तन और सड़क विभाग के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

डस्ट-फ्री' बनेंगी दिल्ली की सड़कें, लागू होगा रोड एसेट मैनेजमेंट सिस्टम : रेखा

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

दिल्ली की सड़कें अब सुरक्षित, टिकाऊ और डस्ट फ्री बनेंगी। इसके लिए मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता की मौजूदगी में सोमवार को लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी), केंद्रीय सड़क अनुसंधान संस्थान (सीएसआईआर-सीआरआरआई) और स्कूल ऑफ प्लानिंग ऐंड आर्किटेक्चर (एसपीए) के बीच ऐतिहासिक त्रिपक्षीय समझौते (मेमोरेंडम ऑफ एग्रीमेंट-एमओए) पर हस्ताक्षर किए गए।

इस पहल के अंतर्गत दिल्ली की शहरी सड़कों के सौंदर्यीकरण, वैज्ञानिक पुनर्रचना और हरित विकास को बढ़ावा देने के लिए 'स्टैंडर्ड फ्रेमवर्क फॉर पेविंग ऐंड ग्रीनिंग ऑफ अर्बन रोड' लागू किया जाएगा। इस अवसर पर पीडब्ल्यूडी मंत्री प्रवेश साहिब सिंह, पर्यावरण मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा सहित सीएसआईआर-सीआरआरआई के वैज्ञानिक, एसपीए के विशेषज्ञ और विभिन्न विभागों के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे। इस अवसर पर मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि दिल्ली सरकार केवल नई सड़कें बनाने तक सीमित नहीं है, बल्कि हम ऐसा अर्बन रोड इकोसिस्टम विकसित कर रहे हैं जो पर्यावरण-अनुकूल, सुरक्षित और भविष्य की जरूरतों के मुताबिक हो। बढ़ते ट्रैफिक, वायु प्रदूषण और जलभराव जैसी चुनौतियों से निपटने के लिए अब सड़कों का रखरखाव पारंपरिक नहीं, बल्कि वैज्ञानिक और डेटा-आधारित प्रणाली से किया जाएगा।

- दिल्ली सरकार, सीएसआईआर-सीआरआरआई और एसपीए के बीच ऐतिहासिक एमओए पर हुए हस्ताक्षर

प्राकृतिक वेंटिलेशन, खस स्क्रीन और मिस्ट कूलिंग सिस्टम से हैं सुसज्जित

लोगों को भीषण गर्मी में राहत देने के लिए सरकार स्थापित करेगी बांस से बने 'कूलिंग जोन'

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

राजधानी में बढ़ती गर्मी और हीटवेव से नागरिकों को सुरक्षित रखने के लिए दिल्ली सरकार बांस से बने कूलिंग जोन स्थापित करेगी। इस बात की घोषणा मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने सोमवार को की है। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने बताया कि वर्तमान में बवाना और अलीपुर में दो 'कूलिंग जोन' संचालित हैं और नागरिकों को उनकी सेवाएं मिल रही हैं।

इसके अतिरिक्त तीन और कूलिंग जोन विकसित किए जा रहे हैं, जिन पर कार्य प्रारंभ हो चुका है। इनमें से एक कूलिंग जोन जिला उपायुक्त (डीसी) कार्यालय के सामने स्थापित किया जा रहा है। यह पहल दिल्ली सरकार की उस सोच का हिस्सा है, जिसके तहत पर्यावरण-अनुकूल, टिकाऊ और जलवायु-अनुकूल सार्वजनिक सुविधाओं का विकास किया जा रहा है।

इन कूलिंग जोन का उद्देश्य विशेष रूप से समाज के कमजोर और संवेदनशील वर्गों, निर्माण श्रमिकों, दिहाड़ी मजदूरों, रिक्शा चालकों, ड्राइवरों, रेहड़ी-पटरी विक्रेताओं और खुले में काम करने वाले अन्य नागरिकों को अत्यधिक गर्मी के दुष्प्रभावों से बचाना है। इन कूलिंग जोन का निर्माण मुख्य रूप से बांस से किया गया है, जिससे पर्यावरण पर न्यूनतम प्रभाव पड़ता है और यह एक टिकाऊ संरचना के रूप में कार्य करता है। इसमें खस की स्क्रीन और मिस्ट आधारित कूलिंग सिस्टम लगाया गया है, जो प्राकृतिक रूप से आसपास के तापमान को कम करता है और लोगों को अधिक आरामदायक वातावरण उपलब्ध कराता है। कूलिंग जोन में प्राकृतिक वेंटिलेशन की विशेष व्यवस्था की गई है। इसके लिए रणनीतिक रूप से डिजाइन किए गए एग्जॉस्ट वेंट और वायु सर्कुलेशन रूट बनाए गए हैं, जिससे लगातार हवा का प्रवाह बना रहता है। पूरी संरचना को इस प्रकार विकसित किया गया है कि यह कम से कम गर्मी को अवशोषित करे और अधिकतम

शीतलता और आराम प्रदान कर सके। नागरिकों की सुविधा और सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए कूलिंग जोन में ठंडे पीने के पानी, ओआरएस पैकेट, अग्निशामक यंत्र, हीटवेव से बचाव और जागरूकता संबंधी सूचना, शिक्षा एवं संचार (आईईसी) सामग्री और पर्याप्त बैठने और विश्राम की व्यवस्था उपलब्ध कराई गई है। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि कूलिंग जोन को लोगों से अत्यंत सकारात्मक प्रतिक्रिया मिल रही है।

वनवासी क्षेत्रों के विकास में समाजसेवी आए आगे: किरन

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

सार्वदेशिक आर्य प्रतिनिधि सभा की सेवा इकाई अखिल भारतीय दयानंद सेवाश्रम संघ के तत्वावधान में नई दिल्ली स्थित भारत मंडपम में वनवासी बंधु मिलन समारोह का भव्य आयोजन हुआ। इस अवसर पर मुख्यातिथि केंद्रीय संसदीय एवं अल्पसंख्यक मंत्री किरन रिजिजु ने योग से युवाओं को ऊर्जावान बनाने तथा राष्ट्र की मुख्य धारा से जोड़ने में आर्य समाज की सराहना की। उन्होंने आगे कहा कि वनवासी क्षेत्रों के विकास में समाजसेवियों को आगे आना चाहिए। शिक्षा पाठ्यक्रम में वनवासी देश भक्तों, शहीदों को भी उचित स्थान दिए जाने की जरूरत है। इस अवसर पर 43 वैचारिक क्रांति शिविर के प्रतिभाशाली युवाओं को पुरस्कृत भी किया गया। उन्होंने कहा कि स्वतंत्रता संग्राम में भी 80 प्रतिशत महर्षि दयानंद के अनुयायी अग्रसर रहे।

खबर संक्षेप

नहीं रहे प्रसिद्ध रागनी गायक पेप्सी शर्मा

गाजियाबाद। प्रसिद्ध रागनी गायक पेप्सी शर्मा (39) का दिल का दौरा पड़ने से निधन हो गया। पेप्सी अमरोहा जिले के गांव पतला निवासी थे और परिवार समेत नोएडा रहते थे। उनकी माता माया देवी बीमार चल रही थीं। रविवार दोपहर वह मां का हाल जानने गांव पतला आए थे। तभी उनके सीने में तेज दर्द हुआ, उन्हें उपचार के लिए मोदीनगर जीवन अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों नें उन्हें मृत घोषित कर दिया।

देसी कट्टा के साथ आरोपी को किया गिरफ्तार

फरीदाबाद। क्राइम ब्रांच एनआईटी की टीम ने एक व्यक्ति को अवैध देसी कट्टा के साथ गिरफ्तार किया है। जिसकी पहचान निखिल निवासी एसी नगर फरीदाबाद के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार क्राईम ब्रांच एनआईटी की टीम को अपने गुप्त सूत्रों से सूचना प्राप्त हुई कि एसी नगर फरीदाबाद के रहने वाला निखिल के पास अवैध हथियार है और सेक्टर 48 क्षेत्र में मौजूद है।

सट्टा खाई करने वाला धराया, 6250 बरामद

फरीदाबाद। फरीदाबाद पुलिस द्वारा जुआ अधिनियम के अंतर्गत लगातार कार्रवाई की जा रही है। पिछले 5 दिनों में फरीदाबाद पुलिस ने 10 आरोपियों को गिरफ्तार कर 33950 किये जा चुके हैं। 7 जून को क्राईम ब्रांच सेक्टर 48 की टीम ने थाना डबुआ क्षेत्र के अंतर्गत सट्टा खाई करने वाले एक और व्यक्ति को गिरफ्तार कर 6250 बरामद किये हैं। पुलिस के अनुसार क्राईम ब्रांच सेक्टर-48 की टीम ने गुप्त सूत्रों की सूचना पर डबुआ मंडी के पास सट्टा खाई करते हुए विकास निवासी डबुआ कालोनी फरीदाबाद को गिरफ्तार किया है। जिससे 6250 बरामद हुए हैं।

सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता का आयोजन

समारोह आयोजित : उत्कृष्ट कार्य करने वाले युवाओं को युवा विकास समिति ने पन्हैडा में किया सम्मानित

हरिभूमि न्यूज ▶▶ फरीदाबाद

ग्रामीण युवा विकास समिति के सहयोग से बोर्ड परीक्षा में मेरिट लेने वाले छात्रों एवं सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता व उत्कृष्ट कार्य करने वाले युवाओं का सम्मान-समारोह किया। समिति महासचिव रघु शास्त्री ने बताया समारोह की अध्यक्षता कर रहे तारा मोहन रिटायर्ड कर्नल व डॉ नंदकिशोर शर्मा के दादा स्वर्गीय भूप सिंह की स्मृति में किया गया।

» **सीए की परीक्षा पास करने वाली मोनिका को सम्मानित किया**

» **मंच का संचालन मास्टर रतन सिंह ने किया**

सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता में प्रथम स्थान पर वैष्णवी, एवं दितीय स्थान पर निधि शर्मा रही

कार्यक्रम में लगभग 75 वरीयता सूची में स्थान प्राप्त करने वाले एवं उत्कृष्ट युवाओं को तथा सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता में प्रथम स्थान वैष्णवी, द्वितीय स्थान प्राप्त ध्रुव एवं तृतीय स्थान निधि शर्मा को भी अतिथि के रूप में उपस्थित जयदेव पाराशर रिटायर्ड जजए देवेंद्र पाराशर आरबीएल बैंक जोनल हेड नॉर्थ, बैंक मंगाकर जतिन सेठी फरीदाबाद के कर कमलों से सम्मानित किया गया। समिति अध्यक्ष डीके शर्मा ने अपने समिति के पदाधिकारी के साथ मिलकर आए हुए सभी अतिथियों का पटका उढ़ाकर एवं बैज लगाकर स्वागत किया। गांव के लोगों से अपार सम्मान मिलने पर कर्नल तारा मोहन की खुशी के कारण आंखें नम हो गई। वही कार्यक्रम में मंच का संचालन मास्टर रतन सिंह ने किया। कार्यक्रम में सीए की परीक्षा पास करने वाली मोनिका को भी सम्मानित किया गया।

पं. मूलचन्द्र शर्मा ने कहा-क्षेत्रवासियों को बेहतर सुविधा उपलब्ध होगी

65 लाख रुपए की लागत से आर्य नगर की 13 गलियों के निर्माण कार्य का विधायक शर्मा ने किया शुभारंभ

हरिभूमि न्यूज ▶▶ फरीदाबाद

अंडरपास निर्माण से क्षेत्र के विकास को नई गति मिलेगी, यातायात व्यवस्था और अधिक सुगम होगी

वार्ड-42 स्थित आर्य नगर क्षेत्र में विकास कार्यों को गति देते हुए विधायक एवं पूर्व कैबिनेट मंत्री हरियाणा पंडित मूलचंद शर्मा ने स्थानीय निवासियों के हाथों नारियल फुड़वाकर 13 गलियों के निर्माण कार्य का शुभारंभ कराया। नगर निगम की ग्रांट से लगभग 65 लाख रुपये की लागत से आरएमसी सड़कों का निर्माण किया जाएगा, जिससे क्षेत्रवासियों को बेहतर आवागमन सुविधा उपलब्ध होगी।

इस अवसर पर विधायक पं. मूलचंद शर्मा ने बताया कि क्षेत्र में सीवर और पेयजल लाइन बिछाने पर लगभग 3 करोड़ रुपए की राशि खर्च की जा चुकी है। उन्होंने कहा कि इन विकास कार्यों को वर्ष 2024 के विधानसभा चुनावों से पूर्व ही स्वीकृत करा लिया गया था, लेकिन चुनाव प्रक्रिया के चलते उस समय कार्य आरंभ नहीं हो सका। चुनावों के बाद सबसे पहले सीवर और पानी की लाइन बिछाने का कार्य पूरा कराया गया और अब गलियों के निर्माण का कार्य भी शुरू कर दिया गया है।

उन्होंने कहा कि एक समय आर्य नगर की गलियों में जलभराव की गंभीर समस्या रहती थी। सरकार से स्वीकृति लेकर पहले क्षेत्र में टाइल्स वाली गलियों का निर्माण कराया गया था और अब अधिकांश मूलभूत सुविधाओं के कार्य पूरे हो चुके हैं। उन्होंने कहा कि क्षेत्र के विकास में किसी प्रकार की कमी नहीं रहने दी जाएगी और प्रत्येक नागरिक को बेहतर आधारभूत सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। विधायक मूलचंद शर्मा ने कहा कि बल्लभगढ़ के समग्र विकास के लिए सरकार लगातार कार्य कर रही है। एलिवेटेड पुल के निर्माण से बल्लभगढ़ की सुंदरता बढ़ेगी और शहर को जाम की समस्या से काफी हद तक राहत मिलेगी। इसके अलावा सोहना फ्लाईओवर तथा मुजेसर अंडरपास के निर्माण से क्षेत्र के विकास को नई गति मिलेगी और यातायात व्यवस्था और अधिक सुगम होगी।

इस अवसर पर टिपरचंद शर्मा, नॉमिनेट पार्षद योगेश शर्मा, मंडल अध्यक्ष संजय जांगिड़, पारस जैन, स्वराज भाटी, सीएम विंडो एमिनेंट सदस्य राहुल गोयल, जिला उपाध्यक्ष फरीदाबाद महानगर लखमीचंद भारद्वाज, प्रधान रामकिशन शर्मा, मन की बात जिला प्रमुख राजकुमार शर्मा, सुनील शास्त्री, सतवीर वैष्णव, सचिन गर्ग, कुंवर सिंह, देवा सहित अनेक गणमान्य नागरिक, कॉलोनी की महिलाएं, बुजुर्ग एवं युवा बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

माइक्रो लर्निंग सेंटर और स्कॉलरशिप पर होगा फोकस

राउंडटेबल में शिक्षा क्षेत्र में व्यापक एवं प्रभावी सीएसआर साझेदारियों पर चर्चा

सीएसआर के तहत यूपी सरकार के साथ करार करते

हरिभूमि न्यूज ▶▶ गुरुग्राम

बेसिक एवं माध्यमिक शिक्षा विभाग तथा इन्वेस्ट यूपी सीएसआर फैसिलिटेशन सेल द्वारा आयोजित उत्तर प्रदेश सीएसआर राउंडटेबल 2026 फ्यूचर-रेडी एजुकेशन में मलाबार गोल्ड एंड डायमंड्स ने सहभागिता की। इस राउंडटेबल में शिक्षा क्षेत्र में व्यापक एवं प्रभावी सीएसआर साझेदारियों पर चर्चा के लिए वरिष्ठ सरकारी प्रतिनिधियों और चुनिंदा कॉर्पोरेट संस्थाओं ने भाग लिया। कार्यक्रम में उत्तर प्रदेश सरकार के बेसिक शिक्षा विभाग के राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) संदीप सिंह मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे।

चर्चा के दौरान बुनियादी साक्षरता एवं संख्यात्मक ज्ञान, डिजिटल लर्निंग इंफ्रास्ट्रक्चर, विद्यालयी अवसंरचना सुदृढ़ीकरण, शिक्षक क्षमता निर्माण तथा बालिका शिक्षा जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विचार-विमर्श किया गया। वहीं मलाबार ग्रुप का प्रतिनिधित्व इस राउंडटेबल में ग्रुप के सीएसआर हेड शबीर पी. के. तथा मलाबार गोल्ड एंड डायमंड्स के नॉर्थ रीजनल हेड जिशाद ने किया। इस सहभागिता पर मलाबार ग्रुप के चेयरमैन एम. पी. अहमद ने कहा कि यूपी के शिक्षा तंत्र के लिए काम करना हमारे लिए सम्मान और जिम्मेदारी दोनों है। अच्छी शिक्षा से किसी भी बच्चे का भविष्य बदल सकता है। हम चाहते हैं कि अपने माइक्रो लर्निंग सेंटर और स्कॉलरशिप प्रोग्राम को यूपी के और ज्यादा बच्चों तक पहुंचाएं। इस राउंडटेबल से साफ है कि अब बच्चों की पढ़ाई सुधारने के लिए सरकार और कंपनियां मिलकर काम करेंगी। मलाबार ग्रुप भी यूपी सरकार के साथ मिलकर अपने शिक्षा वाले काम को और आगे बढ़ाएगा। मलाबार ग्रुप पहले से ही गरीब और जरूरतमंद बच्चों के लिए माइक्रो लर्निंग सेंटर्स और स्कॉलरशिप चला रहा है। अब यूपी में भी इन प्रोग्राम को और बड़े स्तर पर चलाने के लिए सरकार के साथ एमओयू पर बात हुई है।

विशेषज्ञताओं के डॉक्टरों की टीम गठित की

यशोदा हॉस्पिटल के चिकित्सकों ने सड़क दुर्घटना में गंभीर ओपन चेस्ट इंजरी से जूझ रहे युवक की जान बचाई

हरिभूमि न्यूज ▶▶ गाजियाबाद

दिल्ली- मेरठ एक्सप्रेसवे पर हुई सड़क दुर्घटना में घायल युवक की यशोदा हॉस्पिटल के चिकित्सकों ने बचा ली। युवक को बेहद गंभीर चोटें आई थीं। उसके सीने में बड़ा खुला घाव हो गया था, जिससे बायां फेफड़ा और हृदय तक दिखाई दे रहे थे। इसके अलावा कई पसलियां टूट गई थीं और उसकी सांसें भी बहुत धीमी हो गई थीं। यदि समय पर उचित उपचार नहीं मिलता तो स्थिति जानलेवा साबित हो सकती थी। एक प्रेस कांग्रेस में डॉक्टरों ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में दी। उन्होंने बताया कि मरीज को 24 मई को सुबह लगभग 7 बजे यशोदा हॉस्पिटल, नेहरू नगर, गाजियाबाद लाया गया, जहां उसे तुरंत इमरजेंसी विभाग में भर्ती किया गया। जांच में पाया गया कि मरीज के सीने में गहरा खुला घाव था जो छाती की गुहा तक पहुंच गया था। बाईं ओर कई पसलियां टूट गई थीं, कॉलर बोन और छाती की हड्डी को जोड़ने वाला जोड़ (स्टर्नोक्लेविकुलर जॉइंट) अपनी जगह से खिसक गया था, छाती में खून भर गया था (हीमोथोरैक्स) तथा बाएं फेफड़े का ऊपरी हिस्सा पूरी तरह सिकुड़ गया था। अत्यधिक रक्तस्राव और गंभीर चोटों के कारण मरीज शॉक की स्थिति में भी था। मरीज को सबसे पहले आपातकालीन ट्रॉमा उपचार देकर स्थिर किया गया। इसके अंतर्गत घाव की पैकिंग कर रक्तस्राव नियंत्रित किया गया, रक्त चढ़ाया गया तथा छाती से खून और हवा निकालने के लिए चेस्ट ड्रेन डाली गई।

PUBLIC NOTICE

This is to inform public in general that Kotak Mahindra bank Ltd has organized an auction in below mention respect of Vehicles.

VEHICLES FOR SALE

1) SWRJ_MAZDA SARTAJ_XM REG. NO. DL1LAG2940-YOM- 2022
2) SWRJ_MAZDA SARTAJ_XM REG. NO. DL1LAG2103-YOM -2022
3) TATA MOTORS TATA1916 REG. NO. HR55AZ7455-YOM - NA
4) ASHOK_LEY AL_U_5525 REG. NO. HR38AH0114-YOM - NA
5) MAH MHMAXXCITY REG. NO. DL1LAN7660-YOM-NA
6) TATA MOTORS TATA_1512 REG.NO. DL1GE2483- YOM - NA
7) TATA MOTORS T_INTRAV20 REG. NO. DL1LAN6842-YOM- NA
8) TATA MOTORS LPT2818 REG. NO. HR38AC1345-YOM-2021
9) TATA MOTORS TATAACE REG NO. DL1LAH9920-YOM-2022
10) TATA MOTORS TATAACE REG NO. DL1LAL3987-YOM- 2023
11) TATA MOTORS TACEGOLD REG NO. DL1LAM8833-YOM-2024
12) TATA MOTORS TACEGOLCNG REG NO. DL1LAM4356-YOM - 2024
13) TATA LPT909FB REG NO. DL1MA0755-YOM - 2018

UNDER HYPOTHECATION WITH M/S KOTAK MAHINDRA BANK IS UNDER SALE IN ITS "AS IS WHERE IS CONDITION" INTERESTED PARTIES CAN GIVE THEIR QUOTATIONS WITH IN 7 DAYS AT BRANCH ADDRESS:
KOTAK MAHINDRA BANK
3RD FLOOR, PLOT NO 7,
SECTOR 125,NOIDA-201313
OR CONTACT : RAMAN AHUJA
KOTAK MAHINDRA BANK LTD.
CONTACT NO. 8377988238
EMAIL–raman.ahuja@kotak.com

डबुआ क्षेत्र के अंतर्गत ब्लाइंड मर्डर का खुलासा

किशोर की हत्या के मामले में अपराध शाखा डीएलएफ की टीम ने आरोपी को किया गिरफ्तार, पूर्व में आपराधिक रिकार्ड दर्ज

हरिभूमि न्यूज ▶▶ फरीदाबाद

फरीदाबाद पुलिस की अपराध शाखाओं की टीम द्वारा संगीन मामलों में लगातार अपराधियों की धर पकड की जा रही है, इसी के चलते 5-6 जून की रात्री को थाना डबुआ क्षेत्र के अंतर्गत एक किशोर की हत्या करने के मामले में अपराध शाखा डीएलएफ की टीम ने 8 जून को एक आरोपी को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है, जिसकी पहचान सुरजावली, खुर्जा बुलंदशहर उत्तर प्रदेश निवासी रोहित के रुप में हुई है, जिसको मंगलवार को माननीय न्यायलय में पेश कर आगामी कार्रवाई की जाएगी।

पुलिस के अनुसार रोहित उर्फ फटेला के मां-बाप का देहांत हो चुका है, वह अपनी नाना-नानी के पास खुर्जा उत्तर प्रदेश में रहता है और आवारा घूमता फिरता है, वह फरीदाबाद के सुभाष नगर में अपने जानकार के पास भी आता जाता रहता है। उसकी मृतक आकाश निवासी नंगला एंक्लेव पार्ट.2 से पिछले एक-डेढ साल से जानकारी थी। करीब ढाई महीना पहले दोनों सहारा मॉल गुरुग्राम के एक क्लब में पार्टी करने गये थे। क्लब में आकाश की एंट्री फीस 500 रुपये का भुगतान आरोपी ने किया था। वह पिछले एक-डेढ महीने से आकाश से अपने 500 रुपये मांग रहा था परंतु आकाश उसको टरका रहा था। आकाश के परिवार वालों ने भी पैसे देने से मना कर दिया था। 5 जून को आरोपित अपने एक चोरी के मामले में माननीय न्यायालय फरीदाबाद में तारीख पेशी पर आया था। रात करीब 9.30 बजे वह आकाश को उसके घर से अपने साथ ले गया और दोनों ने बीयर पीए उसने आकाश से अपने पैसे मांगे, पैसे न देने पर उसने आकाश के छाती और पेट पर सूआ से वार कर दिया और बाद में गमछा से गला दबाकर आकाश की हत्या कर दी और मौके से भाग गया। आरोपी का पूर्व में भी आपराधिक रिकॉर्ड रहा है, चोरी के दो मामले फरीदाबाद में दर्ज हैं। बता दें कि 6 जून की सुबह थाना डबुआ पुलिस को सूचना मिली थी कि उडिया कालोनी में एयर फोर्स स्टेशन के पीछे खाली जगह में एक नौजवान व्यक्ति की डेडबॉडी पडी है, सूचना पर पुलिस टीम घटनास्थल पर पहुंची।

मार्केटिंग से ज्यादा यूजर की राय जरूरीः माधव

गुरुग्राम। आमतौर पर कंपनियां फोन लॉन्च कर पहले बेचती हैं, फिर लोग रिव्यू करते हैं। लेकिन एआई प्लस स्मार्टफोन ने ये तरीका ही बदल दिया है। कंपनी ने कहा है कि वो अपने नए फोन नोवा2 नियो और नोवा2 प्रो को दुकानों में बेचने से पहले ही टेक रिव्यूअर्स, यूट्यूबर्स, पत्रकारों और टेक लवर्स के हाथ में देगी। जिसका मकसद है पहले लोग फोन चलाएं, खामियां-खूबियां खुलकर बताएं। एआई प्लस स्मार्टफोन के सीईओ माधव शेठ ने कहा कि आजकल लॉन्च का मतलब सिर्फ बड़ी-बड़ी बातें और कंट्रोल मैसेज होते हैं। हम वो रास्ता नहीं चुन रहे। हमारे लिए लॉन्च के दिन की मार्केटिंग से ज्यादा जरूरी है कि यूजर को सही प्रोडक्ट मिले। हमें लोगों का सच्चा फीडबैक चाहिए।

जनसुनवाई शिविर में पहुंचीं 32 शिकायतें

अधिकारियों को त्वरित समाधान के निर्देशः मेयर प्रवीण जोशी

फरीदाबाद। नगर निगम फरीदाबाद द्वारा प्रत्येक सोमवार को आयोजित किए जाने वाले जनसुनवाई शिविर में आज लगभग 32 शिकायतें प्राप्त हुईं। शिविर की अध्यक्षता महापौर श्रीमती प्रवीण जोशी ने की। इस अवसर पर निगम आयुक्त धीरेंद्र खडगटा के दिशा निर्देशों पर नगर निगम के अतिरिक्त आयुक्त तृतीय परमजीत चहल भी उपस्थित रहे। महापौर एवं अतिरिक्त आयुक्त ने नागरिकों की समस्याओं को गंभीरता से सुनते हुए संबंधित अधिकारियों को शिकायतों के शीघ्र एवं प्रभावी समाधान के निर्देश दिए। अधिकारियों को निर्देश दिए कि प्रत्येक शिकायत को प्राथमिकता के आधार पर लेते हुए निर्धारित समय सीमा में उसका समाधान किया जाए। अतिरिक्त आयुक्त परमजीत चहल ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि शिकायतों के निस्तारण के बाद संबंधित शिकायतकर्ता के मोबाइल नंबर पर संपर्क कर उन्हें समाधान की जानकारी अवश्य दी जाए।

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा 82 सीआरपीसी देखिए

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **गोविंदा, पुत्र कालू राम निवासी वेगाबॉन्ड, सब्जी मंडी, ओखला और मोदी मिल फ्लाईओवर पटरी, नई दिल्ली ने प्रथम सूचना रिपोर्ट संख्या 344/2025, धारा 25/54 आर्म्स एक्ट, थाना ओखला औद्योगिक क्षेत्र, नई दिल्ली** के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है) और उस पर जारी किये गये गिरफ्तारी के वारंट को यह लिखकर लौटा दिया है कि उक्त अभियुक्त **गोविंदा** मिल नहीं रहा है और मुझे समाधानप्रद रूप से दर्शित कर दिया है कि उक्त अभियुक्त **गोविंदा** फरार हो गया है (या उक्त वारंट की तामील से बचने के लिए अपने आप को छिपा रहा है)।

इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि **प्रथम सूचना रिपोर्ट संख्या 344/2025, धारा 25/54 आर्म्स एक्ट, थाना ओखला औद्योगिक क्षेत्र, नई दिल्ली** के उक्त अभियुक्त **गोविंदा** से अपेक्षा की जाती है कि वह इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **10.07.2026** को या उससे पूर्व हाजिर हो।

आदेशानुसार
सुश्री आकांक्षा गौतम
एलडी. न्यायिक दण्डाधिकारी प्रथम श्रेणी-02, दक्षिण-पूर्व जिला, साकेत कोर्ट परिसर, नई दिल्ली

DP/7643/SE/2026

जलसाजों के कब्जे से 2 फर्जी पैन कार्ड, 2 बैंक पासबुक, 1 फर्जी वोटर आईडी

जालसाज अपराधिक षडयंत्र रचकर अनुचित लाभ कमाने के फिराक मे थें

फर्जी कागजात करके करोडों की जमीन विक्रय करने वाले 10 जालसाज गिरफ्तार, फर्जी दस्तावेज बरामद

हरिभूमि न्यूज ▶▶ गाजियाबाद

थाना साहिबाबाद पुलिस ने धोखाधड़ी/कूटरचित दस्तावेज तैयार करके दूसरे की सम्पत्ति को विक्रय करने वाले 10 लोगों को गिरफ्तार किया है। जिनके कब्जे से 1 फर्जी आधार कार्ड, 2 फर्जी पैन कार्ड, 2 बैंक पासबुक, 1 फर्जी वोटर आईडी कार्ड, 4 बैंक चैक बुक, 1 फर्जी किसान बही, 6 पासपोर्ट साइज फोटो बरामद हुए हैं । डीसीपी धवल जायसवाल ने बताया कि थाना साहिबाबाद पर राजकुमार अग्रवाल निवासी जिला गौतमबुद्ध नगर द्वारा लिखित तहरीर प्राप्त हुई। जिसमें बताया कि खसरा नम्बर 1162, 1217/2, 1218, 1255/1, 1275, 1271 व 1275 स्थित ग्राम अर्थला जिला गाजियाबाद के राजस्व अभिलेखों में संक्रमणीय भूमिधर के रूप में दर्ज व पंजीकृत है। सुरेन्द्र नाम के व्यक्ति द्वारा प्रार्थी का नाम राजस्व अभिलेखों में दर्ज भूमि को स्वयं की बताकर फर्जी तरीके से कूटरचित दस्तावेज जैसे पैन कार्ड, आधार कार्ड व बैंक की पासबुक व चैकबुक तैयार कर फर्जी तरीके कर अपने अन्य साथियों के साथ मिलकर अपराधिक षडयंत्र रचकर सम्पत्ति को अपनी सम्पत्ति बताकर विक्रय करने व अनुचित लाभ कमाने के फिराक मे है। पुलिस ने 10 लोगों को गिरफ्तार कर लिया। आरोपी राजकुमार अग्रवाल पूछताछ करने पर बताया कि मेरा सही नाम सुरेन्द्र सिंह निवासी गांव अछैजा, थाना पिलखुआ, जिला हापुड है। मैं अपना मूल मकान आज से करीब 40 वर्ष पहले बेचकर दिल्ली चला आया था । तभी से दिल्ली में मकान बदल-बदल कर किराए के मकान में अपने बच्चों के साथ रहता हूँ तथा अब बृजपुरी कॉलोनी, वजीराबाद रोड, लेखपाल सतवीर सिंह पुत्र छंगा सिंह निवासीः ग्राम कचैडा वारसाबाद, थाना बादलपुर, जिला गौतमबुद्धनगर से करीब 20 साल से आपसी पारिवारिक सम्बंध है, लेखपाल सतवीर सिंह जब नौकरी पर थे तब इनकी मुलाकात इंदौर की रहने वाली शशि गुप्ता से हुई थी जो कि ब्रोकर है, लेखपाल सतवीर सिंह ने ही शशि गुप्ता को बताया था कि ग्राम अर्थला साहिबाबाद में एक जमीन राजकुमार अग्रवाल की है खाली पड़ी है जो करोडों रुपयों की है।

हरियाणा सरकार **निविदा सूचना**

क्र. सं.	बोर्ड/निगम/ प्राधि. का नाम	कार्य सूचना निविदा का नाम	खुलने की तिथि बंद होने की तिथि	राशि/ईएमडी (लगभग) रु. में	बोर्ड/निगम/प्राधि. की वेबसाइट	नोडल अधिकारी / सम्पर्क विवरण/ई-मेल
1	नगर निगम रोहतक	वार्ड नं. 10, एम.सी. रोहतक में गांव बोहर में बिजेन्द्र के मकान से ओमप्रकाश तक, सुमित से सुरेन्द्र, रविन्द्र, फुलकौर तक, गजे सिंह से चिनिया, धर्मेन्द्र, सुरेन्द्र, चिनिया तक, दालुराम से बिजेन्द्र तक सी.सी. रोड का निर्माण और मुकेश कुमार पुत्र प्यारे लाल के मकान/सज्जन किरयाना स्टोर से शिव शक्ति केबल से मेन चौक फिरनी, संजय पुत्र सतबीर, हरिकिशन, दलबीर, रोहताश, महेन्द्र, सत्यवान, सुरजी, चुगन मंदिर, सेबा, विक्रम, परमजीत, महताब, धरमबीर, कृष्ण लाल तक और विभिन्न गलियों में आईपीबी टाइल को पुनः बिछाना + 1 कार्य।	04.06.2026 11.06.2026	रु.65,72,510/-	https://etenders.hry.nic.in	9467283967 xenmcrohtak@gmail.com

अधिक जानकारी हेतु कृपया पधारें: www.haryanaeprocurement.gov.in or www.etenders.hry.nic.in
संवाद-13/2027/60/45995/I/88/7 दि. 08.06.26

खबर संक्षेप

निर्दलीय नाथवानी का राह हो सकती है आसान

रांची। झारखंड में राज्यसभा चुनाव काफी रोचक हो गया है। भाजपा ने बड़ा राजनीतिक फैसला लेते हुए

अपना उम्मीदवार नहीं उतारने का निर्णय लिया है। जानकारों का मानना है कि भाजपा निर्दलीय प्रत्याशी परिमल नाथवानी का भी समर्थन कर सकती है। यदि ऐसा हुआ तो नाथवानी की राह आसान हो सकती है। वहीं कांग्रेस के सामने उसके अपने 16 विधायकों को एकजुट रखने की बड़ी चुनौती है।

एमएलसी चुनाव को लेकर आरजेडी में कलह

पटना। बिहार एमएलसी चुनाव में राजद ने सुनील सिंह को दूसरी बार मौका दिया है। जिनकी जीत पक्की

है। पार्टी के इस फैसले के बाद पार्टी के एससी एसटी प्रकोष्ठ के राष्ट्रीय अध्यक्ष व पूर्व मंत्री शिवचंद्र राम ने पार्टी के सभी पदों से इस्तीफा दे दिया है। मीडिया से चर्चा कर उन्होंने इसकी जानकारी दी। इस दौरान वे कैमरे के सामने फूट-फूटकर रोने लगे। कहा कि दलित समाज को उचित सम्मान नहीं दिया गया है।

सस्पेंड सिपाही बन गया डकैती का मास्टर माइंड

हापुड़। पुलिस से सस्पेंड हुआ सिपाही डकैती का मास्टर माइंड बन गया। उसके गिरोह का पुलिस

से एनकाउंटर हुआ जिसके बाद उसे साथियों संग काबू कर लिया। कारोबारी के घर डकैती को अंजाम देने वाले डकैतों के गिरोह के साथ हापुड़ देहात पुलिस ने मोर्चा लिया। एनकाउंटर में शामिल दो घायल बदमाश समेत पांच बदमाशों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है।

सीएम योगी के सामने खुली लड़की की मार्कशीट फिर जो हुआ उसकी उम्मीद मां-बेटी को भी नहीं थी

सीएम का जनता दर्शन: मां के साथ पहुंची बेटी, कहा- 12वीं में अच्छे अंक हैं, बीटेक करना चाहती हूं

एजेंसी ▶▶ लखनऊ

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार सुबह 'जनता दर्शन' किया। इस दौरान प्रदेश भर से आए लोगों से उन्होंने व्यक्तिगत मुलाकात की, उनकी समस्याएं सुनीं और समस्याओं के निराकरण का निर्देश दिया। एक बच्ची ने मुख्यमंत्री से उच्च शिक्षा के लिए मदद की गुहार लगाई, जिस पर उन्होंने लखनऊ के किसी संस्थान में प्रवेश दिलाने का आदेश दिया। पुलिस की अनसुनी व अवैध कब्जे से जुड़ी शिकायतों पर सख्त सीएम योगी ने अफसरों को मॉनीटरिंग कर पीड़ितों को न्याय दिलाने का आदेश दिया।

सीएम योगी ने सोमवार को जनता दर्शन कार्यक्रम में हिस्सा लिया। इस दौरान उन्होंने पीड़ितों की फरियाद सुनी।

बूढ़ी मां संग आई बेटी, खुश होकर लौटी

लखनऊ की एक बच्ची अपनी बूढ़ी मां के साथ पहुंची। उसने बताया कि इंटरमीडिएट अच्छे अंक से उत्तीर्ण किया है। वह आगे बीटेक करना चाहती है, लेकिन धन के अभाव में दिक्कत हो रही है। सीएम योगी ने उसकी मार्कशीट देखी, फिर कहा कि पढ़ाई पर ध्यान दो। आपका प्रवेश किसी अच्छे संस्थान में कराया जाएगा। सरकार किसी भी निर्धन या जरूरतमंद की शिक्षा को बाधित नहीं होने देगी। सकारात्मक संदेश पाकर प्रफुल्लित बेटी व मां ने मुख्यमंत्री के प्रति आभार जताया।

पहले जनपद, मंडल के अधिकारियों से अवश्य मिलिए

कुछ फरियादी ऐसे भी आए, जो सीधे 'जनता दर्शन' में पहुंचे। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पूछा कि आपने जनपद के किस अधिकारी के समक्ष अपनी बात रखी। इस पर कुछ फरियादियों ने कहा कि हम सीधे यहीं आ रहे हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि गर्मी बेतहाशा पड़ रही है। आप सभी अपने स्वास्थ्य का ध्यान रखें और सबसे पहले अपनी शिकायतें जनपद, मंडल स्तर के अधिकारियों से करें। कई समस्याओं का समाधान वहीं से हो जाएगा।

निगरानी कर पीड़ितों को न्याय दिलाइए

विभिन्न जनपदों से आए फरियादियों ने मुख्यमंत्री से पुलिस की हीलाहवाली व अवैध कब्जे को लेकर उचित कार्रवाई न होने की शिकायत करते हुए प्रार्थना पत्र सौंपा। मुख्यमंत्री ने हर प्रकरण को सुना, फिर शासन के अफसरों को प्रार्थना पत्र देते हुए कहा कि इन मामलों की मॉनीटरिंग करिए। पीड़ित को न्याय और दोषियों के खिलाफ कार्रवाई कराइए। सीएम ने पीड़ितों को जल्द ही समाधान के लिए आश्वस्त किया।

योगी सरकार का इंडस्ट्रियल डेवलपमेंट के साथ जॉब्स बढ़ाने पर जोर

यूपी बनेगा देश का नया 'टेक्सटाइल हब', 5 जिलों में 326 एकड़ पर विकसित होंगे आधुनिक अपैरल पार्क

उत्तर प्रदेश के वाराणसी, अमरोहा, बरेली, संत कबीर नगर और बिजनौर में पांच बड़े टेक्सटाइल पार्क स्थापित किए जाएंगे। इसके लिए जमीन का चयन कर लिया गया है...

एजेंसी ▶▶ लखनऊ

उत्तर प्रदेश की योगी आदित्यनाथ सरकार राज्य में टेक्सटाइल उद्योगों को विकसित करने में जुटी है। सरकार यूपी में चार टेक्सटाइल पार्क परियोजनाओं पर काम कर रही है। सरकार का उद्देश्य इन उद्योगों के जरिए राज्य को आर्थिक रूप से मजबूत बनाने के साथ रोजगार के अवसर पैदा करना है।

उत्तर प्रदेश को देश के प्रमुख टेक्सटाइल एवं परिधान विनिर्माण केंद्र के रूप में विकसित करने की दिशा में संत कबीर टेक्सटाइल एवं अप्पारैल पार्क योजना तेजी से आगे बढ़ रही है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में यूपी सरकार ने वाराणसी, अमरोहा, बरेली, संत कबीर नगर और बिजनौर में पांच बड़े टेक्सटाइल पार्क विकसित करने की योजना बनाई है। इन पार्कों के लिए कुल 326 एकड़ से अधिक भूमि का चयन किया गया है। सभी भूमि पार्सलों के हस्तांतरण को मंत्रिमंडल ने मंजूरी दे दी है।

खास बातें

- संत कबीर टेक्सटाइल एवं अपैरल पार्क योजना ने पकड़ी रफ़्तार
- प्री-फिजिबिलिटी रिपोर्ट और इंफ्रास्ट्रक्चर का काम तेज

परियोजना के लिए प्राधिकरण गठन की अधिसूचना

परियोजना के क्रियान्वयन के लिए प्राधिकरण गठन की अधिसूचना जारी की जा चुकी है तथा भूमि हस्तांतरण की प्रक्रिया पूरी कर ली गई है। राष्ट्रीय वस्त्र अनुसंधान संस्था की ओर से वाराणसी पार्क की प्री-फिजिबिलिटी रिपोर्ट प्रस्तुत की जा चुकी है, जबकि शेष चार पार्कों की संशोधित प्री-फिजिबिलिटी रिपोर्ट तैयार की जा रही है। उद्योग जगत के सुझावों को शामिल करते हुए इन रिपोर्टों को अंतिम रूप दिया जाएगा। वाराणसी के रामना टेक्सटाइल पार्क को शीघ्र विकसित करने के लिए संपर्क मार्ग निर्माण का कार्य भी आगे बढ़ रहा है। सड़क निर्माण के लिए निविदा प्रक्रिया पूरी होने के बाद अनुबंध की कार्यवाही प्रगति पर है।

पीपीपी मॉडल पर बनाए जाएंगे पार्क

इस योजना के तहत वाराणसी के रामना में 75 एकड़, अमरोहा में 79.825 एकड़, बरेली के बहेड़ी में 79.580 एकड़, संत कबीर नगर के मगहर में 39.490 एकड़ तथा बिजनौर के नगीना में 52.910 एकड़ भूमि पर पार्क विकसित किए जाएंगे। सभी परियोजनाएं सार्वजनिक-निजी भागीदारी (पीपीपी) मॉडल पर स्थापित की जाएंगी। सरकार का लक्ष्य निवेश आकर्षित करने के साथ-साथ प्रदेश में बड़े पैमाने पर रोजगार पैदा करना है।

ईको-फ्रेंडली और ग्रीन मॉडल पर विशेष ज़ोर

योगी सरकार इन पार्कों को पूरी तरह से वैश्विक पर्यावरणीय मानकों के अनुरूप विकसित कर रही है। इसके तहत पर्यावरण स्वीकृति, भूजल उपयोग की अनुमति और वन विभाग की अनापत्ति से संबंधित प्रक्रियाएं तेजी से आगे बढ़ाई जा रही हैं। इसके अलावा, अन्य चार पार्कों के लिए 'मास्टर डेवलपर' का चयन करने हेतु पीपीपी आधारित निविदा दस्तावेज तैयार किए जा रहे हैं।

एमएलसी नहीं, फिर मंत्री कैसे?

दीपक प्रकाश की नियुक्ति पर सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर

पंचायती राज मंत्री की दोबारा मंत्री पद कानूनी विवादों में घिर गई है

एजेंसी ▶▶ पटना

बिहार सरकार के पंचायती राज मंत्री दीपक प्रकाश की दोबारा मंत्री पद पर नियुक्ति अब कानूनी विवादों में घिर गई है। उनकी नियुक्ति को चुनौती देते हुए सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की गई है, जिससे राजनीतिक और संवैधानिक बहस तेज हो गई है। याचिकाकर्ता राकेश कुमार सिंह ने सुप्रीम कोर्ट में दाखिल याचिका में दावा किया है कि दीपक प्रकाश वर्तमान में न तो विधानसभा के सदस्य हैं और न ही विधान परिषद के। इसके बावजूद उन्हें दोबारा मंत्री पद की शपथ दिलाई गई है।

सदस्यता नहीं होने पर नियुक्ति पर आपत्ति

याचिका में कहा गया है कि संविधान किसी गैर-विधायक को मंत्री बनाए जाने की अनुमति देता है, लेकिन निर्धारित समयसीमा के भीतर उसे विधानसभा या विधान परिषद का सदस्य बनना जरूरी होता है। इसी आधार पर नियुक्ति की वैधता पर सवाल उठाए गए हैं।

अदालत से हस्तक्षेप की मांग

याचिकाकर्ता ने सुप्रीम कोर्ट से आग्रह किया है कि मंत्री पद पर दीपक प्रकाश की नियुक्ति की संवैधानिक वैधता की जांच की जाए। साथ ही मामले में उचित आदेश जारी करने की मांग भी की गई है।

एनडीए की सूची से नाम गायब

इसी बीच बिहार में विधान परिषद चुनाव के लिए एनडीए ने अपने उम्मीदवारों की सूची जारी की है। इस सूची में दीपक प्रकाश का नाम शामिल नहीं किया गया है, जिससे उनके राजनीतिक भविष्य को लेकर अटकलें बढ़ गई हैं।

पेज एक का शेष

आगामी 48 से 72 घंटे...

बाद रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की अध्यक्षता में उनके आवास पर हुई एक उच्च-स्तरीय बैठक में वायुसेना से मामले पर लॉजिस्टिक सहयोग लेने को लेकर व्यापक रूप से विचार-विमर्श किया गया था। जिसके बाद ही प्रश्नपत्रों को समय पर सुरक्षित ढंग से परीक्षा केंद्रों तक पहुंचाने के लिए मी-17 हेलिकॉप्टरों का चयन किया गया है। रक्षा सूत्रों ने यह जानकारी दी है।

स्टैंडबाय पर अलर्ट रहेंगी सेनाएं : सूत्रों ने बताया कि नीट परीक्षा के प्रश्नपत्रों को परीक्षा केंद्रों तक पहुंचाने के लिए मी-17 हेलीकॉप्टरों का इस्तेमाल करने के पीछे का उद्देश्य खासतौर पर उन जगहों तक समय पर प्रश्नपत्रों को पहुंचाना है। जहां इस कार्य में खासा तेजी की दरकार है। इसके अलावा प्रश्न पत्रों को भेजने में होने वाली देरी से बचने और पेपर लीक के बाद मामले में सख्त निगरानी के साथ पारदर्शिता को बनाए रखना है। जिससे राष्ट्रीय स्तर की इस प्रतिष्ठित परीक्षा की निष्पक्षता को बरकरार रखा जा सके। रक्षा मंत्रालय ने वायुसेना के अलावा सैन्य और सुरक्षा अधिकारियों को हर दम मुस्तैदी के साथ अलर्ट पर रहने का निर्देश दिया है। जिससे वह किसी भी तरह की आवश्यकता पड़ने पर अतिरिक्त सहायता प्रदान कर परीक्षा के सफल संचालन में लॉजिस्टिक या आपरेशनल रूप से मदद प्रदान कर सकें।

लॉकडाउन में रहेगी पेपर तैयार करने वाली टीम : सूत्रों ने कहा कि पेपर लीक के अलावा किसी भी अन्य प्रकार की गड़बड़ी से बचने के लिए इस बार परीक्षा के लिए नीट का प्रश्नपत्र तैयार करने वाली समूची टीम (पेपर बनाने वाले, मॉडरेटर और अनुवादक शामिल) को एक गोपनीय स्थान पर रखा जाएगा। जहां पर यह सभी लोग परीक्षा के पूरा होने तक लॉकडाउन की स्थिति में रहेंगे। मोबाइल फोन, लैपटॉप और किसी भी तरह की इंटरनेट सुविधा तक इनकी कोई पहुंच नहीं होगी यानी इन सभी प्रकार के डिजिटल उपकरणों के उपयोग पर सख्ती के साथ पाबंदी रहेगी। मंत्रालय के साथ-साथ सरकार का मकसद इस पूरी प्रक्रिया को अपनाकर पेपर लीक या परीक्षा में किसी भी अन्य प्रकार की गड़बड़ी पर पूर्ण विराम लगाना है।

मल्टी लेयर्ड सुरक्षा, एजेंसियों की कड़ी निगरानी : पेपर तैयार करने वाली टीम को लॉकडाउन के हालात में रखना इस परीक्षा से जुड़ी हुई संपूर्ण प्रक्रिया चरण दर चरण फुल प्रूफ बनाए रखने को लेकर तैयार किए गए मल्टी लेयर्ड सुरक्षा घेरे का महज एक छोटा सा हिस्सा है। साथ ही इसमें पेपर बनाने से लेकर उन्हें सुरक्षित स्थान पर स्टोर करने और फिर एक स्थान से दूसरे स्थान पर ले जाना भी शामिल है। इन सबके बीच सुरक्षा एजेंसियों की इस पूरे अभियान पर पैनी नजर रहेगी। जबकि अतिरिक्ति सहायता के लिए सशस्त्र सेनाएं स्टैंडबॉय की भूमिका में भी रहेंगी।

विश्वास बहाली है उद्देश्य : इस साल नीट-यूजी की परीक्षा 3 मई को हुई थी। जिसके कुछ दिनों के अंदर इसके पेपर के लीक होने का मामला सामने आने के बाद 12 मई को केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय के निर्देश पर राष्ट्रीय टेस्टिंग एजेंसी (एनटीए) ने परीक्षा को रद्द कर दिया। केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान सामने आए और उन्होंने 12 जून (रविवार) को एक बार से देश में नीट परीक्षा के आयोजन का ऐलान किया। पुनः परीक्षा और उसमें सेनाओं से लेकर अन्य सुरक्षा एजेंसियों की भागीदारी के पीछे का असल मकसद मामले में छात्रों, अभिभावकों और समस्त देशवासियों के बीच विश्वास बहाल करना है।

दर्जनभर से ज्यादा हेलीकॉप्टर होंगे इस्तेमाल : वायुसेना को जिन अनुमानित 18 जगहों से प्रश्न पत्रों को सुरक्षित ढंग से एक जगह से दूसरे पर पहुंचाना है। उसमें इस आंकड़े की समान संख्या में हेलीकॉप्टरों का इस्तेमाल किया जा सकता है। आमतौर पर सूर्योदय के साथ वायुसेना अपने किसी भी अभियान का आगाज करती है। यहां भी ऐसा ही कुछ देखने को मिल सकता है।

23 लाख छात्र देंगे परीक्षा : गौरतलब है कि 21 जून को होने वाली नीट-यूजी परीक्षा का आयोजन देश के कुल 550 शहरों में किया जाएगा। जिनमें 5 हजार 400 केंद्र बनाए गए हैं। परीक्षा में 23 लाख छात्र-छात्राएं भाग लेंगे। पेपर लीक के बाद सरकार खासतौर पर केंद्रीय शिक्षा मंत्री विपक्ष के निशाने पर हैं। कांग्रेस सहित अन्य राजनीतिक दलों द्वारा धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की लगातार मांग की जा रही है।

ग्रेट निकोबार..

है कि परियोजना से इस संवेदनशील इलाके के पर्यावरण को गंभीर नुकसान पहुंचेगा और जनजातियों के अधिकारों का भी उल्लंघन होगा, उन्हें विस्थापन की मार झेलनी पड़ेगी। केंद्र ने 2021 में लगभग 70 हजार करोड़ रुपए की लागत के साथ जीएनआई परियोजना को मंजूरी प्रदान की थी।

यह 4 परियोजनाएं हैं खास : जीएनआई परियोजना के तहत सरकार की मंशा इस द्वीप का 360 डिग्री विकास करना है। जिसके तहत अंतरराष्ट्रीय कंटेनर ट्रांसशिपमेंट पोर्ट, ग्रीनफील्ड एयरपोर्ट, नौसैनिक हवाई स्टेशन, आधुनिक टाउनशिप और पावर प्लांट जैसे चार आपस में जुड़े हुए प्रोजेक्ट का निर्माण किया जाएगा। सैन्य तैनाती से इतर इनसे प्राकृतिक आपदाओं के दौरान मानवीय सहायता और राहत सामग्री पहुंचाने और खोज और बचाव अभियानों का संचालन किया जा सकेगा।

पीएम के महासागर विजन की अहम भूमिका : सूत्रों ने कहा कि ग्रेट चैनल और अदन व मलक्का की खाड़ी ऐसे संवेदनशील समुद्री इलाके हैं। जहां से पूरी दुनिया का दो-तिहाई तेल और आधा कंटेनर व्यापार से जुड़े जहाजों की आवाजाही होती है। बीते कुछ वक्त से कई क्षेत्रीय और अन्य शक्तियां आईओआर में अपनी सैन्य और आर्थिक शक्ति को लगातार बढ़ावा देने में लगी हुई हैं। जिसके पीछे की बड़ी वजह बीते कुछ वर्षों से सामने आ रही हथियारों, अवैध मादक पदार्थों की तस्करी के अलावा अवैध प्रवासन पर रोक लगाना है। केंद्र की इन परियोजनाओं की मदद से भारत की दक्षिण पूर्वी हिंद महासागर क्षेत्र में मौजूदगी के साथ ही काम करने की क्षमता में इजाफा होगा। साथ ही इससे क्षेत्र में भारत के बने हुए पसंदीदा सुरक्षा भागीदार के कद में भी वृद्धि देखने को मिलेगी। जो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के महासागर (मिचुअल एंड होलिस्टिक एडवांसमेंट फॉर सिक्योरिटी फॉर सिक्योरिटी एंड ग्रोथ अक्रॉस रीजन) विजन की पूर्ति करता हुआ नजर आता है।

अंडमान-निकोबार में बढ़ेगी निगरानी : उन्होंने बताया कि जीएनआई परियोजना की मदद से देश के महत्वपूर्ण समुद्री तटीय इलाकों में नियमित रूप से कड़ी निगरानी को बनाए रखना आसान हो जाएगा। जिससे आवश्यकता पड़ने पर या किसी अन्य आपात परिस्थिति में तुरंत रणनीतिक और अन्य प्रकार के सहायता अभियान की शुरुआत भी की जा सकेगी। एक प्रकार से जीएनआई भारत को क्षेत्र में अपनी उपस्थिति को बनाए रखते हुए अपने संसाधनों को एक जगह से दूसरी जगह पर ले जाने, अभियानों में सहयोग प्रदान करने और हितों से जुड़े हुए स्थानों पर लॉजिस्टिक आपूर्ति पर नजर बनाए रखी जा सकेगी।

ग्रीनफील्ड एयरपोर्ट का होगा निर्माण : सूत्रों ने कहा कि केंद्रीय मंत्रिमंडल ने पिछले साल 2025 के नवंबर महीने में ग्रेट निकोबार द्वीप पर एक ग्रीनफील्ड एयरपोर्ट बनाने की मंजूरी प्रदान की थी। जिसका संचालन पूरी तरह से भारतीय नौसेना के पास रहेगा। जिसकी मदद से देश की समुद्री निगरानी क्षमता, सैन्य अभियानों से जुड़ी हुई जागरूकता में भी बढ़ोतरी होगी। जो कि इलाके में पहले से मौजूद ढांचे के साथ संभव नहीं है। द्वीप के संपूर्ण विकास में समुद्र से जुड़ी हुई गतिविधियां, वन क्षेत्र में सुविधाओं की मदद से दुनियाभर से पर्यटकों को आकर्षित करने में मदद मिलेगी। पर्यावरण संरक्षण को इस दौरान हालांकि पहली प्राथमिकता दी जाएगी। पर्यटकों की तादाद बढ़ने से जीएनआई अंतरराष्ट्रीय पर्यटन मानचित्र पर भी आ जाएगा। भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण (एएआई) द्वारा ग्रीनफील्ड एयरपोर्ट की निर्माण कवायद के तहत 2040 तक यहां से वार्षिक रूप से गुजरने वाले यात्रियों की संख्या 1.35 मिलियन होने का अनुमान है। ग्रीनफील्ड हवाई अड्डे के साथ 5 अन्य परियोजनाओं का विकास भी किया जाएगा। जिसमें कैंपबेल खाड़ी में स्थित नौसेना का आईएनएस बाज अड्डा भी शामिल है और इसे ब्राउन फील्ड परियोजना के रूप में विकसित किया जाएगा।

पर्यावरण संरक्षण पर पूरा जोर : सूत्रों ने कहा कि परियोजना के दौरान पर्यावरण को किसी प्रकार की कोई क्षति नहीं पहुंचेगी यानी उसका प्रमुखता से ध्यान रखा जाएगा। द्वीप का कुल करीब 82% भूभाग राष्ट्रीय उद्यान, वन एवं जनजातीय संरक्षित क्षेत्र के रूप में सुरक्षित रहेगा। इतना ही नहीं केंद्र द्वारा वन्यजीव और पारिस्थितिकी तंत्र के संरक्षण के लिए अगले तीन दशक में 2 हजार 220 करोड़ रुपए से अधिक की धनराशि का खर्च किया जाएगा। पूरी प्रक्रिया नियम कानूनों के मुताबिक ही आगे बढ़ेगी। किसी भी जनजातीय, आदिवासी समुदाय को विस्थापित नहीं किया जाएगा। बल्कि जनजातीय संरक्षित क्षेत्र में शुद्ध रूप से बढ़ोतरी देखने को मिलेगी। केंद्र का अनुमान है कि इस बड़ी परियोजना की मदद से प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष दोनों रूप से 1 लाख से अधिक रोजगार उत्पन्न होंगे। जो कि अंडमान-निकोबार क्षेत्र के आर्थिक विकास को बढ़ावा देंगे।

पिघले हुए स्टील की...

कलेक्टर और पुलिस आयुक्त से फोन पर बात कर स्थिति की पूरी जानकारी ली। गृहमंत्री ने कहा कि प्रशासन यह सुनिश्चित करे कि हादसे में घायल हुए सभी श्रमिकों को तत्काल उच्च स्तरीय और बेहतर इलाज की व्यवस्था मिले। घटना की गंभीरता को देखते हुए वह तुरंत दुर्घटनास्थल के लिए रवाना हो गई हैं।

इंदौर में आज...

अध्यक्षता कर रहा है।

जलवायु परिवर्तन कृषि के लिए गंभीर चुनौती : भारत की अध्यक्षता के दौरान 2016 में स्थापित ब्रिक्स एग्रीकल्चरल रिसर्च प्लेटफॉर्म का उल्लेख करते हुए चौहान ने कहा कि यह मंच आज अनुसंधान, नवाचार और तकनीकी साझेदारी को मजबूत करने में अहम भूमिका निभा रहा है। भारत की अध्यक्षता में अब तक कृषि कार्य समूह की आठ बैठकों का आयोजन किया जा चुका है, जिनमें खाद्य सुरक्षा, मत्स्य पालन, पशुपालन, कृषि व्यापार और तकनीकी सहयोग जैसे विषयों पर व्यापक विचार-विमर्श हुआ है। इंदौर में होने वाली बैठकों में इन विषयों को और आगे बढ़ाते हुए ठोस रणनीति तैयार की जाएगी। चौहा ने जलवायु परिवर्तन को कृषि के लिए गंभीर चुनौती बताते हुए कहा कि बढ़ता तापमान, अनियमित वर्षा, सूखा और अत्यधिक वर्षा जैसी स्थितियां किसानों को प्रभावित कर रही हैं।

दुनिया का 42% खाद्य...

उत्पादन इन्हीं ब्रिक्स देशों के पास है। उन्होंने बताया कि भारत पहले भी तीन सम्मेलनों की अध्यक्षता कर चुका है। इस मंच पर होने वाला सहयोग पूरी दुनिया की खाद्य सुरक्षा को प्रभावित करता है। भारत में इससे पहले वर्ष 2012, 2016 और 2021 में ब्रिक्स की अध्यक्षता कर चुका है। वर्ष 2016 में ब्रिक्स कृषि अनुसंधान मंच जैसी पहल शुरू की गई थी। उन्होंने बताया कि भारत की अध्यक्षता में कृषि कार्य समूह के तहत 4 सत्रों में 8 सफल बैठकें होंगी।

हम लड़ेंगे और ...

अब और मजबूती से लड़ाई लड़ेंगे और जनता के मुद्दों को संसद से लेकर सड़क तक उठाएंगे। इंडिया ब्लॉक की अगली महाबैठक 8 अगस्त को हैदराबाद में आयोजित की जाएगी। खरगे ने ऐलान किया कि अब हर दो महीने में गठबंधन की बैठक होगी। गठबंधन कुल पांच बड़े मुद्दों पर एकमत हुआ है, जिसके आधार पर आगामी मानसून सत्र में सरकार को घेरने की रणनीति तैयार की गई है। बैठक में मुख्य रूप से महंगाई, बेरोजगारी, विदेश नीति और मतदाताओं के अधिकारों जैसे गंभीर विषयों पर विस्तार से चर्चा हुई।

छात्रों के साथ....

है। इस विफलता के लिए इंडिया ब्लॉक ने केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की पुरजोर मांग की है। विपक्ष ने स्पष्ट किया कि आगामी मॉनसून सत्र में इस मुद्दे को बेहद आक्रामक ढंग से उठाया जाएगा और प्रभावित छात्रों के साथ न्याय होने तक संघर्ष जारी रहेगा।

पत्नी और बेटे ने भागकर बचाई जान

झारखंड में सनकी पिता ने तीन बेटियों की गला रेतकर की हत्या

एजेंसी ▶▶ गिरिडीह

जिले के मुफस्सिल थाना क्षेत्र के तुरूकडीहा में एक सनकी पिता ने सो रही अपनी तीन बेटियों की धारदार हथियार से गला रेतकर हत्या कर दी। बच्चियों की मां राधा देवी और एक मासूम पुत्र ने भागकर अपनी जान बचाई है। घटना सोमवार अहले सुबह चार बजे की है। हत्या का कारण अभी स्पष्ट नहीं हो पाया है।

मामले की जानकारी मिलने पर एसडीपीओ जीतबाहन उरांव एवं मुफ्फसिल थाना प्रभारी श्याम किशोर महतो मौके पर पहुंचे और मामले की तफ्तीश शुरू की। आरोपी पिता नंदू यादव को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। उसकी उम्र करीब 45 साल है। जिन तीन बच्चियों की हत्या की गई है उनमें पलवी कुमारी (16 वर्ष), रिद्धि कुमारी उर्फ अनुशका कुमारी (6 वर्ष) और सिद्धि कुमारी उर्फ दिव्या कुमारी (6 वर्ष) शामिल है।

मृतक में दो जुड़वा बच्चियां

मृतक दो बच्चियां जुड़वां थीं। पुलिस ने हत्या में प्रयुक्त हथियार को बरामद कर लिया है। घटनास्थल पर फोरेंसिक टीम मामले की तफ्तीश के लिए पहुंच गई है। घटना के समय तीनों बच्चियां सोई हुई थी। तीनों शवों का सदर अस्पताल में मेडिकल बोर्ड द्वारा दंडाधिकारी की उपस्थिति में पोस्टमार्टम कराने की तैयारी की जा रही है। एक साथ तीन बच्चियों की पिता के द्वारा हत्या किए जाने से गांव के लोग आश्चर्यचकित हैं। लोगों को भी यह समझ नहीं आ रहा है कि हत्या किन कारणों से की गई है।

धर्मांतरण मामला

आयुष बोला- मैं अपनी मर्जी से इस्लाम अपनाकर बना रहमान

एजेंसी ▶▶ शामली

दवा कारोबारी देवराज मलिक के पुत्र आयुष के धर्मांतरण प्रकरण में नया मोड़ आ गया है। आयुष ने सोमवार को मीडिया के सामने आकर कहा कि उसका जबरन धर्मांतरण नहीं कराया गया। उसने अपनी इच्छा से इस्लाम धर्म अपनाया है और अपना नाम बदलकर रहमान रखा है। उसका अपने फैसले से पीछे हटने का कोई इरादा नहीं है। उसने चांदनी और उसके पिता की गिरफ्तारी को गलत बताया।

2008 से इस्लाम धर्म का अनुसरण करना शुरू कर दिया था

आयुष मलिक ने कहा कि समाज के लोग उस पर दोबारा धर्म बदलने का दबाव बना रहे हैं, लेकिन वह किसी दबाव में नहीं आएगा। उसने 2008 से इस्लाम धर्म का अनुसरण करना शुरू कर दिया था। शामली की लड़की चांदनी कुरैशी से दिल्ली में निकाह किया था। लंबे समय तक अपने परिवार को धर्म परिवर्तन और निकाह की जानकारी नहीं दी थी। उस समय उसकी बहनों की शादी नहीं हुई थी।

हरिभूमि

सहेली

हर महिला अपनी लाइफ में सक्सेस चाहती है, वह अपने सारे डिसीजंस स्वयं लेना चाहती है, लेकिन कहीं न कहीं उसके भीतर कुछ संकोच, दुविधाएं होती हैं, जो उसके आगे बढ़ने की राह में बाधक होती हैं। आप कैसे इन बातों से उबरें और स्ट्रॉन्ग होकर सक्सेसफुल वूमेन बनें, आपके लिए फाइव पॉवर पंच।

5 हर वूमेन के लिए पॉवर पंच

कवर स्टोरी
शिखर चंद जैन

आज के दौर में महिलाएं हर फील्ड में अपनी पहचान बना रही हैं। सक्सेस की इस दौड़ में खुद को मेंटली और इमोशनल रूप से स्ट्रॉन्ग रखना भी बहुत जरूरी है। इस संदर्भ में यह समझना भी जरूरी है कि घर-परिवार, करियर और अपने पर्सनल एंबिशंस के बीच बैलेंस बनाने के लिए केवल मेहनत काफी नहीं है, सही विजन और मेंटल क्लीनर्स भी बहुत जरूरी हैं। एक महिला की असली शक्ति उसके भीतर ही होती है। जब उसकी सोच बदलती है, तो उसकी दुनिया बदल जाती है। हर महिला अगर 5 प्रभावशाली-शक्तिशाली सूत्रों को अपने व्यवहार में उतारें, तो वे देखेंगी कैसे उनका जीवन अधिक संतुलित, सफल और खुशियों से भर उठता है। ये जीवनोपयोगी सूत्र कौन से हैं, जानें-

1. अपनी जगह बनाना सीखें

कॉर्पोरेट वर्ल्ड और पर्सनल लाइफ में महिलाओं को संकोचवश एक अदृश्य खोल में सिमटा हुआ देखा जाता है। अकसर महिलाएं अपनी योग्यता पर संदेह करती हैं, जिसे

'इंपोस्टर सिंड्रोम' कहा जाता है। वे मीटिंग्स में पीछे की चेयर चुनती हैं या अपनी उपलब्धि का श्रेय नहीं लेना चाहतीं। कोई उनकी सराहना करता भी है तो इसका श्रेय वे अपने आपको नहीं अपने भाग्य को देती हैं, लेकिन आगे बढ़ने के लिए जरूरी है कि आप अपनी काबिलियत पर भरोसा करें। डिसीजन लेने वाली एक्टिविटीज में एक्टिव हों। जब तक आप खुद को आगे नहीं बढ़ाएंगी, दुनिया आपको जगह नहीं देगी। यह सीख केवल ऑफिस तक सीमित नहीं है, बल्कि परिवार के महत्वपूर्ण निर्णयों में भी अपनी आवाज बुलंद करने के लिए इंस्पायर करती है। बेस्टसेलर पुस्तक 'लीन इन' की लेखिका शेरिल सैंडबर्ग कहती हैं, 'आप अपनी एंबीशंस के लिए माफी मांगना बंद करें और कॉन्फिडेंस के साथ लीडर की कमान संभालें।

2. फाइनेंसियल लिट्रेसी बढ़ाएं

फाइनेंसियल फील्ड को अकसर पुरुषों की फील्ड मान लिया

जाता है, जो एक बड़ी भूल है। एक्सपर्ट कहते हैं, असली संपत्ति वह है, जो आपकी जेब में पैसा डाले, न कि बाहर निकाले। महिलाओं के लिए केवल बचत करना पर्याप्त नहीं है, बल्कि पैसों की खेती करना यानी निवेश करना भी अनिवार्य है। चाहे वह स्टॉक मार्केट हो, म्यूचुअल फंड हो या छोटा बिजनेस, पैसे को अपने लिए सही जगह पर लगाना सीखें। ताकि आपका पैसा, और पैसा कमाए। आर्थिक निर्भरता कभी-कभी महिलाओं को गलत स्थितियों में रहने पर मजबूर कर देती है। इसलिए अपनी आय के स्रोत बनाना और अपने फाइनेंसियल डिसीजन खुद लेना सेल्फ डिपेंडेंट होने की दिशा में एक बड़ा कदम है। प्रसिद्ध फाइनेंस एडवाइस बुक 'थिंक एंड ग्रो रिच' में राइटर रॉबर्ट कियोसाकी कहते हैं, 'अपनी 'फाइनेंसियल लिट्रेसी बढ़ाएं ताकि आप भविष्य के प्रति सुरक्षित महसूस कर सकें।'

3. अपनी वीकनेस को एक्सेप्ट करें

हम एक ऐसे समाज में रहते हैं, जहां महिलाओं पर 'परफेक्ट' दिखने का भारी दबाव होता है। उनसे एक परफेक्ट मां, पत्नी और कर्मचारी बनने की उम्मीद की जाती है। परफेक्शनिज्म एक ऐसा कवच है, जिसे हम चोट से बचने के लिए पहनते हैं, लेकिन यह हमें दूसरों से जुड़ने से रोकता है। असली साहस अपनी वीकनेस को एक्सेप्ट करने में है। बुक 'द गिफ्ट्स ऑफ इंपरफेक्शन' की राइटर ब्रेने ब्राउन कहती हैं, 'जब आप यह मान लेती हैं- मैं जैसी हूं, पर्याप्त हूं, तब आप दिखावे की थकान से मुक्त हो जाती हैं।' ब्रेने ब्राउन की सलाह है कि महिलाएं आत्म-करुणा का अभ्यास करें। वे खुद के प्रति उतनी ही दयालु रहें, जितनी वे अपने प्रियजनों के प्रति होती हैं। अपनी खामियों को अपनी विशिष्टता मानें, क्योंकि वे ही आपको 'इंसान' बनाती हैं। यह सूत्र मानसिक शांति और गहरे आत्म-सम्मान का आधार है।

4. छोटी आदतों का बड़ा जादू

अकसर महिलाएं अपने हेल्थ या करियर में बड़े बदलाव लाने की कोशिश करती हैं, असफल होने पर निराश हो जाती हैं। 'एटॉमिक हैबिट्स' के राइटर जेम्स क्लियर सिखाते हैं कि लक्ष्य से ज्यादा 'सिस्टम' महत्वपूर्ण है। यदि आप रोज केवल एक प्रतिशत खुद में सुधार करती हैं, तो साल के अंत में आप 37 गुना बेहतर बन सकती हैं। इसे 'एटॉमिक हैबिट्स' कहते हैं। अगर आप फिट रहना चाहती हैं, तो पहले दिन एक घंटा जिम जाने के बजाय केवल पांच मिनट टहलने की आदत डालें। 'हैबिट स्टैकिंग' का प्रयोग करें, जैसे सुबह की चाय पीते समय दो पन्ने बुक पढ़ना। ये छोटे बदलाव समय के साथ कंपाउंडिंग ब्याज की तरह बढ़ते हैं और आपके व्यक्तित्व का

हिस्सा बन जाते हैं। बड़े लक्ष्यों को छोटे, आसान कदमों में बांटकर आप बिना तनाव के बड़ी सक्सेस पा सकती हैं।

5. अपनी पहचान अपने ढंग से बनाएं

हमें अपनी पहचान दूसरों की नजरों से तय नहीं करनी चाहिए। आप एक मां, बेटी या पत्नी होने से कहीं बढ़कर हैं। अपनी जड़ों का सम्मान करें, लेकिन अपनी पहचान को किसी एक भूमिका में सीमित न होने दें। चुनौतियों का सामना करते हुए अपनी आवाज और पहचान ढूंढ़ना ही जीवन का असली उद्देश्य होना चाहिए। यह कभी न भूलें कि आपकी परिस्थितियां चाहे जैसी भी हों, आपकी मेहनत और आपके विचार ही आपका भविष्य तय करते हैं।

बच्चे जीवन में हों सफल
इसके लिए शुरू से सिखाएं ये बातें

सभी पैरेंट्स यही चाहते हैं, उनके बच्चे जीवन में सफल रहें, एक अच्छा मुकाम पाएं। इसके लिए जरूरी है वे शुरू से बच्चों को कुछ उपयोगी सीखें दें। इन सीखों से बच्चे जरूर जीवन में सफल रहेंगे।

परवरिश
रजनी अरोड़ा

सभी पैरेंट्स यही चाहते हैं, उनका बच्चा बड़े होकर डरपोक नहीं, मजबूत बने, अपनी समझ से सही फैसले ले। इसके लिए पैरेंट्स का अपने बच्चों को कुछ बातें सिखानी जरूरी हैं ताकि वे अंदर से स्ट्रॉन्ग और कॉन्फिडेंट बनें। जो बच्चा समझदार और अंदर से मजबूत होगा, वह कभी भी कमजोर नहीं साबित होगा, जीवन में सफल रहेगा।

सही काम करने के लिए प्रेरित करें: बच्चों को बताएं हमेशा सही काम करो। सही काम इसलिए करो कि खुद पर गर्व हो। दूसरों को दिखाने के लिए अच्छा मत बनो। अच्छा इसलिए बनो कि दिन बीतने के बाद जब अपने बारे में सोचो तो गर्व महसूस हो। बच्चों को समझाएं कि चरित्र ही इंसान की असली ताकत होती है।

अपने आपको समझना जरूरी: बच्चे को बताएं कि सबको खुश करना जरूरी नहीं है। हर इंसान तुम्हारी इज्जत या दोस्ती के लायक नहीं होता। अपने आपको समझना जरूरी है, जो अपने आपको समझता है, वह दुनिया में मजबूती से खड़ा रहता है।

समझदारी से दोस्त बनाएं: बच्चों को दोस्तों की परख करना सिखाएं कि अच्छे दोस्त आगे बढ़ाने में मददगार होते हैं। वह जिनके आस-पास रहता है, वे या तो उसे आगे बढ़ाएंगे या नीचे गिराएंगे। इसलिए समझदारी से दोस्त बनाए।

अपनी हेल्थ से बड़ा कुछ नहीं: बच्चों को समझाएं कि दोस्तों के प्रभाव में आकर किसी खराब आदत को न अपनाएं। मोबाइल की लत, झूठ बोलना, आलस करना सही नहीं है। आज की छोटी गलती कल की बड़ी परेशानी या एडिक्शन बनते देर नहीं लगेगी। बच्चों को समझाएं कि हेल्थ उनकी जिंदगी की सबसे बड़ी पूंजी है, इसलिए अनहेल्दी हैबिट्स से दूर रहें।

सतर्कता से छोटे-छोटे डिसीजन लें: बच्चे को बताएं कि उसे अपने लेवल पर रोज छोटे-छोटे डिसीजन लेने पड़ते हैं। उस वक्त सिर्फ इतना याद रखना जरूरी है कि उसके द्वारा लिए गए डिसीजन से ही उसका परिणाम तय होता है। वो परिणाम पॉजिटिव भी हो सकता है और नेगेटिव भी। इसलिए कोई भी डिसीजन लेने से पहले अच्छी तरह विचार जरूर कर लें।

न बोलना सिखाएं: अगर कुछ गलत लगे, मन न माने, डर लगे तो उसे न बोले। न कहना गलत या शिष्टाचार के विरुद्ध नहीं, अपनी इज्जत और सुरक्षा की निशानी है।

लक्ष्य जरूर तय करें: बच्चे को बताएं कि तुम्हारे पास एक लक्ष्य होना जरूरी है कि तुम भविष्य में क्या बनना चाहते हो? अगले एक-दो वर्ष में किस दिशा में आगे बढ़ना चाहते हो? लेकिन ध्यान रखो कि कोई फाइनल डिसीजन अभी नहीं लो, क्योंकि कई बार अनचाहे हालातों के कारण या किसी दूसरे कारणों से लक्ष्य बदलने भी पड़ते हैं।

रातों-रात सफलता नहीं मिलती: बच्चों को बताएं कि रातों-रात सफल होना एक भ्रम है। हुनर शुरुआत दिलाता है, अनुशासन आगे बढ़ाता है। सिर्फ टैलेंट काफी नहीं होता, जो निरंतर मेहनत करता है, छोटे-छोटे प्रयास करता है, वही आगे बढ़ता है, सफल होता है। जो भी करो, पूरी लगन से करो।

असफलता से सीख लें: किसी काम में अगर असफल होते हो तो यह समझना जरूरी है कि असफल क्यों हुए, इससे क्या सीखा? असफलता का जीवन और करियर पर क्या असर पड़ा? बच्चों को यह भी बताएं कि असफलता बुरी बात नहीं है। असफलता का मतलब हार नहीं, एक सबक है। जिस बच्चे को यह बात समझ में आ जाएगी, वो कभी भी असफलता से नहीं डरेगा।

(होली फैमिली अस्पताल, दिल्ली की सीनियर साइकोलॉजिस्ट डॉ. मंजू मेहता से हुई बातचीत पर आधारित)

गार्डनिंग
अनु आर.

वर्किंग वूमेन के बीच गार्डनिंग का नया ट्रेंड 'संडे गार्डन रूटीन' तेजी से पॉपुलर हो रहा है। इसकी कई वजहें हैं। एक तो इससे आपकी गार्डनिंग हॉबी को टाइम मिलता है, दूसरा इसका पॉजिटिव इफेक्ट आपकी मेंटल और इमोशनल हेल्थ पर भी पड़ता है। इसके बारे में जानकर आप भी इसे जरूर फॉलो करेंगी।

संडे गार्डन रूटीन का बढ़ता ट्रेंड
हॉबी के साथ सेल्फ केयर

पूरे सप्ताह किचेन, ऑफिस, बच्चों और घर के दूसरी तमाम जिम्मेदारियों के बीच वर्किंग वूमेन के लिए संडे का दिन आराम करने के लिए फिक्स माना जाता है। लेकिन अब बड़ी संख्या में महिलाएं रविवार को काफी समय गार्डन केयर में बिताती हैं। वे 'संडे गार्डन टाइम' को मानसिक शांति और खुशी पाने का नया तरीका मानने लगी हैं। बालकनी में लगे पौधों को पानी देना, पौधों के आस-पास की सूखी पत्तियां हटाना, उनकी ट्रिमिंग करना, नए बीज बोना और उनके अंकुरण का बेसब्री से इंतजार करना, कुछ देर पौधों के बीच गुजारना, अब यह सिर्फ शौक नहीं रहा, आज के दौर में मी टाइम का हिस्सा भी बन गया है।

पौधों के साथ मिले सुकून: गार्डनिंग से मिलने वाली खुशी के लिए अनेक महिलाओं ने सीमित स्थान पर ही सही घर के छोटे-छोटे हिस्सों में अपना एक हरा-भरा कोना बसाना शुरू कर दिया है। किसी के यहां छत पर सब्जियां उग रही हैं, तो किसी की बालकनी ताजी धनिया और पुदीने से महक रही है। गार्डन में खुद के लगाए पौधे से सब्जी तोड़ना, एक ऐसा सुकून का एहसास देता है, उतनी ही खुशी देता है, जितनी अपने लिए मनपसंद साड़ी खरीदने में मिलती है। यही वजह है कि अब बहुत सी महिलाएं संडे को मोबाइल और टीवी से दूरी बनाते हुए अच्छा-खासा समय पौधों के बीच या कहें हरियाली के साथ सुकून में बिताती हैं। पौधों के बीच समय गुजारने से न सिर्फ तनाव कम होता है बल्कि मिट्टी को छूने, पौधों की देखभाल करने और नई पत्तियों को उगते देखने से मन में सकारात्मकता का प्रवाह भी होता है। इन्हीं फायदों की वजह से इन दिनों गार्डनिंग थेरेपी भी काफी कारगर साबित हो रही है, जो मनोवैज्ञानिकों के मुताबिक मानसिक थकान दूर करने का एक सरल तरीका है। दिलचस्प बात यह है कि इस ट्रेंड में घरेलू और काम-काजी महिलाएं दोनों के बीच किसी किस्म का भेदभाव नहीं है। काम-काजी महिलाओं के लिए जहां सप्ताह भर की भाग-दौड़ के बाद गार्डन टाइम डिजिटल डिटॉक्स बन जाता है, वहीं घरेलू महिलाओं के लिए भी रोजमर्रा के काम से अलग यह उनकी निजी पसंद या 'हॉबी' होता है।

सोशल मीडिया पर पॉपुलर: इन दिनों सोशल मीडिया पर भी 'संडे गार्डन रूटीन' काफी पॉपुलर हो रहा है। बहुत सी महिलाएं फेसबुक और इंस्टाग्राम जैसे प्लेटफॉर्म पर अपने पौधों की तस्वीरें, जैविक खाद बनाने के तरीके और छोटी-छोटी गार्डन सेट-अप साझा करती हैं। इससे उन महिलाओं को भी प्रेरणा मिलती है, जो अभी तक इस 'संडे गार्डन रूटीन' से दूर हैं।

इसलिए बढ़ रहा ट्रेंड: गार्डनिंग के इस ट्रेंड के पॉपुलर होने की वजह यह है कि यह आपके और फैमिली मेंबर्स की हेल्थ के लिए भी लाभकारी होता है। घर में उगाई गई हरी सब्जियां और हर्ब्स ताजी होने के साथ ऑर्गेनिक भी होती हैं। इसी वजह से हेल्थ के लिए अधिक फायदेमंद होती हैं। इसीलिए अब कई महिलाएं बाजार के बजाय घर में उगी पालक, पुदीना और टमाटर का उपयोग करना ज्यादा पसंद करती हैं। इस सबके अलावा महिलाओं में बढ़ती पर्यावरण जागरूकता भी इस ट्रेंड को मजबूत कर रही है। प्लास्टिक के गमलों की जगह मिट्टी के गमले, रसोई के कचरे से खाद बनाना और पानी का सीमित उपयोग करना, ये ऐसी आदतें हैं, जो शहरी घरों में खूब दिखाई देने लगी हैं। इस छोटे से प्रयास से भी पर्यावरण को मजबूती मिल रही है।

ये तरीके हैं कारगर: इन दिनों बाजार में किचन गार्डनिंग को आसान बनाने के अनेक तरीके और उपकरण मौजूद हैं। जैसे सेल्फ वाटरिंग पॉट्स, वर्टिकल गार्डन स्टैंड, माइक्रो बींस किट और जैविक बीज आसानी से मिल जाते हैं। इसीलिए फ्लैट कल्चर में गार्डनिंग का आकर्षण बढ़ रहा है।

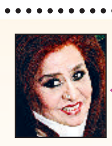

स्किन केयर
शहनाज हुसैन, कॉस्मेटोलॉजिस्ट

घरेलू उपायों से पैरों की टैनिंग होगी दूर

गर्मी के मौसम में तेज धूप, धूल भरी गर्म हवाएं और पसीने की वजह से हमारे पैरों का रंग टैन होने लगता है। इससे उनकी खूबसूरती डल हो जाती है। अगर आप भी इस प्रॉब्लम से परेशान हैं तो कुछ आसान घरेलू उपायों की मदद से इस मौसम में भी अपने पैरों को सुंदर और सॉफ्ट बनाए रख सकती हैं।

स्क्रबिंग: पैरों की टैनिंग हटाने के लिए टूथपेस्ट, सोडा, नीबू के रस से बना पैक काफी मददगार साबित होता है। बेकिंग सोडा और नीबू, स्किन को एक्सफोलिएट करने में मदद करेगा। नीबू में मौजूद विटामिन-सी त्वचा पर हाइपर पिगमेंटेशन की समस्या को दूर करने में मदद करता है। कांच की कटोरी में थोड़ा सा टूथपेस्ट लें। इसमें एक चम्मच बेकिंग सोडा और आधा नीबू का रस मिलाएं। इन तीनों चीजों को अच्छी तरह से मिक्स कर लें और ब्रश की मदद से इसे पूरे पैरों पर लगाएं। अब नीबू के छिलके से पैरों को कुछ देर स्क्रब करें। कुछ देर तक इस पेस्ट को पैरों पर लगा रहने दें और फिर पैरों को पानी से साफ कर लें। इस पैक को हफ्ते में दो बार लगाने से पूरी तरह से टैनिंग से छुटकारा पाया जा सकता है।

नीबू और खीरा: खीरे को कद्दूकस या ब्लेंड करके रस निकाल लें। इसमें कुछ बूंदें नीबू के रस की मिलाकर अच्छी तरह मिश्रण बना लें। इस मिश्रण को कॉटन बॉल की मदद से पैरों की टैनिंग की जगह पर लगाकर लगभग 15 मिनट बाद ताजे साफ पानी से धो डालें।

बेसन-दही: दही और बेसन को एक साथ अच्छे से मिलाकर पैरों पर 30 मिनट तक लगा रहने दें और फिर पैर धो लें। दही पैरों को मॉयश्चराइज करेगा और बेसन टैनिंग को हटाने में असरदार साबित होगा।

मास्क: एक मध्यम आकार के आलू का रस निकालकर इसमें एक बड़ा चम्मच दही मिला लें। इसमें एक छोटा चम्मच बेसन मिला लें। इसमें एक चम्मच नीबू का रस और आधा चम्मच शहद मिला लें। अब आप पैरों को अच्छी तरह धो लें और सूखने दें। इसके बाद इस मास्क को पूरे पैरों में लगाकर आधे घंटे बाद हल्के-हल्के रगड़ते हुए हटा लें। इससे डेड स्किन हट जाएगी। अब पैरों को पानी से धो लें और मॉयश्चराइजर लगा लें।

टैन रिमूविंग पेस्ट: इसे बनाने के लिए एक कटोरी में गर्म पानी लें। इसमें ईनो पावडर डालें, फिर 1 चम्मच नीबू का रस डालें। इसमें नारियल का तेल, शैंपू की कुछ बूंदें, 1 चम्मच कॉफी पावडर, 2 चम्मच आटा मिक्स कर लें। अब इसे टैनिंग वाले एरिया पर 10 मिनट तक रगड़ें, फिर साफ पानी से धो लें।

गर्मी में हीट स्ट्रोक और डिहाइड्रेशन जैसी समस्याएं काफी बढ़ जाती हैं। डॉक्टर पानी पीने और शरीर को ठंडा रखने की सलाह देते हैं। यहां पर हम आपको कुछ हर्बल ड्रिंक्स के बारे में बता रहे हैं, जो गर्मी से राहत दिलाने में बहुत फायदेमंद हैं।

तपती गर्मियों से राहत दिलाएं ये पारंपरिक स्वादिष्ट पेय

सजेशन
संध्या सिंह

आज के डिजिटल दौर में फिर से वही पुराने भारतीय हर्बल पेयों की मांग गर्मी से राहत दिलाने के लिए बढ़ रही है, जो कभी नानी-दादी के जमाने में गर्मी से बचाने का अकेला सहारा हुआ करते थे। कभी गांवों की रसोई में सहज रूप से उपलब्ध बेल का शर्बत, सौंफ का पानी, आम का पना, जौ-चना का सत्तू, पुदीना और खस के पेय, नॉर्मल हुआ करते थे। आज ये सब इसलिए लौटकर तेजी से लोकप्रिय हो रहे हैं, क्योंकि इन पेय पदार्थों में सचमुच चिलचिलाती गर्मी से राहत पहुंचाने का शानदार गुण होता है। जानकार मानते हैं कि ये पेय सिर्फ शरीर को ठंडा ही नहीं रखते और न ही सिर्फ पाचन सुधारते हैं बल्कि हमें लू से भी बचाने के साथ लगातार ऊर्जावान भी बनाए रखते हैं। इसलिए आजकल फिर से डॉक्टर और खान-पान के विशेषज्ञ गर्मियों में इन देसी पेयों के अधिक से अधिक सेवन की सलाह देते हैं।

ये भी होते हैं फायदे

- आम का पना लू लगने से बचाने में बहुत कारगर होता है।
- जौ का सत्तू गर्मी में शरीर को हाइड्रेट रखता है।
- पुदीना शिकंजी शरीर को ताजगी देती है और इलेक्ट्रोलाइट्स संतुलन बनाती है।
- बेल का शर्बत लू और पेट की गर्मी से राहत दिलाता है।
- सौंफ का पानी पाचन बेहतर करता है और शरीर को ठंडक प्रदान करता है।
- खस का शर्बत शरीर की गर्मी कम करने में मददगार है।

बेल का शर्बत: इनमें सबसे खास और ज्यादा असरदायक है बेल का शर्बत। बेल को आयुर्वेद में शीतल प्रकृति का माना गया है। इसमें फाइबर, विटामिन, मिनरल्स की प्रचुर मात्रा होती है। गर्मी के दिनों में यह शरीर को ठंडा रखता है, लू से बचाता है और डिहाइड्रेशन जैसी समस्याओं पर रामबाण की तरह असर करता है।

पुदीना है फायदेमंद: पुदीना गर्मी से राहत दिलाने का कारगर साधन है। पुदीना शरीर को ताजगी देता है। नीबू और काला नमक मिलाकर अगर पुदीना के रस का सेवन करें तो यह शरीर में इलेक्ट्रोलाइट्स संतुलन बनाए रखने में मदद करता है। यही कारण है कि सड़क किनारे मिलने वाली पारंपरिक शिकंजी या जलजीरा आज भी लोगों की पहली पसंद बना हुआ है।

आम पना: आम पना लंबे समय से उत्तर भारत के ग्रामीण इलाकों में गर्मी से राहत दिलाने वाला स्वादिष्ट पेय माना जाता है। कच्चे आम से बनने वाला यह स्वादिष्ट पना, हमें हीट स्ट्रोक से बचाने में बहुत कारगर है। इसमें नमक, गुड़, भुना जीरा, थोड़ी काली मिर्च या भुनी हुई लाल मिर्च डालकर बनाने से यह बेहद स्वादिष्ट तो लगता ही है, शरीर में इलेक्ट्रोलाइट्स की कमी को अच्छे ढंग से पूरा करता है। यही वजह है कि ग्रामीण क्षेत्रों ही नहीं शहरी क्षेत्रों में भी आम पना खूब पिया जाता है।

जनकल्याण शिविरों से मिलेगा योजनाओं का लाभ, समस्याओं का होगा निराकरण

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि 12 से 18 जून की अवधि में जिले के प्रत्येक विकासखण्ड एवं नगरीय निकाय मुख्यालयों पर 3 दिवसीय 'जनकल्याण शिविर' आयोजित किए जाएंगे। इन शिविरों में शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं से वंचित पात्र व्यक्तियों को लाभान्वित करना और आमजन की समस्याओं का त्वरित निराकरण सुनिश्चित किया जाएगा। शिविरों में लाभ वितरण, हितग्राही संवाद, सफलता की कहानियों का प्रस्तुतिकरण तथा योजनाओं के संबंध में जनजागरुकता गतिविधियां भी आयोजित की जाएं।

जिले में संचालित केन्द्र एवं राज्य शासन की प्रमुख हितग्राहीमूलक योजनाओं (सेचुरेशन एवं लक्ष्य आधारित) के पात्र किन्तु वंचित हितग्राहियों की पहचान विभागीय मैदानी अमले के सहयोग से कर उनका पंजीयन, स्वीकृति एवं लाभ वितरण की कार्यवाही प्राथमिकता से की जाएगी। साथ ही विभिन्न विभागों की हितग्राहीमूलक योजनाओं के साथ स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) अंतर्गत व्यक्तिगत पारिवारिक शौचालयों (आईएचएचएल) के लिए भी हितग्राहियों के आवेदन प्राप्त कर उनका पंजीयन एवं निराकरण सुनिश्चित किया जाएगा।

खास बातें

- विकासखंड और नगरीय निकाय मुख्यालयों पर लगेंगे शिविर
- लाभ वितरण, सफलता की कहानियों का प्रस्तुतिकरण, योजनाओं के संबंध में जागरुकता गतिविधियां भी की जाएं आयोजित

फाइल फोटो।

नगरीय निकायों के मुख्य नगर पालिका अधिकारियों

सामान्य प्रशासन विभाग की ओर से इस संबंध में सभी संभागायुक्त, कलेक्टर, मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जिला पंचायत, आयुक्त, नगर पालिक निगम और नगरीय निकायों के मुख्य नगर पालिका अधिकारियों को निर्देश जारी किए गए है। शिविरों का रोस्टर इस प्रकार तैयार किया जाए कि यथासंभव कलेक्टर, अपर कलेक्टर, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत, जिले के समस्त विभागों के जिला अधिकारियों के साथ प्रत्येक शिविर में उपस्थित रहें, विभागीय योजनाओं, सेवाओं, शिकायतों एवं लंबित प्रकरणों का परीक्षण कर यथासंभव मौके पर ही निराकरण सुनिश्चित किया जा सके।

पंजीयन एवं सेवा वितरण की सुविधा

समस्त लंबित आवेदनों के निराकरण का प्रयास किया जाए। शिविरों में विभिन्न विभागों की ओर से प्रदाय की जाने वाली सेवाओं एवं योजनाओं की जानकारी के लिए विभागीय स्टॉल स्थापित किये जायें और पात्र हितग्राहियों को आवेदन, पंजीयन एवं सेवा वितरण की सुविधा एक ही स्थान पर उपलब्ध कराई जाए। इन शिविरों में भारत सरकार एवं राज्य सरकार के विकास एवं प्रगति की प्रदर्शनी आयोजित की जाए।

अधिकारियों को लॉगइन उपलब्ध कराने की सुविधा

अभियान के दौरान चिन्हांकित योजनाओं में प्राप्त आवेदनों को दर्ज करने एवं निराकरण संबंधी कार्रवाई सीएम हेल्पलाइन पोर्टल के माध्यम से की जाएगी। पोर्टल में एक पृथक मॉड्यूल तैयार कर अधिकारियों को लॉग इन उपलब्ध कराने की सुविधा दी जा रही है। अधिकारियों को निर्देशित किया गया है कि अभियान की सम्पूर्ण कार्ययोजना जैसे शिविरों की तिथियां, नोडल अधिकारियों की नियुक्ति की जाकर सीएम हेल्पलाइन पोर्टल पर दर्ज कराना सुनिश्चित करें। सीएम हेल्पलाइन, लोकसेवा गारंटी अधिनियम अंतर्गत लंबित प्रकरणों, राजस्व मामलों और अन्य जनशिकायतों के निराकरण हेतु शिविर अवधि में विशेष अभियान चलाया जाए।

प्रकरणों की नियमित मॉनिटरिंग सुनिश्चित की जाए

शिविर में प्राप्त होने वाले ऐसे आवेदन जिनका निराकरण तत्काल संभव न हो, उनके लिए समय-सीमा निर्धारित कर आवेदक को सूचित किया जाए और प्रकरणों की नियमित मॉनिटरिंग सुनिश्चित की जाए। जिला कलेक्टर शिविरों के आयोजन, विभागीय समन्वय, प्राप्त आवेदनों के समयबद्ध निराकरण और पात्र हितग्राहियों को लाभ वितरण के लिए उत्तरदायी होंगे। शिविरों का व्यापक प्रचार-प्रसार विभिन्न संचार माध्यमों से किया जाए, जिससे अधिकतम नागरिक लाभान्वित हो सकें। शिविर आयोजन के लिए जिले के प्रभारी मंत्री का अनुमोदन प्राप्त किया जाए।

छोटे शहरों के यंग इनोवेटर्स को मिलेगी 50 हजार से 50 लाख रुपए तक की फंडिंग

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रायपुर

देश के युवा इनोवेटर्स और स्टार्टअप्स को मजबूत आर्थिक सहयोग देने महत्वाकांक्षी पहल 'प्रगति' रिसोर्स एलोकेशन फॉर ग्रोथ, एडवांसमेंट, एंड ट्रांसफॉर्मिंग आइडियाज की शुरुआत की है। इस नई पहल के तहत संस्था ने शुरुआती दौर के 100 यूनिक स्टार्टअप आइडियाज में 50 हजार से लेकर 50 लाख रुपये तक का आर्थिक सहयोग देने का फैसला किया है। इस पहल का मुख्य उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि देश के ग्रामीण परिवेश और छोटे शहरों (टियर-2 और टियर-3) से आने वाले बेहतरीन और अनोखे बिजनेस आइडियाज सिर्फ पैसों की तंगी की वजह से दम न तोड़ें। रिपोर्ट्स के मुताबिक, भारत में शुरू होने वाले लगभग 90 प्रतिशत स्टार्टअप्स शुरुआती 5 वर्षों के भीतर ही बंद हो जाते हैं। वहीं ग्रामीण अंचलों और छोटे शहरों के होनहार युवाओं के आइडियाज पैसों के अभाव में दम तोड़ देते हैं। इस पहल की घोषणा करते हुए फाउंडर, डॉ. अतुल मलिकराम ने कहा कि, असली सितारे और भविष्य के बड़े बिजनेस आइडियाज हमारे ग्रामीण अंचलों और छोटे शहरों में बसते हैं। हमारी इस पहल का मकसद गैप को भरना है। हम नहीं चाहते कि किसी युवा का यूनिक आइडिया सिर्फ इसलिए पिछड़ जाए क्योंकि उसके पास बैंक बैलेंस नहीं है। हम उन्हें न सिर्फ 50 हजार से 50 लाख तक का फंड देंगे, बल्कि उनके सपनों को एक नई पहचान दिलाने में भी मदद करेंगे।

- शुरुआती दौर के 100 यूनिक स्टार्टअप आइडियाज के छोटे शहरों के लोगों को मिलेगा लाभ

ग्राम टंकारिया पंथ में कथा के समापन वीसी के जरिए बोले मुख्यमंत्री

भागवत कथा के श्रवण से कष्टों का शमन, संसार का होता है कल्याण

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि श्रीमद्भागवत कथा का पुण्य-प्रताप ऐसा है कि इसे सुनने मात्र से ही मनुष्य के दुःख-दर्द दूर हो जाते हैं। भागवत कथा श्रवण से कष्टों का शमन होता है और पूरे संसार का कल्याण होता है। इस कथा का श्रवण मनुष्य की आध्यात्मिक उन्नति में भी सहायक होता है। भारतीय संस्कृति में ऐसे धार्मिक आयोजनों का विशेष महत्व है। ये समाज को सकारात्मक दिशा देते हैं।

सबके जीवन में सद्भाव एवं आत्मिक शांति का संचार करते हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने रविवार को उज्जैन जिले के ग्राम टंकारिया पंथ में एक से सात जून तक हुई श्रीमद्भागवत कथा के समापन समारोह को मुख्यमंत्री निवास स्थित समत्व भवन से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए कथा समापन समारोह में सहभागिता की। मुख्यमंत्री ने कहा कि श्रीमद्भागवत कथा मानव जीवन को धर्म के मर्म एवं नैतिकता का भान कराती है। यह मनुष्य को उसके कर्तव्यों और मानव सेवा के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देने वाला दिव्य ज्ञानामृत है। भगवान श्रीकृष्ण के आदर्शों और उनके संदेशों को जन-जन तक पहुंचाने में भागवत गीता कथा एक पवित्र माध्यम है।

आयोजनों का खास महत्व, समाज को मिलती है दिशा | **उज्जैन के नारायणा-धार के अंका-झंका में बनाएंगे तीर्थ**

भागवत कथा में वीसी के जरिए शामिल सीएम।

सरकार लाड़ली बहनों को शगुन के रूप में राशि

मुख्यमंत्री ने बहनों को संबोधित करते हुए कहा कि आने वाली राखी में भी हमारी सरकार लाड़ली बहनों को शगुन के रूप में राशि भेजेगी, बुजुर्गों से कहा कि सभी पात्र व्यक्तियों को हमारी सरकार तीर्थ यात्रा कराएगी। ग्रामीणों की मांग पर मुख्यमंत्र ने कहा कि ग्राम टंकारिया पंथ से लेपड़ तक एवं इसी गांव से रानापुर फाटक तक पक्की सड़क बनाई जाएगी।

आध्यात्मिक जागृति का सशक्त माध्यम

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने इस कथा आयोजन को समाज में आध्यात्मिक जागृति और सांस्कृतिक मूल्यों के प्रसार का महत्वपूर्ण माध्यम बताया। सीएम ने कहा कि आप सभी के प्रयासों से सांस्कृतिक एवं आध्यात्मिक चेतना का व्यापक प्रसार हुआ है।

गीता के संदेश को अपने जीवन में भी अपनाएं

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि भगवान श्रीकृष्ण के जीवन में नाना प्रकार के कष्ट थे, परंतु उन्होंने अपने कष्टों से इतर कुशासन (कंस) का अंत किया। वे सदैव धर्म मार्ग पर बने रहे। उन्होंने समारोह में बड़ी संख्या में मौजूद श्रद्धालुओं से कहा कि वे गीता के संदेश को अपने जीवन में भी अपनाएं। मुख्यमंत्री ने कहा कि जहां-जहां भगवान श्रीकृष्ण ने लीलाएं कीं, वहां-वहां हमारी सरकार भव्य श्रीकृष्ण तीर्थ बनाने जा रही है। उन्होंने बताया कि उज्जैन जिले के नारायणा गांव और धार जिले के अंका-झंका माताजी परिसर में भव्य श्रीकृष्ण तीर्थ बनाया जाएगा।

योजना से ऊर्जा आत्मनिर्भर बन रहे परिवार

पीएम सूर्य घर योजना में 1.33 लाख से ज्यादा सौर संयंत्र स्थापित

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

मप्र में सौर ऊर्जा को लेकर नागरिकों में उत्साह लगातार बढ़ रहा है। प्रदेश में अब तक 1 लाख 33 हजार 121 सौर संयंत्र स्थापित किए जा चुके हैं। प्रदेश में कुल 498.03 मेगावॉट सौर क्षमता विकसित की जा चुकी है। साथ ही हितग्राहियों को अब तक 942.19 करोड़ रुपये की सब्सिडी दी जा चुकी है। ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने कहा कि इस योजना से परिवार ऊर्जा आत्मनिर्भर बन रहे हैं।

पीएम सूर्य घर योजना मप्र में ऊर्जा आत्मनिर्भरता, पर्यावरण संरक्षण और आमजन को आर्थिक राहत प्रदान करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण अभियान के रूप में स्थापित हो रही है। पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी योजना के क्रियान्वयन में अग्रणी है। यहां 54 हजार 773 संयंत्र स्थापित किए गए। इससे 56 हजार 247 परिवारों को लाभ मिला है। क्षेत्र में 202.07 मेगावॉट क्षमता विकसित हुई है और 389.31 करोड़ रुपए से अधिक की सब्सिडी जारी की गई है। मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी क्षेत्र में अब तक 47 हजार 734 सौर संयंत्र स्थापित किए गए हैं, जिनसे 50 हजार 323 परिवार लाभान्वित हुए हैं। कंपनी क्षेत्र में 185.09 मेगावॉट क्षमता के संयंत्र स्थापित हुए हैं तथा 339.28 करोड़ रुपये से अधिक की सब्सिडी जारी की गई है।

फाइल फोटो।

उपभोक्ताओं को मिल रहा सीधा लाभ

योजना के तहत 1 किलोवॉट सौर संयंत्र पर 30 हजार रुपए, 2 किलोवॉट पर 60 हजार रुपए तथा 3 किलोवॉट या उससे अधिक क्षमता के संयंत्र पर 78 हजार रुपये तक की सब्सिडी दी जा रही है। इससे उपभोक्ताओं के बिजली बिलों में उल्लेखनीय कमी आ रही है और वे स्वच्छ ऊर्जा के माध्यम से आत्मनिर्भर बन रहे हैं। प्रदेश सरकार और विद्युत वितरण कंपनियां योजना के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए लगातार प्रयासरत हैं। नागरिकों से अपील की गई है कि वे अधिकृत वेंडरों के माध्यम से ही सौर संयंत्र स्थापित कराएं तथा सब्सिडी प्राप्ति के लिए बैंक खाते, आधार कार्ड और बिजली कनेक्शन में दर्ज नाम एक समान रखें।

कंपनी क्षेत्र में 30 हजार 614 सौर संयंत्र स्थापित किए

पूर्व क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी क्षेत्र में 30 हजार 614 सौर संयंत्र स्थापित किए गए, जिनसे 30 हजार 899 परिवार लाभान्वित हुए हैं। कंपनी क्षेत्र में 110.87 मेगावॉट क्षमता के संयंत्र स्थापित हुए हैं तथा 213.60 करोड़ रुपये से अधिक की सब्सिडी वितरित की गई है।

33.25 किलोग्राम गांजे की कीमत करीब 17 लाख रुपए

नीले ड्रम में छिपाकर रखा था गांजा, पुलिस ने तलाशी के दौरान भारी मात्रा में किया जब्त

हरिभूमि न्यूज ▶▶ जगदलपुर

भानपुरी थाना क्षेत्र के केशरपाल में पुलिस ने बड़ी कार्रवाई की है। पुलिस ने एक युवक के घर से भारी मात्रा में अवैध गांजा जब्त किया है। यह गांजा एक नीले रंग के ड्रम में छिपाकर रखा गया था। भानपुरी थाना प्रभारी हर्ष धुरंधर ने बताया कि 7 जून को मुखबिर से सूचना मिली थी। सूचना के अनुसार, ग्राम केशरपाल के आवासपारा में एक व्यक्ति गांजा बेचने के लिए रखे हुए था। पुलिस ने तुरंत एक टीम गठित की और बताए गए स्थान पर दबिश दी। टीम ने घेराबंदी कर संदेही किशोर बघेल को पकड़ा। किशोर बघेल 36 वर्ष का है और केशरपाल आवासपारा का निवासी है। उसके घर की तलाशी ली गई। तलाशी के दौरान घर के कमरे में रखे नीले प्लास्टिक ड्रम के अंदर गांजा मिला। कुल 33.25 किलोग्राम गांजा जब्त किया गया। इसकी अनुमानित कीमत 16,62,500 रुपये है। आरोपी किशोर बघेल के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया है। उसे गिरफ्तार कर न्यायालय के समक्ष पेश किया गया है।

अस्पताल ले जाते समय तोड़ा दोनों ने दम

हाथी के हमले में सड़क निर्माण कार्य में लगे दो युवकों की मौत

हरिभूमि न्यूज ▶▶ मनेन्द्रगढ़

गुरु घासीदास तमोर पिंगला टाइगर रिजर्व क्षेत्र में हाथी के हमले से दो युवकों की मौत हो गई। देवसील गांव की आगे बस्ती में सड़क निर्माण कार्य में लगी जेसीबी के पास काम कर रहे श्रमिकों पर रविवार देर रात हाथी ने हमला कर दिया। हमले में गौरव (22) की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि गंभीर रूप से घायल अमर सिंह (35) ने सोनहत अस्पताल ले जाते समय रास्ते में दम तोड़ दिया।

बताया जा रहा है कि सड़क निर्माण कार्य के दौरान श्रमिक आग जलाकर खाना खाने के बाद आराम कर रहे थे। इसी दौरान अचानक हाथी वहां पहुंच गया और उन पर हमला कर दिया। घटना की सूचना मिलते ही गुरु घासीदास तमोर पिंगला टाइगर रिजर्व के कर्मचारी मौके पर पहुंचे। घटना के बाद क्षेत्र में दहशत का माहौल है।

हरियाणा विधानसभा में दो दिवसीय सीपीए नॉर्थ जोन

हर नागरिक की भागीदारी से ही बनेगा विकसित भारत :ओम बिरला

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ चंडीगढ़

लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने कहा कि 'विकसित भारत' का संकल्प केवल सरकार का नहीं, बल्कि पूरे राष्ट्र का संकल्प है। इसे साकार करने के लिए देश के प्रत्येक नागरिक, संस्था और जनप्रतिनिधि की सक्रिय भागीदारी आवश्यक है। उन्होंने कहा कि नीतियां, योजनाएं और बजटीय प्रावधान ऐसे होने चाहिए, जो समाज के अंतिम व्यक्ति के जीवन में सकारात्मक बदलाव ला सकें।

लोकसभा स्पीकर ओम बिरला सोमवार को हरियाणा विधानसभा में आयोजित कॉमनवेल्थ पार्लियामेंट्री एसोसिएशन (सीपीए) इंडिया रीजन जोन-2 (नॉर्थ जोन) सम्मेलन के उद्घाटन सत्र को संबोधित कर रहे थे। सम्मेलन में राज्यसभा के उपसभापति हरिवंश, मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी, विधानसभा अध्यक्ष हरविंद्र कल्याण, संसदीय कार्य मंत्री महिपाल ढांडा सहित विभिन्न राज्यों के पीठासीन अधिकारी और जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे। लोकसभा अध्यक्ष ने कहा कि 21वीं सदी का यह दशक भारत के लिए बेहद महत्वपूर्ण है। वैश्विक स्तर पर बड़े बदलाव और चुनौतियों के बीच भारत मजबूत कानूनी ढांचे, सुशासन तथा दीर्घकालिक नीतियों के बल पर निरंतर आगे बढ़ रहा है। आज पूरी दुनिया भारत को नई आशा और संभावनाओं के साथ देख रही है।

उन्होंने कहा कि विकसित भारत के निर्माण को जनआंदोलन का स्वरूप देना होगा, ताकि प्रत्येक नागरिक यह महसूस कर सके कि राष्ट्र निर्माण में उसकी भी महत्वपूर्ण भूमिका है।

समाज कल्याण विभाग की पहल पर 'सियान गुड़ी' का शुभारंभ

व्हीलचेयर-छड़ी का वितरण, शाल-श्रीफल किए भेंट

हरिभूमि न्यूज ▶▶ सरगुजा

छत्तीसगढ़ वरिष्ठ नागरिकों को सम्मानपूर्ण, सुरक्षित एवं आनंदमय वातावरण उपलब्ध कराने के लिए नई पहल शुरू की गई है। यह पहल सरगुजा जिले से हुई है। समाज कल्याण विभाग ने यहां 'सियान गुड़ी' (वरिष्ठ नागरिक डे-केयर सेंटर) की स्थापना की है। जिसका शुभारंभ सोमवार को राज्य के वित्त एवं जिले के प्रभारी मंत्री ओपी चौधरी और समाज कल्याण एवं महिला एवं बाल विकास मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े ने किया। शुभारंभ कार्यक्रम के दौरान मंत्री ओपी चौधरी का अलग ही अंदाज देखने को मिला। ओपी चौधरी ने अकेलापन महसूस कर रहे बुजुर्गों के साथ साथ कैरम और लूडो खेला। मंत्री का सरल अंदाज देखकर वहां मौजूद बुजुर्ग भी काफी खुश नजर आए।

बुजुर्ग समाज की अमूल्य धरोहर

इस अवसर पर वित्त मंत्री ओपी चौधरी ने कहा कि बुजुर्ग समाज की अमूल्य धरोहर हैं। उनके अनुभव और मार्गदर्शन से नई पीढ़ी को दिशा मिलती है। उन्होंने कहा कि वरिष्ठ नागरिकों के सम्मान और सुखद जीवन को ध्यान में रखते हुए सियान गुड़ी की स्थापना की गई है, जहां उन्हें आवश्यक सुविधाओं के साथ आत्मीय और सकारात्मक वातावरण मिलेगा।

जल संरक्षण पर मध्यप्रदेश की पहल को मिली अंतरराष्ट्रीय सराहना

विदेशी राजनयिकों ने मध्यप्रदेश मॉडल को सराहा, जल गंगा संवर्धन अभियान बना जन-आंदोलन

सदानीरा समागम में 6 देशों के राजनयिकों ने अपने देशों में इसे लागू करने की जताई इच्छा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

जल ही जीवन है और इस जीवनदायी संपदा को सहेजने की दिशा में मप्र अब समूचे विश्व के लिए एक अनुकरणीय उदाहरण बन रहा है। प्रदेश में शुरू किया गया 'जल गंगा संवर्धन अभियान' अब केवल एक सरकारी प्रयास नहीं, बल्कि जनभागीदारी का एक सशक्त जन-आंदोलन बन चुका है।

नदियों, तालाबों और पारंपरिक जल स्त्रोतों के पुनर्जीवन की इस भागीरथी कोशिश को अब अंतर्राष्ट्रीय पटल पर भी अभूतपूर्व सराहना मिल रही है। भोपाल के ऐतिहासिक भारत भवन में आयोजित 'सदानीरा समागम' ने जल संरक्षण को हमारी समृद्ध सांस्कृतिक विरासत के साथ जोड़कर एक नया कीर्तिमान स्थापित किया है। इस भव्य आयोजन में साइप्रस, फिजी, मेक्सिको, नेपाल, त्रिनिदाद एवं टोबैगो और इक्वाडोर के राजनयिकों ने न केवल सहभागिता की, बल्कि जल प्रबंधन के इस 'मध्यप्रदेश मॉडल' को आज की सबसे बड़ी वैश्विक जरूरत बताते हुए इसे अपने देशों में भी लागू करने की प्रबल इच्छा जताई है।

साइप्रस और फिजी ने 'मध्यप्रदेश मॉडल' की जमकर की सराहना

इस सात दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय आयोजन में साइप्रस के उच्चायुक्त श्री इवागोरस वराईओनाइडेस ने कहा कि जल संकट एक गंभीर वैश्विक चुनौती है। इसके समाधान के लिए जन-जागरूकता बढ़ाना अत्यंत महत्वपूर्ण पहल है। उन्होंने वीर भारत न्यास के साथ संवाद को सार्थक बताते हुए जानकारी दी कि साइप्रस का सांस्कृतिक दल 20-21 जून को भोपाल में अपनी प्रस्तुतियां देगा। वहीं, फिजी गणराज्य के उच्चायुक्त श्री जगन्नाथ सामी ने जलवायु परिवर्तन को गंभीर चिंता का विषय बताते हुए कहा कि भारत और फिजी के संबंध 1948 से अत्यंत प्रगाढ़ हैं।

मेक्सिको और नेपाल ने जल संरक्षण को बताया साझा जिम्मेदारी

मेक्सिको दूतावास की संस्कृति प्रमुख सुश्री वनेसा एड्रियन ने जल संरक्षण को एक साझा वैश्विक समस्या बताते हुए कहा कि जल और नदियों को सांस्कृतिक विरासत से जोड़ना अत्यंत सराहनीय कदम है। उन्होंने भारत और मेक्सिको को प्राचीन सभ्यताओं का उत्तराधिकारी बताते हुए आपसी सहयोग से साझा समाधान विकसित करने पर बल दिया। इसी तरह, नेपाल दूतावास के प्रथम सचिव दीपक पोरखिरे ने कहा कि यह आयोजन प्रकृति के प्रति हमारी जिम्मेदारी का बोध कराता है।

चिंतन

ममता के सामने अब तक का सबसे बड़ा संकट

जिस तृणमूल कांग्रेस को अब तक भाजपा के खिलाफ सबसे सशक्त आवाज समझा जाता था और पार्टी प्रमुख ममता बनर्जी जिस अंदाज में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी समेत पूरे राजग को अकेले ही जवाब देती हुई नजर आती थी। अब विधानसभा चुनाव में हार के बाद लगता है कि वह महज दिखावा ही था। असल में तृणमूल के 'तृण' और 'मूल' बिखर चुके थे। सिर्फ एक विधानसभा चुनाव की हार ने पार्टी की इस हालत को खोलकर रख दिया है कि उसमें भीतरी तौर पर कितना असंदतोष है। सबसे बड़ी बात यह है कि जमीनी स्तर से उच्चस्तर तक यह असंतोष दिखाई दे रहा है। यह ममता के सामने अब तक का सबसे बड़ा सियासी संकट हैं। टीएमसी के 50 से ज्यादा विधायक, 20 लोकसभा सांसद और एक राज्यसभा सांसद पार्टी नेतृत्व से नाराज होकर बगावती तेवर अपना चुके हैं। इनके भाजपा में शामिल होने की अटकलें लगाई जा रही हैं। ममता बनर्जी ने 15 साल से जिस ठसक से पश्चिम बंगाल को चलाया है। वह ठसक अब धरी की धरी ही रह गई है। वहीं, बगावती तेवर अपनाने वाले पार्टी नेताओं में ममता के भतीजे अभिषेक बनर्जी के खिलाफ गुस्सा है। इसके कारण ही पार्टी की यह दशा होने जा रही है। ममता के सामने अब अपने संगठन को एकजुट करने की सबसे बड़ी चुनौती है। हालांकि ममता संघर्ष और जुझारूपन से उभरी हुई नेता हैं। इसलिए उन्हें कमजोर तो नहीं माना जा सकता, लेकिन उम्र का भी एक तकाजा होता है। पश्चिम बंगाल की राजनीति में लंबे समय तक एक अजेय शक्ति के रूप में दिखाई देने वाली ममता आज अपने राजनीतिक जीवन के सबसे कठिन दौर का सामना करती नजर आ रही हैं। राजनीति में जीत कई कमजोरियों पर पर्दा डाल देती है, लेकिन हार उन सभी दरारों को सामने ले आती है जिन्हें नेतृत्व लंबे समय तक नजरअंदाज करता रहा हो। तृणमूल कांग्रेस के साथ भी कुछ ऐसा ही होता दिखाई दे रहा है। यदि बड़ी संख्या में विधायक और सांसद पार्टी नेतृत्व से असंतुष्ट होकर बगावती तेवर अपना रहे हैं, तो यह केवल चुनावी हार का परिणाम नहीं है। यह उस असंतोष का विस्फोट है जो वर्षों से संगठन के भीतर जमा होता रहा होगा। किसी भी राजनीतिक दल के लिए सबसे बड़ा खतरा विपक्ष नहीं, बल्कि उसका आंतरिक विघटन होता है। आज टीएमसी उसी चुनौती के सामने खड़ी है। चुनावी हार के बाद वही दबा हुआ असंतोष अब खुलकर सामने आ रहा है। यदि पार्टी के भीतर नेतृत्व को लेकर असंतोष है, तो यह केवल व्यक्तियों का विवाद नहीं बल्कि संगठनात्मक संतुलन का प्रश्न है। ममता बनर्जी के सामने सबसे बड़ी चुनौती यही है कि वह पार्टी को एकजुट रखते हुए नेतृत्व पर उठ रहे सवालों का समाधान करें। ममता ने जिस तरह से टीएमसी को खड़ा किया था वह अपने आप में एक सफलता की कहानी रही है। हालांकि बंगाल में वामपंथियों की कोई पार्टी नहीं बची। यही हाल अब तृणमूल का भी होने जा रहा है। एक विधानसभा चुनाव में हार के बाद पार्टी का इस तरह से बिखर जाना ममता के लिए एक बड़ा सबक है। यह भाजपा को भी इससे सबक लेना होगा। उसे अब टीएमसी की कमियों को दूर कर सरकार चलानी होगी और लोगों की उम्मीदों पर खरा उतरना होगा। प्रदेश में लोगों को भीतर से जोड़ना होगा। बंगाल का इतिहास रहा है कि जो पार्टी एक बार हार गई वह दोबारा सत्ता में नहीं आई। चाहे उसमें वाम दल हों, कांग्रेस हो या अब तृणमूल कांग्रेस।

'मूल' की दिक्कत या अस्तित्व का सवाल

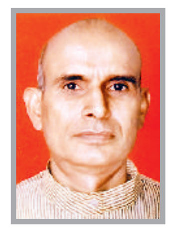

टीएमसी में टूट
अखिलेश आर्येन्दु

पश्चिम बंगाल में हुए हालिया चुनाव में करारी हार के बाद तृणमूल कांग्रेस पार्टी अपने अस्तित्व के सबसे बड़े संकट का सामना कर रही है। टीएमसी की हार के बाद राजनीति के जानकार कहने लगे थे कि अब बंगाल में 15 साल तक सत्ता सुख भोगने वाली पार्टी को ऐसे खराब दिन भी देखने पड़ सकते हैं कि जब उसके सामने अस्तित्व बचाने का संकट होगा। महज एक महीने में ही पार्टी में ऐसा बिखराव शुरू हुआ कि ममता बनर्जी की लाख कोशिशों के बावजूद पार्टी लगातार टूटती जा रही है। ऐसा कहा जाने लगा है कि तृणमूल में कुछ मूल बचेगा भी या नहीं? नेताओं का अंदरूनी असंतोष पार्टी को लगातार तोड़ने का काम कर रहा है।

कहते हैं वर्तमान को देख कर भविष्य के बारे में अनुमान लगाना मुश्किल नहीं होता। यह कहावत तृणमूल कांग्रेस पर सटीक साबित हो रही है। पश्चिम बंगाल में हुए हालिया चुनाव में करारी हार के बाद तृणमूल कांग्रेस अपने अस्तित्व के सबसे बड़े संकट का सामना कर रही है। टीएमसी के हार के बाद राजनीति के जानकार कहने लगे थे कि अब पश्चिम बंगाल में 15 साल तक सत्ता सुख भोगने वाली पार्टी के लिए खराब दिन भी देखने पड़ सकते हैं जब उसके सामने अस्तित्व बचाने का संकट होगा। महज एक महीने में ही पार्टी में ऐसा बिखराव शुरू हुआ कि ममता बनर्जी की लाख कोशिशों के बावजूद पार्टी लगातार बिखरती जा रही है। ऐसा कहा जाने लगा है कि तृणमूल में कुछ मूल बचेगा भी कि नहीं? गौरतलब है पार्टी के 58 विधायकों ने विधानसभा स्पीकर को प्रस्ताव सौंपकर ऋतव्रत बनर्जी को विपक्ष का नेता और अलग विधायक दल के रूप में मान्यता देने की मांग की है। यही नहीं, तकरीबन 20 लोकसभा और राज्य सभा के कुछ सांसद भी बागी गुट के साथ साफ तौर पर आने की बात कह चुके हैं। एक राज्यसभा सांसद ने तो इस्तीफा भी दे दिया है। पश्चिम बंगाल में कभी राजनीति के चर्चित चेहरा रहे पूर्व राष्ट्रपति प्रणव मुखर्जी के सहयोगी सुखेंद्र शेखर राय का कहना है कि तृणमूल कांग्रेस बख्तरबंद की ओर बढ़ रही है। उनका मानना है कि तृणमूल के हारने की वजह कई है, लेकिन सवाल महज हारने का नहीं है, बल्कि यह अपने विचारों से ही भटक गई है। वे मानते हैं कि तृणमूल में वामपंथ की शून्यता, कम्युनिष्ट पार्टी का व्यापक बोल बाला और वैश्वीकरण के अपने मूल लक्ष्य से ही पार्टी अलग हो चुकी है। जिन वजहों से पार्टी की हार हुई है पार्टी उन्हें स्वीकारने के लिए ही तैयार नही है। ऐसे में पार्टी का अस्तित्व बच पाए, तो बहुत बड़ी बात है।

दरअसल, पश्चिम बंगाल की राजनीति में कोई क्षेत्रीय दल दशकों तक टिक नहीं पाया। कम्युनिष्ट पार्टी ही सबसे ज्यादा समय तक सत्ता पर काबिज रही, लेकिन 15 साल पहले जब इसकी करारी हार हुई और तृणमूल कांग्रेस सत्ता में आई, वामपंथ फिर बंगाल में लौट नहीं सका। जाहिर है तृणमूल की करारी हार महज सत्ता विरोधी लहर का नतीजा नहीं है, बल्कि वहां की जनता का गुस्सा है जो 15 सालों से पककर फूटा। यह हार महज किसी क्षेत्रीय पार्टी की हार नहीं है, बल्कि कुशासन, तानाशाही, गुंडागर्दी, संविधान की सरेआम धज्जियां उड़ाने, सत्ता का अहंकार और हिंदुओं का चुन-चुन कर उत्पीड़न का परिणाम है। सत्ता पाकर कोई व्यक्ति या दल किस तरह खुद को सबसे बड़ा और तानाशाह समझने लगता है, यह तृणमूल कांग्रेस की प्रमुख ममता व उनके भतीजे अभिषेक बनर्जी के कार्य और जनता के साथ बर्ताव में देखा जा सकता है। पिछले 15 वर्षों में ममता की नेतृत्व वाली सरकार ने हर क्षेत्र में अपनी मनमानी दिखाई। लोकतंत्र और संविधान का राग अलापने वाली ममता ने पार्टी और शासन को जैसा चाहा, वैसा चलाया, जब कि जैसा एक निष्पक्ष और सर्वहितकारी शासन जैसा होना चाहिए वैसा नहीं होने दिया। आतंक, गुंडागर्दी, माफिया गुटों को संरक्षण और सांप्रदायिकता का जहर फैलाना पश्चिम बंगाल शासन में आम बात थी। वहां कि जनता ही ममता और अभिषेक से त्रस्त नहीं थी, बल्कि तृणमूल के नेता, विधायक और जमीनी कैडर भी परेशान थे।

टीएमसी की हार के बाद सत्ता जैसे ही हाथ से फिसली वैसे ही पार्टी का आंतरिक और बाहरी कलह खुलकर सामने आ गई। जिसे ममता या उनके भतीजे के संभालते नहीं संभल रहा है। ममता ने पार्टी के बिखराव को रोकने और आत्ममंथन के नाम पर पश्चिम बंगाल की सभी संगठनात्मक समितियों और फ्रंटल संगठनों को भंग कर दिया है, लेकिन उससे बगावत करने वालों पर कोई असर दिखाई नहीं दे रहा है। न बगावती मनाने से मान रहे हैं और न तो समझाने का उन पर कोई असर दिख रहा है। बगावतियों का कहना है कि पार्टी तानाशाही और एकाधिकारी वादी ढर्रे पर चल रही है, जहां उनका कोई सम्मान नहीं है। दरअसल, क्षेत्रीय दलों में सत्ता का बागडोर एक-दो व्यक्तियों के हाथ में होती है। जिससे धीरे-धीरे पार्टी के योग्य व्यक्तियों में असंतोष पैदा होता है, लेकिन परिवारी पार्टी होने की वजह से इस असंतोष को पार्टी के साथ गद्दारी कहकर दबा दिया जाता है। इसका उदाहरण सपा, बसपा, शिवसेना और तृणमूल में हम देख सकते हैं। तृणमूल में जिस शुभेन्दु अधिकारी की आवाज और उनकी योग्यता को दर किनार करके ममता ने अपने भतीजे अभिषेक को आगे कर पार्टी की बागडोर सौंप दी, उस बगावती शुभेन्दु अधिकारी ने उनके ही चुनाव क्षेत्र से हराया ही नहीं, बल्कि सत्ता से बेदखल कर मुख्यमंत्री भी बन बैठे। देखने की बात यह है कि इसके बाद भी ममता को अभी भतीजा मोह परेशान किए जा रहा है। वे अपनी ही पार्टी के समर्पित कार्य-कर्ताओं की उपेक्षा ही नहीं कर रही हैं, बल्कि भतीजे के कहने पर ही सभी तरह का निर्णय ले रही हैं। क्षेत्रीय दलों का यह सबसे बड़ा दोष है-सत्ता के अलावा उनकी सोच का दायरा कभी आगे बढ़ता ही नहीं है। सपा और बसपा इसके बड़े उदाहरण हैं। दोनों कहने के लिए एक खास विचारधारा के साथ पार्टी को आगे बढ़ा रहे हैं, लेकिन न लोहिया कहीं नजर आते हैं और न ही आंबेडकर। न संविधान के पहुरुआ वाला रूप नजर आता है और न तो लोकतंत्र की रक्षा वाला ढंग ही कहीं नजर आता है, बल्कि वक्त-दर-वक्त उस कांग्रेस के साथ गलबहियां करते रहते हैं, जिस कांग्रेस के विरोध के फलस्वरूप ये पार्टियां अस्तित्व में आईं थीं। यही हाल ममता का है। जिस विचारधारा लोकतंत्र और संविधान की रक्षा और जनहित सर्वोपरि का नारा दे ममता सत्ता में आईं थीं वे नारे और विचारधारा सत्ता में आते ही फुर्र हो गए थे। जाहिर तौर पर पं.बंगाल में भ्रष्टाचार, शोषण, अन्याय, हिंसा, सांप्रदायिकता को बढ़ाने के बहुसूत्रीय कार्य को बढ़ावा देने का कार्य ममता सरकार ने किया, जिसका परिणाम ममता और अभिषेक बनर्जी की हार के रूप में सामने आया। कहते हैं व्यक्ति हो, परिवार हो या कोई संस्था-दल हो, जब वह चिंतन से विमुख हो हित-अहित, न्याय-अन्याय, धर्म-अधर्म और नैतिकता-अनैतिकता में अंतर करना भूल जाता है, तब उसके पतन के दिन प्रारंभ हो जाते हैं। तृणमूल कांग्रेस, कांग्रेस आई और वामपंथियों के पतन का सबसे बड़ा कारण यही रहा। जब अपना दोष दूसरों पर या अपनी कमी का ठीकरा दूसरों पर फोड़ा जाने लगे, तब उस व्यक्ति, समाज या दल के पतन को कोई नहीं रोक सकता है। तृणमूल के पतन या अस्तित्व खत्म होने की भविष्यवाणी करने वालों का चिंतन और अनुभव कहता है कि पार्टी यदि एकाधिकारीवादी प्रवृत्ति से उपर यदि नहीं उठ पाई तो, तृणमूल के अस्तित्व को बनाए रखना मुश्किल होगा। इतना तो साफ हो गया है कि ममता दीदी के दिन अब लद गए हैं। भाजपा को अपना प्रथम-शत्रु घोषित करने वाली ममता को बंगाल के लोग यदि सांप्रदायिकता और अधर्म की प्रतीक बताकर गालियां देते दिखाई दे रहे हैं-जबकि अब उनकी सत्ता नहीं है, तो अनुमान लगाया जा सकता है कि वहां जनता कितनी त्रस्त, परेशान और बदहाल थी।

(लेखक स्वतंत्र पत्रकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

लेख पर अपनी प्रतिक्रिया **haribhoomi@gmail.com** पर दे सकते हैं।

त्रिभाषा फार्मूला
डॉ. ओमप्रकाश प्रजापति

समावेशी विकास या फिर मानसिक बोझ

राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी 2020) और राष्ट्रीय पाठ्यचर्या रूपरेखा (एनसीएफ 2023) के लागू करने की दिशा में कदम बढ़ाते हुए केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) द्वारा शैक्षणिक सत्र 2026-27 से कक्षा 6 से 9 तक त्रिभाषा सूत्र को समग्रता से लागू करने का निर्णय भारत के शैक्षिक और सांस्कृतिक परिदृश्य में एक बहुत बड़ा कदम है। शिक्षा के क्षेत्र में भाषा केवल संवाद या विचारों के आदान-प्रदान का माध्यम नहीं होती यह ज्ञान, संस्कृति, राष्ट्रीय अस्मिता और मनुष्य की सोचने-समझने की मौलिक क्षमता के विकास का आधार होती है। यही कारण है कि प्रतिष्ठित संस्थाओं और देश के प्रख्यात शिक्षाविदों ने सीबीएसई के इस निर्णय को प्रशंसनीय बताया है। इसके विपरीत महानगरों के कुछ छात्रों और उनके अभिभावकों द्वारा देश की सर्वोच्च अदालत में इस नीति के खिलाफ जनहित याचिका दायर करना और इसे 'मानसिक बोझ' बता देना एक नए वैचारिक टकराव को जन्म देता है। इस स्थिति को समझने के लिए हमें इस विषय के व्यावहारिक, वैज्ञानिक और सामाजिक पहलुओं का गहराई से विश्लेषण करना होगा। दुनिया के मानचित्र पर यदि हम चीन, जापान, रूस, जर्मनी, फ्रांस व ब्राजील जैसे विकसित और विकासशील देशों पर दृष्टि डालेंतो अनुभव होता है कि इन सभी राष्ट्रों ने अपनी प्राथमिक और माध्यमिक शिक्षा का पूरा ढांचा अपनी मातृभाषा या अपनी राष्ट्रीय भाषाओं पर ही केंद्रित रखा है। यूनेस्को जैसी वैश्विक संस्था भी लगातार इस बात जोर दे रही है कि बच्चों को उनकी शुरुआती कक्षाओं में मातृभाषा में ही शिक्षा दी जानी चाहिए। जिससे उनकी सोचने और समझने की मौलिक शक्ति का ह्रास नहीं होता। जब दुनिया के विकसित देश अपनी भाषाओं के माध्यम से विज्ञान, तकनीक और चिकित्सा के क्षेत्र में सर्वोच्च मुकाम हासिल कर सकते हैं तो भारत में इस वैज्ञानिक दृष्टिकोण को अपनाने पर आपत्ति क्यों होनी चाहिए? एक बड़ा प्रश्न यह भी उठता है कि जब हमारे देश का एक विशिष्ट वर्ग बच्चों पर छोटी उम्र से ही विदेशी भाषाएं सीखने या पूरी शिक्षा विदेशी भाषा के माध्यम से ग्रहण करने का दबाव बनाता है तब उन्हें कोई 'मानसिक बोझ' दिखाई नहीं देता, लेकिन जैसे ही बच्चों को मातृभाषा के साथ-साथ दो अन्य भारतीय भाषाएं सीखने का विकल्प दिया जाता है तो उसे बच्चों के मानसिक स्वास्थ्य के लिए खतरा बताकर न्यायालयों का दरवाजा खटखटाया जाने लगता है। जब कोई छात्र अपने ही देश की किसी दूसरी भाषा को सीखता है तो वह केवल भाषा नहीं सीखता, बल्कि उस राज्य के इतिहास, लोक-साहित्य, परंपराओं और वहां के जनजीवन से जुड़ता है। एक उत्तर भारतीय छात्र का तमिल, तेलुगु, ओड़िया या मराठी सीखनाया एक दक्षिण भारतीय छात्र का हिंदी, संस्कृत या बांग्ला सीखना केवल एक अतिरिक्त विषय पढ़ना नहीं है यह उस पुल का निर्माण करना है जो दिलों को जोड़ता है। यह नीति 'अनेक भाषाएं एक भारत-समृद्ध भारत समर्थ भारत' को चरितार्थ करती है जो भारत को समस्त विश्व में एक नई पहचान देने के लिए प्रतिबद्ध है। इस 'मानसिक बोझ' के मिथक को यदि आधुनिक भाषा विज्ञान और न्यूरोसाइंस से समझा जाए, तो यह पूरी तरह से एक काल्पनिक और वैज्ञानिक आधार से परे का कुतर्क साबित होता है। इस गहरी समानता के कारण एक भारतीय छात्र के लिए अपने ही देश की किसी दूसरी क्षेत्रीय या शास्त्रीय भाषा को सीखना किसी बिल्कुल अनजानी विदेशी भाषा जैसे फ्रेंच, जर्मन को सीखने की तुलना में बहुत आसान सुगम और स्वाभाविक होता है। तीन भाषाओं के अध्ययन को एक 'अतिरिक्त बोझ' के रूप में प्रचारित करना वास्तव में हमारे बच्चों की सीखने की प्राकृतिक और असीम क्षमता को कम आंकने जैसा है। यदि हम भारत के विभिन्न राज्य माध्यमिक शिक्षा बोर्डों को देखें तो पाएंगे कि देश के अधिकांश राज्यों में कक्षा 6 से 10 तक त्रिभाषा सूत्र पहले से ही सफलतापूर्वक और बिना किसी व्यवधान के चल रहा है। उत्तर प्रदेश, बिहार, मध्य प्रदेश, राजस्थान से लेकर महाराष्ट्र, गुजरात और दक्षिण के कई राज्यों के सरकारी और निजी स्कूलों में ग्रामीण और सामान्य आर्थिक पृष्ठभूमि के छात्र अंग्रेजी और अपनी राज्य की मुख्य भाषा के साथ-साथ एक अन्य भारतीय भाषा (प्रायः हिंदी संस्कृत या कोई क्षेत्रीय भाषा) का अध्ययन दशकों से कर रहे हैं। इन करोड़ों छात्रों को कभी तीन भाषाएं पढ़ने में कोई कठिनाई या मानसिक तनाव महसूस नहीं हुआ और न ही इससे उनकी शैक्षणिक प्रगति में कोई बाधा आई। अनेक भाषाएं, एक भारत के इसी मूल मंत्र को अपनाकर ही हम एक सांस्कृतिक रूप से सजग मानसिक रूप से सुदृढ़ और दुनिया के सामने आत्मनिर्भर भारत का निर्माण कर सकते हैं।

(लेखिक हिमाचल प्रदेश के केंद्रीय विश्वविद्यालय में सहायक प्रोफेसर हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

जीवन का प्रथम अनुबंध किसको माना है?

संकलित
दर्शन

अनुबंध चतुष्टय में 'अधिकारी' को प्रथम अनुबंध स्वीकार किया गया है। मानव की आध्यात्मिक और लौकिक यात्रा के निर्विघ्न संचालन में इसकी महत्वपूर्ण भूमिका रहती है। लोक में इसके लिए योग्यता या पात्रता पद का प्रयोग होता है, जिसका तात्पर्य है, किसी कार्य के निष्पादनार्थ पात्रता प्राप्त करना।सामान्यतः प्रत्येक कार्य के लिए प्रत्येक व्यक्ति पात्र नहीं होता। इसलिए अनधिकारी व्यक्ति द्वारा किया गया कार्य सफल और लोकमंगलकारी हो, यह आवश्यक नहीं, परंतु अधिकारी (पात्र) व्यक्ति द्वारा किया गया प्रत्येक कार्य सफल भी होता है और लोकमंगलकारी भी। इसलिए अधिकारी आत्मिक और जागतिक कल्याण का मार्ग प्रशस्त करने वाला मानव जीवन का प्रथम अनुबंध है। इसीलिए इसे शास्त्रों में विशेष महत्व दिया गया है। वेदांत में अधिकारी को परिभाषित करते हुए कहा गया-जिसने विधिवत ज्ञान प्राप्त कर काम्य एवं निषिद्ध कर्मों का परित्याग कर दिया है। नित्य, नैमित्तिक और उपासनादि कर्म करने से जिसकी बुद्धि परिष्कृत और अंतःकरण निर्मल हो चुका है, ऐसा पापरहित व्यक्ति ही विशिष्ट ज्ञान का अधिकारी है। विश्वामित्र आदि ऋषियों ने अधिकारी समझकर ही राम को विविध आयुध प्रदान किए, जिससे उनका दुरुपयोग न हो सके। जैसे अधिकारी व्यक्ति का ज्ञान लोकमंगल के लिए होता है, उसी प्रकार अधिकारी को प्रदान की गईं शक्तियां समाज, देश और मानवता की रक्षा के लिए होती हैं। इतिहास साक्षी है कि जब भी अनधिकारी को शक्तियां प्रदान की गई हैं, उनका दुरुपयोग ही हुआ है।

दान की बड़ी महिमा

संकलित
प्रेरणा

एक बार राजा भोज एक जंगल के रास्ते से जा रहे थे। साथ में उनके राजकवि पंडित धनपाल भी थे। रास्ते में एक विशाल बरगद के पेड़ में मधुमक्खियों का एक बहुत बड़ा छत्ता लगा था। जो शहद के भार से गिरने ही वाला था।राजा भोज ने ध्यान से देखा तो पाया कि मधुमक्खियां उस छत्ते से अपने हाथ पैर घिस रही हैं। उन्होंने राजकवि से इसका कारण पूछा। राजकवि बोले- महाराज ! दान की बड़ी महिमा है। शिवि, दधीचि, कर्ण, बलि आदि अनेक दानियों का नाम उनके न रहने के बाद भी चल रहा है। जबकि केवल संचय करने और दान न करने वाले बड़े बड़े राजा महाराजाओं का आज कोई नाम लेने वाला भी नहीं है। इन मधुमक्खियों ने भी आजीवन केवल संचय ही किया है, कभी दान नहीं किया। इसलिए आज अपनी संपत्ति को नष्ट होते देखकर इन्हें दुःख हो रहा है। इसीलिए ये अपने हाथ पैर घिस रही हैं। अतः आवश्यकता से अधिक संचय हमेशा दुःख का कारण होता है। मनुष्य भी जीवन भर संपत्तियों का संचय करता है। संपत्ति संचय के लिए तरह-तरह के पैतरे अपनाता है पर अंततः जब मृत्य आती है तो संचय की गई संपत्ति यही छोड़कर जाना पड़ता है। उस संचित संपत्ति पर परिवार के सदस्यों का हक होता है। इसी जरूरत से ज्यादा संपत्ति के संचय से बचना चाहिए।

अंतर्मन

आज की पाती

साइबर सुरक्षा के लिए जनचेतना जरूरी

आज हमारे देश में साइबर फ्रॉड के मामले बहुत बढ़ गए हैं। इसके लिए जागरूकता अभियान बहुत जरूरी है। साइबर सुरक्षा के लिए इन बातों पर ध्यान रखना जरूरी है। एसएमएस या व्हाट्सएप पर आए किसी भी अनजान लिंक को न खोलें। किसी को भी ओटीपी या अपने इंटरनेट बैंकिंग की डिटेल न दें। केवाईसी के नाम पर भी साइबर फ्रॉड हो सकता है। इसके लिए बैंक से संपर्क करें। आजकल तो ई-चालान, बिजली बिल भरने के नाम पर धोखाधड़ी के मैसेज आ रहे हैं, इनसे भी सावधान रहें। अपने नेट बैंकिंग और मोबाइल बैंकिंग के पासवर्ड और पिन बदलते रहें। हालांकि सरकार ने साइबर धोखाधड़ी से बचने के अनेक उपाय किए हैं, लेकिन समूह समाज को भी सचेत रहना होगा।

- महेश कुलकर्णी, बिलासपुर

करंट अफेयर

सजा पूर्ण पर बांग्लादेश की जेलों में बंद 150 भारतीय

लगभग 150 भारतीय अपनी जेल की सजा पूरी करने के बावजूद अब भी बांग्लादेश की जेलों में बंद हैं, क्योंकि प्रक्रिया से संबंधित देरी के कारण उनकी स्वदेश वापसी नहीं हो पा रही है। अधिकारियों ने सोमवार को यह जानकारी दी। एक जेल अधिकारी ने नाम सार्वजनिक नहीं करने की शर्त पर बताया कि छह महीने पहले प्रकाशित जेल आंकड़ों के अनुसार, बांग्लादेश की जेलों में 152 विदेशी कैदी बंद हैं, जिनमें 148 भारतीय शामिल हैं। ये सभी अपनी सजा पूरी कर चुके हैं, फिर भी जेल में हैं।अधिकारी ने कहा कि इनमें से कई विदेशी कैदियों ने वर्षों पहले अपनी सजा पूरी कर ली थी, लेकिन पहचान सत्यापन की प्रक्रिया, नौकरशाही से जुड़ीं अड़चनों और राजनयिक स्तर पर निष्क्रियता के कारण इनकी रिहाई और वापसी में देरी हो रही है। उन्होंने बताया कि बड़ी संख्या में इन भारतीय को अवैध रूप से सीमा पार करने जैसे आरोपों में गिरफ्तार किया गया था। न्यूज पोर्टल ने खबर दी कि दक्षिण-पश्चिमी शरियतपुर जिला जेल में ही 17 भारतीय कैदी अपनी सजा पूरी करने के बावजूद अब भी बंद हैं। जेल अधिकारियों के अनुसार, उनकी स्वदेश वापसी की प्रक्रिया अभी तक पूरी नहीं हो सकी है।

ऑफ बीट

औषधीय भांग का इस्तेमाल करने वालों की संख्या बढ़ी

ऑस्ट्रेलिया में चिकित्सक लोगों को पहले से कहीं अधिक औषधीय भांग लेने का परामर्श दे रहे हैं। औषधीय भांग का मतलब कानूनी रूप से निर्धारित भांग उत्पादों से है। ये या तो पौधे ही होते हैं, या पौधे से निकाले गए प्राकृतिक तत्व होते हैं। टेट्राहाइड्रोकैनाबिनोल (टीएचसी) और कैनाबिडियोल (सीबीडी) जैसे तत्वों को कैनाबिनोइड्स कहा जाता है। कुछ कैनाबिनोइड्स प्रयोगशालाओं में भी बनाए जाते हैं और ये पौधे में मौजूद तत्वों की तरह काम करते हैं। औषधीय भांग विभिन्न रूपों में आती है, जैसे तेल, कैप्सूल, सूखे फूल (वाष्पीकरण में इस्तेमाल किए जाने वाले), स्प्रे और खाद्य रूप जैसे 'गमी' आदि। वर्ष 2016 में विनियामक परिवर्तनों के बाद से औषधीय भांग को अधिक सुलभ बनाया गया है। ऑस्ट्रेलिया के नियामक ने 7,00,000 से अधिक अनुमोदन जारी किए हैं इनमें से लगभग आधे अनुमोदन ऐसे पुराने दर्द के लिए हैं जो कैंसर के कारण नहीं है। ऑस्ट्रेलिया में 45 वर्ष या उससे अधिक आयु का पांच में से एक व्यक्ति क्रॉनिक दर्द (पुराने दर्द) से पीड़ित है जिसका लोगों के जीवन पर बहुत बड़ा प्रभाव पड़ता है।

ट्रेंड

संविधान पर हमले जारी

संविधान पर हमले जारी हैं। जांच एजेंसियों का इस्तेमाल विपक्षी नेताओं को परेशान करने के लिए किया जा रहा है। आर्थिक माहौल कमजोर है। निवेश अपेक्षित गति से नहीं आ रहा, रोजगार पर असर पड़ रहा है। **-मल्लिकार्जुन खरगे,** अध्यक्ष, कांग्रेस

स्वार्थी भाजपा में जा रहे

साल 2024 में इन सांसदों ने टीएमसी के टिकट पर जीत दर्ज की थी और यह जनादेश एनडीए के लिए नहीं था। पीली पतलून वाले जितने भी लालची और स्वार्थी हैं, वे अब बीजेपी में शामिल हो सकते हैं। यूसुफ पठान थोड़ी हिम्मत दिखाइए, हमारे जिले ने आपको भारी बहुमत से जिताया है, इसलिए थोड़ी शर्म दिखाइए। **-महुआ मोइत्रा,** सांसद टीएमसी

अवैध शिकार में शामिल

पश्चिम बंगाल चुनाव का (भाजपा प्रभारी के तौर पर) काम देखने वाले केंद्रीय पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्री भूपेंद्र यादव 'अवैध शिकार' में शामिल हुए हैं। इन मंत्री का विशेष काम शिकारियों को पकड़वाना और अवैध शिकार को रोकना है, न कि खुद ऐसा करना।
-जयराम रमेश, कांग्रेस महासचिव

टीम को मानकों पर परखें

अब समय आ गया है कि टीम को 'बदलाव के दौर' में बताने के बजाय टेस्ट क्रिकेट के मानकों पर परखा जाए। हाल के टेस्ट नतीजों को देखें तो गेंदबाजों ने काम काफी हद तक किया, लेकिन बल्लेबाजों को, अनुशासन व बेहतर तकनीक दिखाने की जरूरत है।
-सुनील गावस्कर, पूर्व कप्तान, क्रिकेट

अपने विचार
हरिभूमि कार्यालय
टिकरापारा, रायपुर में पत्र के माध्यम से या फैक्स : 0771-4242222, 23 पर या सीधे मेल से **hbcgpati@gmail.com** पर भेज सकते हैं।

भाजपा ने कसा तंज

एक कमरे में सिमट गई हैं इंडी गठबंधन की बैठकें

अगर सही मायने में कुछ चोरी हुआ है तो इंडी गठबंधन वालों का वजूद चोरी हुआ है: पात्रा

हरिभूमि ब्यूरो ⏭ नई दिल्ली

भाजपा ने सोमवार को कहा कि इंडिया गठबंधन हर दूसरे महीने चुनाव हारने के बाद बैठकें करता है। जनता ने उन्हें पूरी तरह से निष्क्रिय कर दिया है और उनकी विश्वसनीयता समाप्त हो गई है।

भाजपा प्रवक्ता संबित पात्रा ने सोमवार को मीडिया से कहा कि ये इनकी बैठक नहीं, ब्लकि इंडी गठबंधन वालों का एक ड्रामा चल रहा है। ये हर तीसरे महीने एक चुनाव हारेंगे और हर दूसरे महीने में इनकी बैठक होगी। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी ने चुनाव हारने का शतक लगाया है। लेकिन आज ऐसे हंस रहे थे जैसे बहुत बड़ा दुर्ग फतह करके आए हैं। भाजपा सांसद संबित पात्रा ने कहा कि पहले ये सभाएँ स्टेडियमों में होती थीं, और बेंगलुरु स्टेडियम में सभी लोग हाथ पकड़कर खड़े होते थे। धीरे-धीरे ये बैठके कॉन्स्टिट्यूशन क्लब के एक कमरे में सिमट गई हैं। पात्रा ने कहा कि आज कॉन्स्टिट्यूशन क्लब ऑफ इंडिया में इंडी गठबंधन वालों की बैठक हुई। इसके बाद मीडिया को संबोधित करते हुए कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा कि एसआईआर हुआ, वोट चोरी हुई। लेकिन ये समझ में नहीं आता कि ये एक ही टेप रिकॉर्डर कब से चला रहे हैं। एसआईआर तो तमिलनाडु में भी हुआ, केरल में भी हुआ, लेकिन सरकार बना ली। लेकिन जब बंगाल में हार गए तो एसआईआर को कोस रहे हैं, एसआईआर का रोना रो रहे हैं।

उन्होंने कहा कि इस पाखंड की पराकाष्ठा को हम सब और हिंदुस्तान की जनता देख रही है। अगर सही मायने में कुछ चोरी हुआ है तो इंडी गठबंधन वालों का वजूद चोरी हुआ है। आज जमीन में इनमें से किसी पार्टी का कोई वजूद नहीं है। उन्होंने कहा कि ये सर्वदलीय बैठक की मांग करते हैं। लेकिन पिछली बार जब नारी सशक्तिकरण के लिए सर्वदलीय बैठक बुलाई गई थी तो इनमें से कोई पॉलिटिकल पार्टी नहीं आई थी, सब नदारद थे। लेकिन ये प्रेस कॉन्फ्रेंस करके सर्वदलीय बैठक की मांग कर रहे हैं। जनता ने इन्हें पूरी तरह से इन-एक्टिव कर दिया है। भाजपा सांसद संबित पात्रा ने कहा कि पहले ये सभाएँ स्टेडियमों में होती थीं, और बेंगलुरु स्टेडियम में सभी लोग हाथ पकड़कर खड़े होते थे। धीरे-धीरे ये बैठके कॉन्स्टिट्यूशन क्लब के एक कमरे में सिमट गई हैं, अब स्टेडियम नहीं भरते...तमिलनाडु में आप (कांग्रेस) तुरंत वहाँ पहुँचे, दूसरी पार्टी के साथ गठबंधन किया और सरकार बना ली...बंगाल में हारने के बाद अब वे धांधली का आरोप लगा रहे हैं। पूरा देश इस घोर पाखंड का गवाह है...इनमें से किसी भी राजनीतिक दल की ज़मीनी स्तर पर कोई वास्तविक उपस्थिति नहीं है। उनकी ईमानदारी खत्म हो गई है, और इसी ईमानदारी के खत्म होने के कारण जनता ने उन्हें वोट नहीं दिया।

कॉकरोच जनता पार्टी के बाद अब 'इश्क करो पार्टी' लॉन्च

ईमेल आईडी किया शेयर, अभियान से जुड़ने की लोगों से अपील भी की

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

इन दिनों कॉकरोच जनता पार्टी की खूब चर्चा चल रही है। इस बीच सुप्रीम कोर्ट के पूर्व जज मार्कण्डेय काटजू ने इश्क करो पार्टी की शुरुआत करने का ऐलान किया है। वे इसके संरक्षक हैं। उन्होंने सदस्यता अभियान भी शुरू कर दिया है। पूर्व जज ने एक्स पर पोस्ट शेयर कर इस मुहिम से जुड़ने की अपील की है। उन्होंने लिखा-जो भी लोग इससे जुड़ना चाहते हैं, वे इसकी ऑफिशियल ईमेल आईडी पर संपर्क कर सकते हैं।

सुप्रीम कोर्ट के पूर्व जज मार्कंडेय ने किया ऐलान, जो लोग जुड़ना चाह रहे संपर्क करें

देश की समस्याओं से निपटने का एक बड़ा प्रयास

मार्कण्डेय ने बताया कि यह देश की गंभीर समस्याओं से निपटने का एक बड़ा प्रयास है। देश में फैली गरीबी, बेरोजगारी, बच्चों में कुपोषण, महंगी शिक्षा, खराब स्वास्थ्य सेवाएं और महंगाई जैसी समस्याओं को बिना जनता की एकता के दूर नहीं किया जा सकता। आज हमारा समाज जाति और धर्म के नाम पर बंटा हुआ है। राजनेता वोट बैंक के लिए इस नफरत को बढ़ावा देते हैं।

दीपके की मांग को मूर्खता बताया

काटजू ने 'कॉकरोच जनता पार्टी' के फाउंडर अभिजीत दीपके पर भी तंज कसा। काटजू ने कहा कि दीपके के मूर्ख होने का प्रमाण इस बात से स्पष्ट है कि उनकी प्रमुख मांगों में से एक भारत के शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान का इस्तीफा है। लेकिन इस्तीफा के बाद भदूसरा मंत्री नियुक्त हो जाएगा। इससे क्या फर्क पड़ेगा?

खबर संक्षेप

बंगाल में सीबीआई जांच की खुली छूट मिली

कोलकाता। पश्चिम बंगाल सरकार ने राज्य में सीबीआई को जांच करने की पूरी छूट देने का बड़ा फैसला किया है।

अधिसूचना के मुताबिक, दिल्ली स्पेशल पुलिस एस्टैब्लिशमेंट (डीएसपीई) एक्ट, 1946 के तहत सीबीआई को राज्य में केंद्रीय सरकार के कर्मचारियों, केंद्रीय सार्वजनिक उपक्रमों की जांच को अनुमति दी है।

ऋतब्रत को नेता प्रतिपक्ष बनाने को चुनौती दी

कोलकाता। बंगाल की राजनीति में उथल-पुथल के बीच टीएमसी ने विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष की नियुक्ति को लेकर कलकत्ता हाई कोर्ट पहुंची है। पार्टी ने विधानसभा अध्यक्ष रथींद्रनाथ बोस के उस फैसले को चुनौती दी है, जिसमें ऋतब्रत बेनर्जी को नेता प्रतिपक्ष की मान्यता दी है। इस पर 11 जून को सुनवाई होगी।

सीएम विजय की आलोचना पर यूट्यूबर गिरफ्तार

चेन्नई। लोकप्रिय यूट्यूबर मारिदास को सोमवार को चेन्नई साइबर क्राइम पुलिस ने मदुरई स्थित उनके घर से गिरफ्तार कर लिया। उन पर आरोप है कि उन्होंने तमिलनाडु के मुख्यमंत्री विजय और उनकी टीवीके सरकार के खिलाफ सोशल मीडिया पर लगातार मानहानिकारक टिप्पणियां प्रसारित कीं। सरकार की आलोचना कर रहे थे।

खान सर की जमानत पर आज होगा फैसला

पटना। दो कोचिंग के संचालकों के बीच का विवाद अब कोर्ट तक पहुंच गया है। फायरिंग मामले में शिक्षक फैजल खान उर्फ खान सर और उनके अंगरक्षकों पर प्राथमिकी दर्ज होने के बाद उनके वकील कोर्ट पहुंचे। वकील ने जमानत की याचिका दायर की। कोर्ट में मंगलवार को सुनवाई होगी।

इंडिया ब्लॉक की बैठक के बाद कांग्रेस ने राजनीतिक संदेश दिया

आगामी समय में सरकार को संसद से लेकर सड़क तक घेरेंगे, 5 बड़े मुद्दों पर बनी सहमति

मजबूती से लड़ाई लड़ेंगे और जनता के मुद्दों को लगातार उठाया जाएगा

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

दिल्ली में इंडिया बगठबंधन की मैराथन बैठक के बाद कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने भाजपा सरकार के खिलाफ बड़ा राजनीतिक संदेश दिया। खरगे ने कहा कि सभी दलों ने अपनी राय रखी। बैठक के बाद खरगे ने कहा कि विपक्षी दल अब और मजबूती से लड़ाई लड़ेंगे और जनता के मुद्दों को लगातार उठाएंगे। उन्होंने कहा कि गठबंधन 5 बड़े मुद्दों पर एकमत हुआ है और आगामी समय में सरकार को संसद से लेकर सड़क तक घेरने की तैयारी की जाएगी। खरगे ने नीट पेपर लीक मामले को युवाओं के भविष्य के साथ धोखा बताया। उन्होंने कहा कि परीक्षा प्रणाली में लगातार हो रही गड़बड़ियां लाखों छात्रों की मेहनत और उम्मीदों को बर्बाद कर रही हैं। खरगे ने आरोप लगाया कि सरकार परीक्षा व्यवस्था संभालने में पूरी तरह विफल रही है। उन्होंने कहा कि गठबंधन मानसून सत्र में भी इस मुद्दे को जोरदार तरीके से उठाएगा और छात्रों के साथ न्याय की मांग करेगा।

बैठक में इंडिया गठबंधन में शामिल दल

इन मुद्दों पर सारा विपक्ष एकजुट दिखा

2024 के लोकसभा चुनावों के बाद सोमवार को पहली बार दिल्ली के कॉन्स्टिट्यूशन क्लब में इंडी गठबंधन की बैठक हुई। इस बैठक में सभी ने कई मुद्दों पर अपनी बात रखी। सभी ने अपनी राय रखी। हम 5 मुद्दों पर सहमत हुए।

2029 की लड़ाई की तैयारी शुरू

राजनीतिक जानकारों का मानना है कि इंडिया ब्लॉक अब सिर्फ संसद तक सीमित नहीं रहना चाहता, बल्कि 2029 लोकसभा चुनाव की तैयारी भी शुरू कर चुका है। विपक्षी दल लगातार मुद्दों पर बात कर रहे हैं।

इन मुद्दों पर एकमत दिखे

- खरगे ने बताया कि एसआईआर , वोट की लूट और चुनाव में धांधली के बारे में भारत के मुख्य न्यायाधीश को पत्र भेजने पर सहमति बनी है। यह पत्र जल्द ही भारत के मुख्य न्यायाधीश को सौंपा जाएगा।
- कांग्रेस अध्यक्ष ने बताया कि शिक्षा मंत्री के तुरंत इस्तीफे की मांग पर सर्वसम्मति से सहमति बनी, क्योंकि उनकी देखरेख में नीट औरसीबीएसई परीक्षाओं में शामिल होने वाले लाखों युवाओं के साथ धोखा हुआ।
- खरगे ने कहा कि केंद्र सरकार को मौजूदा नाजुक आर्थिक स्थिति, बेरोजगारी, महंगाई, किसानों के मुद्दों और लोगों से जुड़े अन्य मुद्दों पर चर्चा के लिए तुरंत सर्वदलीय बैठक बुलानी चाहिए।
- कांग्रेस अध्यक्ष ने बताया कि बैठक में इस बात पर भी सहमति बनी कि सभी पार्टियां हर दो महीने में बैठक करेंगी। संसद के मानसून सत्र के दौरान विपक्ष के नेता के कार्यालय में हर सुबह बैठकें करके संसद में तालमेल बनाए रखा जाएगा।
- विपक्षी गठबंधन की यह बैठक 4राज्यों और केंद्र शासित प्रदेश पुडुचेरी में हाल ही में हुए विधानसभा चुनावों के बाद हुई है। यह बैठक ममता बेनर्जी की तृणमूल कांग्रेस के अनुरोध पर बुलाई गई थी, जो पश्चिम बंगाल में 15 साल तक सत्ता में रहने के बाद हार गई थी और अब उन्हें पार्टी के भीतर असंतोष का सामना करना पड़ रहा है।

अन्य दलों ने भी सरकार और पार्टियों पर साधा निशाना

ममता-केजरीवाल के कारण टूटा गठबंधन: झा

जदयू के कार्यकारी अध्यक्ष संजय झा ने गठबंधन के कमजोर होने के लिए अरविंद केजरीवाल और ममता बेनर्जी को जिम्मेदार ठहराने के बाद राजनीतिक बयानबाजी तेज हो गई है। आप ने इस टिप्पणी पर कड़ा पलटवार किया है।

जदयू अपनी पार्टी पर ध्यान दे: भारती

आप नेता सोमनाथ भारती ने कहा कि सझा को विपक्षी दलों की राजनीति पर टिप्पणी करने के बजाय अपनी पार्टी की स्थिति पर ध्यान देना चाहिए। जदयू के भविष्य पर सोचे।

भाईचारे को मजबूत करना जरूरी: यादव

बैठक से पहले सपाप्रमुख अखिलेश यादव ने कहा कि गठबंधन विधानसभा चुनावों पर भी नजर रखे हुए है। लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा के लिए भाईचारे को मजबूत करना जरूरी है।

एसआईआर से भाजपा जीती: ममता

ममता बेनर्जी ने बंगाल विधानसभा चुनाव को लेकर आरोप लगाया कि एसआईआर से भाजपा को फायदा हुआ। चुनाव आयोग ने भाजपा को चुनाव जिताने में मदद की।

केंद्र सरकार ने स्वीकृत की 1700 करोड़ रुपए से अधिक की परियोजनाएं

कृषि एवं ग्रामीण विकास के क्षेत्र में पश्चिम बंगाल को मिली बड़ी सौगात

केंद्रीय कृषि व ग्रामीण विकास मंत्री चौहान से मिले पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री सुवेंदु

हरिभूमि ब्यूरो ⏭ नई दिल्ली

केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण तथा ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान से सोमवार को कृषि भवन, नई दिल्ली में पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री सुवेंदु अधिकारी ने मुलाकात की। बैठक में कृषि एवं ग्रामीण विकास मंत्रालय से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर विस्तृत चर्चा हुई।

चौहान ने बंगाल के ग्रामीण विकास और आधारभूत संरचना को सुदृढ़ बनाने कई महत्वपूर्ण निर्णयों की जानकारी दी। ग्रामीण विकास मंत्रालय ने जून 2026 के लिए महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना (मनरेगा) के तहत बंगाल को 153 लाख मानव-दिवस का श्रम बजट स्वीकृत किया है। यह स्वीकृति राज्य सरकार के अनुरोध तथा योजना के क्रियान्वयन हेतु आवश्यक तैयारियों में हुई प्रगति को ध्यान में रखते हुए प्रदान की गई है। इससे राज्य में पर्याप्त संख्या में कार्य प्रारंभ किए जा सकेंगे तथा रोजगार की मांग करने वाले ग्रामीण परिवारों को समय पर काम उपलब्ध कराया जा सकेगा। इससे पात्र ग्रामीण श्रमिकों को मजदूरी आधारित रोजगार निरंतर मिलता रहेगा।

बैठक में यह भी बताया गया कि 1 जुलाई 2026 से 'विकसित भारत–गारंटी फॉर रोजगार एवं आजीविका मिशन (ग्रामीण)' अधिनियम, 2025 लागू होने जा रहा है। यह नया ढांचा ग्रामीण आजीविका सुरक्षा को मजबूत करने तथा टिकाऊ एवं उत्पादक ग्रामीण परिसंपत्तियों के निर्माण को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। मंत्रालय ने बंगाल सरकार की तैयारियों व प्रयासों की सराहना की।

प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के अंतर्गत बंगाल में अब तक कुल 7,769 सड़कें (40,910 किमी) और 61 पुल स्वीकृत किए जा चुके हैं। इनमें से 7,395 सड़कें (38,970 किमी तथा 54 पुलों का निर्माण पूरा हो चुका है, जबकि 374 सड़कें (1,579 किमी) और 6 पुलों पर कार्य प्रगति पर है।

वर्ष 2026-27 में प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के प्रथम चरण के अंतर्गत केंद्र ने बंगाल के लिए 432 सड़क परियोजनाओं को मंजूरी दी है। इन परियोजनाओं की कुल लंबाई 759.933 किमी है। इन सड़कों से पहली बार 535 असंबद्ध बस्तियों को सड़क संपर्क उपलब्ध होगा। बैठक में प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना को बंगाल में पुनः लागू करने, डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर एवं फार्मर आईडी को शुरू करने पर सहमिति बनी।

ईसी ने दिए नए निर्देश

बीएलओ अब मतदाता सूची में विदेशी घुसपैठियों पर भी नजर रखें

एजेंसी ⏭ नी दिल्ली

वोटर लिस्ट की जांच के दौरान अब संदिग्ध विदेशी घुसपैठियों की पहचान भी की जाएगी। निर्वाचन आयोग ने बूथ लेवल अफसरों (बीएएलओ) को इसके कड़े निर्देश दिए हैं। घर-घर जाकर सर्वे करने के दौरान अगर कोई संदिग्ध विदेशी निवासी मिलता है, तो उसकी जानकारी संबंधित अधिकारियों तक पहुंचाई जाए। आयोग का कहना है कि यह कदम मतदाता सूची को ज्यादा सटीक और अपडेट रखने के लिए उठाया गया है। संदिग्ध विदेशी नागरिकों से जुड़े इन मामलों को नागरिकता अधिनियम के तहत करें। मतदाता सूची के एसआईआर के बीच जमीनी स्तर पर वेरिफिकेशन करने की जिम्मेदारी बीएलओ को सौंपी गई है। इस पूरी प्रक्रिया पर स्वतंत्र रूप से विचार करने के लिए अधिकृत अधिकारियों को जरूरी अधिकार भी दे दिए गए हैं। इसके बाद संबंधित एजेंसियां मामले की जांच करेंगी।

वोटर लिस्ट की सूक्ष्मता से करें पड़ताल

दिल्ली हाईकोर्ट का आदेश

जज को 'मर्डरर' कहने वाले वीडियो व पोस्ट तुरंत हटाओ

अवमानना का मुकदमा चलेगा

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

दिल्ली हाईकोर्ट ने सोमवार को एक सुनवाई में उन सभी वीडियो और सोशल मीडिया पोस्ट को तुरंत हटाने का निर्देश दिया है, जिनमें एक वरिष्ठ हाईकोर्ट जज को साकेत में इमारत ढहने की घटना का जिम्मेदार ठहराते हुए उन्हें मर्डरर कहा गया था। कोर्ट की अवकाश खंडपीठ ने (न्यायमूर्ति नीना बंसल कृष्णा और न्यायमूर्ति मधु जैन) ने कहा कि ऐसे आपत्तिजनक कंटेंट न केवल न्यायपालिका की गरिमा को ठेस पहुंचाते हैं,न्याय व्यवस्था में विश्वास को भी कमजोर करते हैं। बेंच ने संकेत दिया वह संबंधित खातों को ब्लॉक करने के आदेश पर भी विचार कर सकती है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स को ऐसे कंटेंट के खिलाफ सक्रिय रूप से कार्रवाई करनी चाहिए। जस्टिस नीना बंसल कृष्णा ने कहा सोशल मीडिया इतना शक्तिशाली कैसे हो गया? क्या हम इन पर जिम्मेदारी नहीं डाल सकते?

जयपुर में मस्जिद और 2 मंदिरों को किया जमींदोज

जयपुर। जयपुर विकास प्राधिकरण ने नूरानी मस्जिद को जमींदोज कर दिया गया है। 45 साल पुरानी इस मस्जिद को गिराने से पहले सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए थे। प्रशासन ने 3000 पुलिसकर्मियों को तैनात किया। इस पूरे इलाके में 24 घंटे के लिए इंटरनेट बंद कर दिया गया है। मालवीय नगर स्थित मस्जिद को अवैध निर्माण बताकर जयपुर विकास प्राधिकरण ने नोटिस जारी किया था। जहां ये मस्जिद थी, वहां सड़क चौड़ी की जा रही है। मस्जिद के साथ एक मजार, दो छोटे मंदिर और एक सत्संग भवन को भी हटाया गया है।

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

(धारा 82 सीआरपीसी / 84 भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता–2023 देखिए)

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **कृष्ण कुमार पुत्र राज कुमार पताः मकान नं 96, पोकेट 5, सेक्टर–21, रोहिणी, दिल्ली ने प्रथम सूचना रिपोर्ट संख्या 521/2021 धारा 188 भा.द.स. के तहत** थानाः बुराड़ी, दिल्ली के अधीन दंडनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है) और उस पर जारी किए गए गिरफ्तारी के वारंट को यह लिख कर लौटा दिया गया है कि उक्त **कृष्ण कुमार** मिल नहीं रहा है और मुझे समाधान प्रद रूप में दर्शित कर दिया गया है कि उक्त **कृष्ण कुमार** फरार हो गया है (या उक्त वारंट की तामील से बचने के लिए अपने आपको छिपा रहा है)। अतः इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि **प्रथम सूचना रिपोर्ट संख्या 521/2021 धारा 188 भा.द.स. के तहत थाना बुराड़ी, दिल्ली के उक्त कृष्ण कुमार** से अपेक्षा की जाती है कि वे इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **25.07.2026** को या इससे पहले हाजिर हो।

आदेशानुसार
पायल सिंगल
न्यायिक दण्डाधिकारी प्रथम श्रेणी–09
(केंद्रीय जिला) कमरा नं. 286,
तीस हजारी कोर्ट, दिल्ली

DP/7534/N/2026

केरल सबसे ज्यादा संक्रामक रोगों से प्रभावित राज्य बन रहा

लेप्टोस्पायरोसिस, ब्रेन-ईटिंग अमीबा, हेपेटाइटिस-ए और निपाह के बाद शिगेला संक्रमण का खतरा बढ़ा

एजेंसी ⏭ तिरुवनंतपुरम

केरल बीते कुछ वर्षों में देश का सबसे ज्यादा संक्रामक रोगों से प्रभावित राज्य रहा है, ये कहना अब गलत नहीं है। लेप्टोस्पायरोसिस रोग या फिर ब्रेन-ईटिंग अमीबा संक्रमण का खतरा, हेपेटाइटिस-ए इंफेक्शन हों या निपाह के मामले, ये सभी स्वास्थ्य सेवाओं के लिए लगातार चिंता बढ़ाते रहे हैं। अब केरल में एक नई मुसीबत सिर उठाती दिख रही है। स्थानीय मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक केरल में शिगेला संक्रमण का खतरा देखा जा रहा है, इससे संक्रमित एक 4 वर्षीय बच्चे की मौत भी हो गई है। अब तक शिगेला संक्रमण के 126 मामले सामने आए हैं।

126 संक्रमित और एक बच्चे की मौत से दहशत

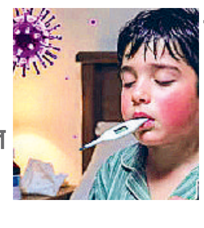

लोगों को सलाह दी

स्वास्थ्य अधिकारियों ने लोगों को सलाह दी है कि वे केवल उबला हुआ और ठंडा पानी ही पिएं, साफ-सफाई का ध्यान रखें और दूषित स्रोतों का पानी न पिएं।

निगरानी और बचाव के उपाय तेज किए

स्वास्थ्य मंत्री के. मुरलीधरन ने बताया कि राज्य में शिगेला संक्रमण के अब तक 126 मामले सामने आए हैं, स्वास्थ्य अधिकारियों ने निगरानी और बचाव के उपाय तेज कर दिए हैं। शिगेला संक्रमण की पुष्टि होने के बाद तीन बच्चों को कोझिकोड मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती कराया गया था। इनमें से दो बच्चे ठीक होकर घर चले गए, लेकिन थलाकुलथुर की रहने वाली नीला की शनिवार को इलाज के दौरान मौत हो गई।

हरियाणा सरकार — निविदा सूचना

क्र. सं.	विभाग का नाम	कार्य सूचना निविदा का नाम	खुलने की तिथि / बंद होने की तिथि	राशि/ईएमडी (लगभग) रु. में	विभाग की वेबसाइट	नोडल अधिकारी / सम्पर्क विवरण/ई-मेल
1	लोनिवि भ व प रोहतक	जीन्द में लघु सचिवालय में स्थापित 4 अदद जॉनसन मेक लिफ्ट्स को बदलना + 4 कार्य।	04.06.2026 11.06.2026	112.27 लाख	https://etenders.hry.nic.in	9034929655 pwd-eeed-rohtak@hry.nic.in
2	लोनिवि भ व प गुरूग्राम	गुरूग्राम में स्वर्ण जयंती राजकीय लोनिवि विश्राम गृह में 100 फीट राष्ट्रीय ध्वज मास्ट पोल का प्रावधान और खड़ा करना।	बंद होने की तिथि 11.06.2026	4.62 लाख	https://etenders.hry.nic.in	1242322424 pwd-eepd1-gurgaon@hry.nic.in
3	लोनिवि भ व प हिसार	पुराना नागरिक हस्पताल जिला फतेहाबाद में वैद्युत सेवाओं की विशेष मरम्मत (एलटी वितरण पैनल सहित सम्बद्ध कार्य का प्रावधान केवल)।	04.06.2026 10.06.2026	25.88 लाख	https://etenders.hry.nic.in	1662225651 pwd-eeed-hissar@hry.nic.in
4	सिंचाई एवं जल संसाधन विभाग हरियाणा, भिवानी	सिवानी जल सेवाएं यांत्रिकी उपमंडल, तोशाम में सिवानी कैनाल की 10 अदद 150 एचपी मोटरों की रिवाइंडिंग।	05.06.2026 15.06.2026	8.09 लाख	https://etenders.hry.nic.in	9812364411 xenmechbhiwani@gmail.com
5	सिंचाई एवं जल संसाधन विभाग हरियाणा, करनाल	एमआईटीसी कॉलोनी आहिल्या बाई मार्ग करनाल में क्वार्टर नं. 3 की मरम्मत + 3 कार्य।	04.06.2026 11.06.2026	12.11 लाख	https://etenders.hry.nic.in	0184-2255291 knldivn335@gmail.com
6	सिंचाई एवं जल संसाधन विभाग हरियाणा, रोहतक	वर्ष 2026 हेतु आरडी 0 से 6350 तक करौंथा सब माइनर की आंतरिक सफाई + 7 कार्य।	बंद होने की तिथि 11.06.2026	49.37 लाख	https://etenders.hry.nic.in	9464040970 xensampla@gmail.com
7	सिंचाई एवं जल संसाधन विभाग हरियाणा, भिवानी	वर्ष 2026–27 हेतु लिफ्ट जल सेवाएं (यांत्रिकी) मंडल, भिवानी में निगाना फीडर के आरडी 8350-एल पर आउटफॉल और गांव घुसकानी के खेत क्षेत्र से बाढ़ बचाव कार्य के लिए विभिन्न इलैक्ट्रोमैकेनिकल उपकरण जैसे 3 अदद 5 सीएस. वीटी पम्प, विद्युत मोटर्स, स्टार्टर पैनल और अन्य सम्बद्ध सामग्री की आपूर्ति, स्थापना और प्रचालन हेतु आकलन + 2 अन्य कार्य।	बंद होने की तिथि 22.06.2026	176.50 लाख	https://etenders.hry.nic.in	9812364411 xenmechbhiwani@gmail.com
8	जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी मंडी डबवाली	कार्य का नाम : ''मण्डी डबवाली कस्बे में सभी प्रकार से पूर्ण 3 वर्ष की अवधि के लिए एक अदद ग्रैबिंग मशीन और 2000 लीटर क्षमता की जेट्टिंग मशीन, 10000 लीटर क्षमता की 1 अदद जेट्टिंग कम सक्शन मशीन, राइजिंग मेन समेत शिव नगर में 1 अदद आईपीएस के प्रचालन और रखरखाव हेतु डीएनआईटी'' सीएच टू :- ''सीवरेज योजना मण्डी डबवाली कस्बे हेतु वार्षिक रखरखाव आकलन + 1 कार्य।''	05.06.2026 25.06.2026	244.95 लाख	https://etenders.hry.nic.in	8730000001 ee.mandidabwali@gmail.com
9	पंचायती राज नारनौल	सागरपुर ब्लॉक सिहमा – सामुदायिक केन्द्र का निर्माण + 3 कार्य।	03.06.2026 10.06.2026	187.98 लाख	https://etenders.hry.nic.in	9017179090 prexeeng.nrl@gmail.com

अधिक जानकारी हेतु कृपया पधारें : www.etenders.hry.nic.in

पीआरडीएच–11/2027/180/46011/I/88/7 दि. 08.06.26

खबर संक्षेप

टीसीएस ने कनाडा लाइफ से हासिल किया अनुबंध

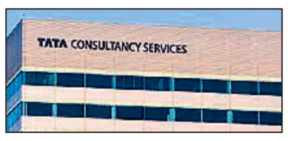

नई दिल्ली। सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) सेवा प्रदाता कंपनी टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) ने वैश्विक जीवन और पेंशन बीमा कंपनी कनाडा लाइफ से यूरोप भर में उसके आईटी बुनियादी ढांचे के आधुनिकीकरण के लिए कई लाख यूरो का सौदा हासिल किया है। कंपनी ने इस अनुबंध के वित्तीय मूल्य का खुलासा नहीं किया है।

देश का निर्यात अप्रैल-मई में 15 प्रतिशत बढ़ा

नई दिल्ली। देश के माल निर्यात में वैश्विक आर्थिक अनिश्चितताओं के बावजूद अप्रैल-मई में करीब 15 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है। एक वरिष्ठ सरकारी अधिकारी ने सोमवार को यह जानकारी दी। वाणिज्य मंत्रालय मई महीने के व्यापार आंकड़े 15 जून को जारी करेगा। अधिकारी ने कहा, 'इन दो महीनों के दौरान निर्यात 15 प्रतिशत बढ़ा है।'

रुपया 56 पैसे टूटकर 95.74 प्रति डॉलर पर

मुंबई। रुपया सोमवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 56 पैसे कमजोर होकर 95.74 पर बंद हुआ। पश्चिम एशिया में तनाव बढ़ने और कच्चे तेल की ऊंची कीमतों के बीच निवेशकों के जोखिम न लेने की धारणा के कारण घरेलू मुद्रा में यह गिरावट आई। जोखिम से बचने की प्रवृत्ति के कारण डॉलर-रुपय जोड़ी ने पिछले कारोबार की बढ़त को गंवा दिया।

मुझे तो यह भी नहीं पता एलआईसी का दफ्तर कहां है : राजेश मेहता

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

राजेश एक्सपोर्ट्स के चेयरमैन राजेश मेहता ने भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) के निवेश निर्णयों से खुद को अलग कर लिया है। उन्होंने कहा कि स्थिति चाहे जो भी हो, आम खुदरा शेयरधारकों को लाभ ही होगा।

■ कहा, खुदरा शेयरधारकों को लाभ ही होगा

कंपनी पर नियामकीय दबाव और समस्याओं में घिरी स्वर्ण आभूषण कंपनी में एलआईसी के निवेश को लेकर चिंताओं के बीच उन्होंने यह बात कही। मेहता ने बातचीत में कहा, 'एलआईसी ने ये शेयर कल या पिछले साल नहीं खरीदे हैं। एलआईसी की ये खरीदारी लगभग 20 वर्षों की अवधि में हुई है। एलआईसी ने ये शेयर खुले बाजार से, शेयर बाजार से खरीदे हैं। वर्तमान में, एलआईसी की राजेश एक्सपोर्ट्स में 10.80 प्रतिशत हिस्सेदारी है।

राजेश एक्सपोर्ट्स के चेयरमैन ने खुद को एलआईसी के निवेश निर्णयों से अलग किया

एलआईसी से हमारा कोई संबंध व संपर्क नहीं

मेहता ने कहा कि कंपनी का एलआईसी के निवेश निर्णयों से कोई संबंध नहीं है और न ही उसे इसकी कोई जानकारी है। उन्होंने कहा, 'हमें तो यह भी नहीं पता कि एलआईसी का कार्यालय कहां है। हमारा उनसे कोई संपर्क नहीं है, कोई संबंध नहीं है। द्वितीयक बाजार के माध्यम से शेयर खरीदने का यह निर्णय उनका अपना सूझ-बूझ से लिया गया व्यावसायिक निर्णय है।'

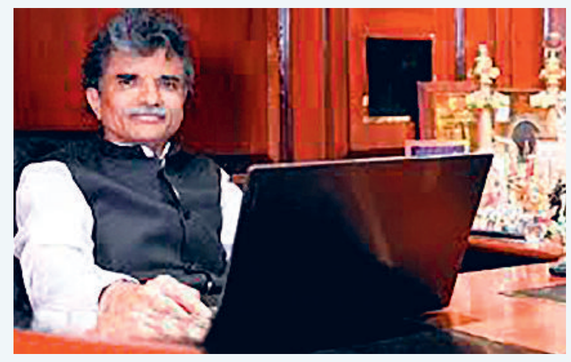

एलआईसी को नुकसान हुआ तो एवज में लाभ किसे हुआ

मेहता ने कहा, ''अगर एलआईसी को नुकसान हुआ भी है, तो इसके एवज में लाभ किसे हुआ है? अगर किसी को नुकसान होता है, तो किसी को लाभ भी होता है। लाभ किसे हुआ है? यह आम भारतीय जनता है।'' उन्होंने कहा, ''एलआईसी ने आम भारतीय जनता से शेयर लिए हैं, जिन्हें इसका फायदा हुआ है। इसमें गलत क्या है? क्या इसके खिलाफ बोलने वाले लोग आम भारतीय जनता के फायदे के खिलाफ बोल रहे हैं?

किसी भी प्रवर्तक ने एलआईसी को अपने शेयर नहीं बेचे

मेहता ने स्पष्ट रूप से कहा कि एलआईसी द्वारा शेयरों के अधिग्रहण में न तो उनकी और न ही अन्य प्रवर्तकों की कोई भूमिका थी। उन्होंने कहा, 'किसी भी प्रवर्तक ने कभी भी अपने शेयर एलआईसी को नहीं बेचे हैं। कंपनी ने कभी भी एलआईसी को कोई शेयर जारी नहीं किए हैं। एलआईसी द्वारा शेयरों की खरीद से कंपनी या प्रवर्तकों को किसी भी तरह का लाभ नहीं हुआ है।'

वाहन डीलर संघों के महासंघ फाडा ने दी जानकारी

देश में इलेक्ट्रिक वाहनों की हिस्सेदारी पहली बार 11 प्रतिशत से अधिक, मई में रिकॉर्ड खुदरा बिक्री

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

पहली बार खुदरा बिक्री बढ़कर 25,31,067 इकाइयां पहुंची

ईंधन की कीमतों में बढ़ोतरी के बाद हरित वाहनों में रुचि बढ़ी

देश में वाहनों की कुल खुदरा बिक्री 9.55 प्रतिशत बढ़ी

देश में वाहनों की कुल खुदरा बिक्री मई में 9.55 प्रतिशत बढ़कर रिकॉर्ड 25,31,067 इकाइयों पर पहुंच गई, जबकि पहली बार इलेक्ट्रिक वाहनों (ईवी) की हिस्सेदारी 11 प्रतिशत के पार चली गई। पश्चिम एशिया संकट के बीच पिछले महीने ईंधन कीमतों में बढ़ोतरी के बाद ईंधन-किफायती और हरित वाहनों में रुचि बढ़ना इसकी मुख्य वजह रही।

उद्योग निकाय फाडा ने सोमवार को यह जानकारी दी। वाहन डीलर संघों के महासंघ (फाडा) के अनुसार, देश में मोटर वाहनों की कुल खुदरा बिक्री मई में सालाना आधार पर 9.55 प्रतिशत बढ़कर रिकॉर्ड 25,31,067 इकाई रही। उद्योग निकाय अनुसार, ये आंकड़े मई में वाणिज्यिक वाहनों (सीवी), यात्री वाहनों (पीवी) और इलेक्ट्रिक वाहनों (ईवी) की सर्वश्रेष्ठ बिक्री को दर्शाते हैं।

मई में ईंधन की कीमतें बढ़ी

फाडा के अनुसार, 'मई में ईंधन कीमतों में बढ़ोतरी के बाद उपभोक्ताओं की प्रतिक्रिया उल्लेखनीय रही। डीलरों ने ईंधन-किफायती और वैकल्पिक पावरट्रेन विकल्पों के बारे में जानकारी हासिल करने के मामलों में वृद्धि की सूचना दी जिसका असर दोपहिया ईवी हिस्सेदारी के 6.11 प्रतिशत से बढ़कर 9.25 प्रतिशत होने में दिखा।'

तिपहिया वाहनों की बिक्री बढ़ी

उद्योग निकाय फाडा के अनुसार, तिपहिया वाहनों की बिक्री पिछले महीने 1,11,526 इकाई रही, जो मई, 2025 की 1,07,688 इकाइयों से 3.56 प्रतिशत अधिक है। वाणिज्यिक वाहनों की बिक्री भी 5.29 प्रतिशत बढ़कर पिछले महीने रिकॉर्ड 83,823 इकाइयों पर पहुंच गई जो मई, 2025 में 79,614 इकाई थी। फाडा ने कहा, '' जून, 2026 के लिए समग्र परिदृश्य संतुलित लेकिन सतर्क रूप से आशावादी दिख रहा है।

मई में कई कारक प्रभावी रहे

फाडा के अध्यक्ष सी. एस. विग्नेश्वर ने कहा, '' जैसा कि हमने अप्रैल, 2026 की रिपोर्ट में अनुमान लगाया था..अत्यधिक गर्मी, ईंधन कीमतों का दबाव और पश्चिम एशिया की स्थिति जैसे कारक मई में प्रभावी रहे। फिर भी भारतीय मोटर वाहन खुदरा बाजार ने अपनी वृद्धि बनाए रखी। मई, 2026 में तिपहिया, यात्री वाहन, ट्रैक्टर और कुल पंजीकरण में अब तक का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन दर्ज किया गया।''

यात्री वाहन व ट्रैक्टर का प्रदर्शन श्रेष्ठ रहा : विग्नेश्वर ने बताया कि मई में कुल 25,31,067 इकाइयों की बिक्री हुई, जो सालाना आधार पर 9.55 प्रतिशत की वृद्धि है।

मांग की उम्मीदें मानसून की प्रगति पर निर्भर

फाडा ने कहा कि चार जून को केरल में दक्षिण-पश्चिम मानसून की शुरुआत और उसके उत्तर की ओर बढ़ने के साथ मांग की उम्मीदें मानसून की प्रगति, खरीफ बुवाई की तैयारी और शादी के मौसम के प्रभाव पर आधारित हैं। साथ ही, केंद्रीय बैंक के जून समीक्षा में नीतिगत रेपो दर 5.25 प्रतिशत पर स्थिर रखने से वित्तपोषण का माहौल भी सहायक बना हुआ है।

ईंधन की ऊंची कीमतें बाजार में बन सकती है बाधा

दोपहिया खंड में ग्रामीण नकदी प्रवाह में सुधार और ईवी विकल्पों की ओर बढ़ती रुचि से मांग को समर्थन मिलने की उम्मीद है। हालांकि, गर्मी और ईंधन की ऊंची कीमतें कुछ बाजारों में बाधा बनी रह सकती हैं। फाडा ने कहा, '' कुल मिलाकर अगले तीन महीने सतर्क रूप से आशावादी नजर आते हैं।

कच्चे तेल के दाम चढ़ने से शेयर बाजार में गिरावट सेंसेक्स 719 अंक टूटा

एजेंसी ▶▶| मुंबई

■ निवेशकों को लगी 6 .31 लाख करोड़ रुपये की चपत

■ दुनिया के अन्य प्रमुख बाजारों में भी नरमी रही

■ विदेशी पूंजी निकासी और डॉलर के मुकाबले रुपये में गिरावट दर्ज

स्थानीय शेयर बाजारों में सोमवार को लगातार दूसरे कारोबारी सत्र में गिरावट जारी रही और दोनों मानक सूचकांक...बीएसई सेंसेक्स और एनएसई निफ्टी नुकसान में रहे, जिससे निवेशकों को 6.31 लाख करोड़ रुपए का नुकसान हुआ।

दुनिया के अन्य प्रमुख शेयर बाजारों में नरमी तथा कच्चे तेल के दाम में फिर से तेजी से बीएसई सेंसेक्स 719 अंक लुढ़क गया जबकि एनएसई निफ्टी में 244 अंक की गिरावट आई। कारोबारियों के अनुसार, विदेशी पूंजी की निकासी और डॉलर के मुकाबले रुपये की विनिमय दर में गिरावट से भी निवेशकों की धारणा प्रभावित हुई। तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 719.08 अंक टूटकर 73,524.26 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान, यह 924.4 अंक तक लुढ़क गया था। पचास शेयरों पर आधारित निफ्टी 243.70 अंक की गिरावट के साथ 23,123 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान, निफ्टी 296.55 अंक तक लुढ़क गया था। सेंसेक्स के शेयरों में इटर्नल, महिंद्रा एंड महिंद्रा, ट्रेंट, इंटरग्लोब एविएशन, रिलायंस इंडस्ट्रीज और टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज में प्रमुख रूप से गिरावट रहे।

निवेशकों को 6.31 लाख करोड़ रुपये का नुकसान

शेयर बाजार में सोमवार को भारी गिरावट से निवेशकों को 6.31 लाख करोड़ रुपये का नुकसान हुआ। दुनिया के अन्य प्रमुख शेयर बाजारों में नरमी तथा कच्चे तेल के दाम में फिर से तेजी से शेयर बाजार में गिरावट आई। इस गिरावट के साथ बीएसई में सूचीबद्ध कंपनियों का बाजार पूंजीकरण 6,31,440.41 करोड़ रुपये घटकर 4,55,28,758.96 (4,760 अरब डॉलर) रहा।

सूचना

सभी पाठकों से अनुरोध है कि हरिभूमि समाचार-पत्र में प्रकाशित विज्ञापनों (डिस्पले/क्लासीफाईड) में दिए गए तथ्यों/दावों के बारे में अपने विवेक से निर्णय लें और विज्ञापन के दावों की विश्वसनीयता को परखें। हरिभूमि समूह के मुद्रक, प्रकाशक या सम्पादक की विज्ञापनों के तथ्यों से सम्बन्धित कोई जिम्मेवारी नहीं होगी।

सोने का भाव 1,100 रुपये गिरा और चांदी 5,000 रुपये लुढ़की

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

राष्ट्रीय राजधानी में सोमवार को सोने की कीमतों में 1,100 रुपये की गिरावट दर्ज की गई और यह 1,58,800 रुपये प्रति 10 ग्राम पर आ गया। वैश्विक बाजारों में कमजोरी, कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों और महंगाई को लेकर बढ़ती चिंताओं के बीच यह गिरावट आई। स्थानीय सराफा कारोबारियों ने कहा कि 99.9 प्रतिशत शुद्धता वाला सोना शुक्रवार के बंद भाव 1,59,900 रुपये प्रति 10 ग्राम से 1,100 रुपये घटकर 1,58,800 रुपये प्रति 10 ग्राम (सभी कर सहित) रह गया। इसी तरह, चांदी की कीमतों में भी दबाव देखने को मिला। चांदी का भाव 5,000 रुपये टूटकर 2,55,700 रुपये प्रति किलोग्राम (सभी कर सहित) पर आ गया। पिछले सत्र में इसका बंद भाव 2,60,700 रुपये प्रति किलोग्राम था।

विश्लेषकों के मुताबिक, कीमती धातुओं में यह गिरावट हाल में देखी जा रही कमजोरी का ही विस्तार है। निवेशक अब सुरक्षित निवेश के बजाय बढ़ती ऊर्जा कीमतों से महंगाई पर पड़ने वाले असर पर कहीं अधिक ध्यान दे रहे हैं। लेमन मार्केट्स डेस्क के शोध विश्लेषक गौरव गर्ग ने कहा, /"अमेरिका में उम्मीद से बेहतर आर्थिक आंकड़े आने से महंगाई और ब्याज दरों को लेकर चिंता बढ़ गई है। इस वजह से सोना और चांदी जैसे सुरक्षित निवेश विकल्पों को लेकर आकर्षण कम हुआ है।/" गर्ग ने कहा कि पश्चिम एशिया, खासकर इजराइल से जुड़ी हाल की घटनाओं ने भी बाजार में अस्थिरता बढ़ाई है, जिससे निवेशकों की धारणा प्रभावित हुई है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में हाजिर सोना करीब एक प्रतिशत गिरकर 4,291.79 डॉलर प्रति औंस पर आ गया, जबकि चांदी 1.34 प्रतिशत घटकर 66.93 डॉलर प्रति औंस रही।

हवाई टिकट महंगा होने से लोग कर सकते हैं यात्रा से परहेज

■ आईएटीए के मुख्य अर्थशास्त्री थॉमसन ने कहा

एजेंसी ▶▶| रियो डी जेनेरियो

अंतरराष्ट्रीय हवाई परिवहन संघ (आईएटीए) की मुख्य अर्थशास्त्री और वरिष्ठ उपाध्यक्ष मैरी ओवेन्स थॉमसन ने कहा है कि हवाई यात्रा के बढ़ते किराये लोगों को विमान यात्रा करने से वंचित कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि एयरलाइंस किराये में इस हद तक बढ़ोतरी करने की कोशिश करेंगी कि वे लागत की भरपाई कर सकें। लेकिन इसका कुछ लोगों पर प्रतिकूल असर हो सकता है और वे हवाई यात्रा करने से परहेज करेंगे क्योंकि कीमतों में अंतर से उनके विकल्पों पर असर पड़ेगा। यह टिप्पणी ऐसे समय में आई है जब एयरलाइन कंपनियां पश्चिम एशिया संकट से तेल कीमतों में आई तेजी से हुए नुकसान की भरपाई के लिए हवाई किराये में बढ़ोतरी कर रही हैं। एक अनुमान के अनुसार, 2026 में विमान ईंधन की कीमतें पिछले साल की तुलना में 70 प्रतिशत अधिक होंगी। अंतरराष्ट्रीय हवाई परिवहन संघ 370 से अधिक एयरलाइंस का प्रतिनिधित्व करता है।

राशिफल

मेष वस्त्रों के प्रति रुझान बढ़ सकता है। रहन-सहन अव्यवस्थित रहेगा। किसी मित्र के सहयोग से कारोबार में लाभ के अवसर बढ़ेंगे।

वृष आशा-निराशा के भाव रहेंगे। व्यर्थ के क्रोध एवं वाद-विवाद से बचें। परिश्रम भी अधिक रहेगा। लाभ के अवसर मिलेंगे। स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

मिथुन आत्मविश्वास तो बहुत रहेगा, परन्तु मन परेशान हो सकता है। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। खर्चों की अधिकता रहेगी। सुस्वादु खानपान में रुचि रहेगी।

कर्क मन में उतार-चढ़ाव रहेगा। धर्म के प्रति श्रद्धाभाव रहेगा। कारोबार में कठिनाइयां आ सकती हैं। सचेत रहें। कारोबार में परिश्रम भी अधिक रहेगा।

सिंह आत्मविश्वास से परिपूर्ण रहेंगे, परन्तु आत्मसंयत भी रहें। धैर्यशीलता बनाये रखने के प्रयास करें। धार्मिक संगीत में रुचि बढ़ सकती है। स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

कन्या पठन-पाठन में रुचि रहेगी। शैक्षिक कार्यों के लिए विदेश जा सकते हैं। लेखनादि-बौद्धिक कार्यों में मान-सम्मान की प्राप्ति होगी।

तुला आत्मविश्वास तो भरपूर रहेगा, परन्तु धैर्यशीलता में कमी हो सकती है। कारोबार में वृद्धि होगी। शैक्षिक कार्यों के लिए किसी दूसरे स्थान पर जा सकते हैं।

वृश्चिक मन में उतार-चढ़ाव रहेंगे। शैक्षिक कार्यों के सुखद परिणाम मिलेंगे। शासन-सत्ता का सहयोग मिलेगा। कार्यक्षेत्र में सफलता के योग हैं।

धनु व्यर्थ के क्रोध एवं वाद-विवाद से बचें। नौकरी में अफसरों से सदभाव बनाकर रखें। जीवनसाथी से मतभेद हो सकते हैं।

मकर मन प्रसन्न तो रहेगा, परन्तु धैर्यशीलता बनाये रखने के प्रयास करें। नौकरी में अफसरों का सहयोग तो मिलेगा, परन्तु स्थान परिवर्तन भी हो सकता है।

कुंभ स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। चिकित्सीय खर्च बढ़ सकते हैं। कारोबार में परिश्रम अधिक रहेगा। कुछ कठिनाइयां भी आ सकती है।

मीन शैक्षिक कार्यों में मन लगेगा। खर्चों की अधिकता रहेगी। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। रहन-सहन अव्यवस्थित रहेगा।

डीएचआर में अब तक का सर्वाधिक मासिक राजस्व

मालीगांव। पूर्वोत्तर सीमांत रेलवे के अधीन यूनेस्को विश्व धरोहर पर्वतीय रेलवे- दार्जिलिंग हिमालयन रेलवे (डीएचआर) ने अपनी सेवा के शुरुआत के बाद से एक महीने में अब तक का सर्वाधिक आय कर ऐतिहासिक रिकॉर्ड स्थापित किया है। मई 2026 में, डीएचआर ने 395.60 लाख रुपये की अभूतपूर्व आय हासिल की, जो मई 2025 में हासिल किए गए रिकॉर्ड 358.60 लाख रुपये आय से अधिक है। यह उपलब्धि देश-विदेश के पर्यटकों और रेलवे के शौकीनों के बीच इस हेरिटेज रेलवे की बढ़ती लोकप्रियता को दर्शाती है। पर्यटकों के लिए सबसे व्यस्त मौसम में यात्रियों की भारी संख्या के कारण रिकॉर्ड-तोड़ आय हुई है। यह आय खास तौर पर मशहूर हेरिटेज जॉय राइड्स और दार्जिलिंग की खूबसूरत पहाड़ियों में चलने वाली नियमित पैसेंजर सर्विस से हुई। बढ़ती मांग दुनिया भर में रेलवे की इस मशहूर छोटी लाइन के प्रति लोगों के निरंतर बढ़ते आकर्षण और यात्रियों की सुविधाओं को बेहतर बनाने व हेरिटेज टूरिज़्म को बढ़ावा देने में पूर्वोत्तर सीमांत रेलवे की उपलब्धि को प्रदर्शित करती है। पिछले पाँच वर्षों में मई माह में आय का ग्राफ डीएचआर की ज़बरदस्त ग्रोथ को दिखाता है। वर्ष 2022 में रुपये 319.64 लाख, 2023 में रुपये 358.18 लाख, 2024 में रुपये 288.58 लाख, 2025 में रुपये 358.60 लाख और इस बार 2026 में रिकॉर्ड रुपये 395.60 लाख रही।

कोलकाता मेट्रो नेटवर्क के आधुनिकीकरण के लिए 60 नई पीढ़ी के मेट्रो रेक शामिल होंगे

नई दिल्ली। राज्य सचिवालय नबन्ना में आयोजित एक बैठक में, केंद्रीय रेल मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव ने अगले चार-पांच वर्षों में कोलकाता मेट्रो नेटवर्क के आधुनिकीकरण के लिए 60 नई पीढ़ी के मेट्रो रेक शामिल करने की घोषणा की। उन्होंने कोलकाता मेट्रो के तीव्र विस्तार पर प्रकाश डालते हुए कहा कि पिछले 40 वर्षों में केवल 27 किमी लाइनों की तुलना में 11 वर्षों में 45 किमी लाइनें जोड़ी गई हैं। पश्चिम बंगाल के डंकुनी से गुजरात के सूरत तक प्रस्तावित पूर्व-पश्चिम समर्पित ग्रीनफील्ड फ्रेट कॉरिडोर पर प्रकाश डालते हुए उन्होंने कहा कि 2,052 किलोमीटर लंबा यह मार्ग भारत के पूर्वी और पश्चिमी औद्योगिक केंद्रों के बीच रसद और व्यापार दक्षता को बढ़ावा देने के लिए बनाया गया है। मंत्री ने आगे कहा कि पश्चिम बंगाल को रेलवे के लिए रिकॉर्ड 14,205 करोड़ रुपये का बजट आवंटित किया गया है, जिससे आने वाले दिनों में यात्री और रसद सेवाओं को बढ़ावा मिलेगा। पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री श्री सुवेंदु अधिकारी ने चिंगरीघाटा वायडक्ट के 34 मीटर लंबे मेट्रो पिलर गैप के निर्माण कार्य को तेजी से पूरा किए जाने की सराहना की। उन्होंने बताया कि यह कार्य 48 घंटों के भीतर पूरा हो गया।

अभियुक्त की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा 82 CrPC/84 BNSS देखिए

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **राहुल पुत्र मान सिंह निवासी ए-48, दिलीप एन्क्लेव, मुबारकपुर, डबास, दिल्ली** ने **FIR No. 265/2016 U/S 380/34 IPC, अन्तर्गत थाना अमन विहार, दिल्ली** के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है) और उस पर जारी किये गए गिरफ्तारी के वारंट को यह लिखकर लौटा दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **राहुल** मिल नहीं रहा है और मुझे समाधानप्रद रूप में दर्शित कर दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **राहुल** फरार हो गया है (या उक्त वारंट के तामील से बचने के लिये खुद को छिपा रहा है)।

अतः इसके द्वारा उदघोषणा की जाती है कि **FIR No. 265/2016 U/S 380/34 IPC, अन्तर्गत थाना अमन विहार, दिल्ली** के उक्त अभियुक्त **राहुल** से अपेक्षा की जाती है कि वह इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **31.07.2026** को **सुबह 10:00 बजे** या इससे पहले हाजिर हो।

आदेशानुसार,
सुश्री शगुन
न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी
उत्तर-पश्चिम, न्यायालय नंबर 109, प्रथम तल
रोहिणी न्यायालय, दिल्ली

DP/7049/RD/2026(Court Matter)

शब्द पहेली - 6251

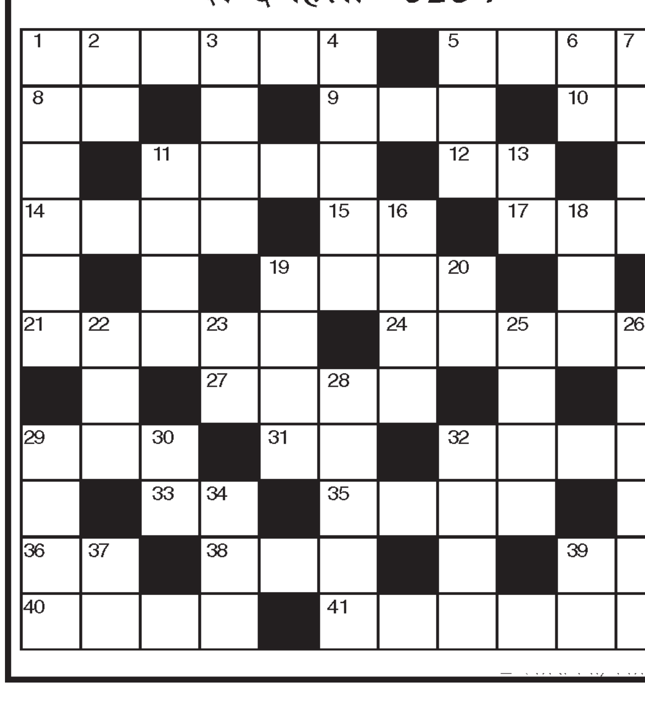

बाएँ से दाए
1. अत्यावश्यक-6
5. कारागार, जेल-4
8. पानी, नीर-2
9. मीन, मत्स्य-3
10. लक्ष्मी, कमला-2
11. कलाकार, फनकार-4
12. मर्द, मादा का विलोम-2
14. हसरत, मुराद-4
15. कैद में, अवरुद्ध, रुका-2
17. भूमि, धरती-3
19. मतवासा, मदहोश-4
21. फिल्मी दुनिया-3,3
24. दुर्भाग्यशाली-5
27. ठोकर लगना, भिड़ना-4
29. दौंडी पीटना-3
31. सांप, सर्प-2
32. दाल-4
33. हूर, अप्सरा-2
35. गाड़ी चलाने वाला-4
36. पिता का छोटा भाई-2
38. पुत्र, बेटा-3
39. टौंटी, नलका-2
40. ललचाना, तड़फाना-4
41. टाऊन हाल, नागरिक भवन-2,4

ऊपर से नीचे
1. ईश्वर, अनश्वर-3,3
2. तेलहन-2
3. सुखद वस्तु, वर देना-4
4. करधनी, कमर पेटी-5
5. गलीचा-3
6. दिन-2
7. समस्या का हल-4
11. धरोहर, थाती-4
13. मिट्टी, धूल-2
16. चमकना-4
18. वायुसेना का एक विमान-3
19. इतराना-4
20. परत-2
22. जाप करना-3
23. किवाड़, द्वार-2
25. उदाहरणतः-4
26. परवरिश-3,3
28. राग छेड़ना-5
29. भेंट, मेल-मिलाप-4
30. दिया, दीपक-2
32. औषधालय, दवाखाना-4
34. खाली होना-3
37. छोटी सवारी गाड़ी-2
39. नया, नवीन-2

शब्द पहेली - 6250 का हल

	बि	रा	द	री		ज	य	मा	ला	
बि	ल		श		का	य	म		श	ब
रा		म	ह	क	ना		ज	रा		र्त
द	र	द	रा			सा		ग	रि	मा
र		हो		ब	सु	ध	र		या	न
	कु	श	ल		दा		जा	य	ज	
मि	ली		क	रा	मा	त		म		अ
ला	न	त		त			प	रा	धी	न
ब		ल	ता		अ	च	र	ज		ब
ट	ब		ली	न	ता		तं		मी	न
	स	ला	म	त		मि	त्र	व	त	

- 11 जून से सजेगा फुटबॉल का सबसे बड़ा रंगमंच, टूटेंगे पुराने रिकॉर्ड
- अमेरिका, मेक्सिको और कनाडा में 39 दिनों तक मचेगा फुटबॉल का घमासान
- 16 स्टेडियम में पहली बार ट्रिपल होस्टिंग का अनोखा रोमांच

फुटबॉल का 'मेगा शो', 3 देश, 48 टीमें और 104 मैच

एजेंसी ▶▶| न्यू जर्सी

अमेरिका, मेक्सिको और कनाडा में 11 जून से शुरू होने वाला फुटबॉल विश्व कप अब तक का सबसे बड़ा विश्व कप होगा, जिसमें पहली बार 48 टीम भाग लेंगी और इसमें 104 मैच खेले जाएंगे।

यह टूर्नामेंट 39 दिन तक चलेगा और इसे 16 स्टेडियम में खेला जाएगा। इससे पहले विश्व कप में 32 टीम भाग लेती थी और यह पहला अवसर है जबकि इस टूर्नामेंट में 48 टीम शामिल हैं। इससे पहले विश्व कप में टीमों की संख्या 1998 में बढ़ाई गई थी। इसके अलावा यह पहला अवसर है जबकि तीन देश मिलकर विश्व कप का आयोजन कर रहे हैं। इससे पहले 2002 में जापान और दक्षिण कोरिया ने संयुक्त रूप से विश्व कप की मेजबानी की थी।

अमेरिका में खेला जाएगा फाइनल

विश्व कप अमेरिका के 11, मेक्सिको के 3 और कनाडा के 2 स्थलों पर खेला जाएगा। मेक्सिको 13 मैचों की मेजबानी करेगा, जिनमें 11 जून को मेक्सिको सिटी में मेजबान टीम और दक्षिण अफ्रीका के बीच होने वाला उद्घाटन मैच और नॉकआउट दौर के तीन मैच शामिल हैं। कनाडा में भी कुल 13 मैच होंगे, जिनमें से पहला मैच मेजबान टीम और बोस्निया-हर्जेगोविना के बीच 12 जून को टोरंटो में होगा। कनाडा में तीन नॉकआउट मैच भी खेले जाएंगे। बाकी 78 मैच अमेरिका में खेले जाएंगे। अमेरिका में पहला मैच 12 जून को लॉस एंजिलिस में अमेरिका और पराग्वे के बीच खेला जाएगा। अमेरिका में क्वार्टर फाइनल, सेमीफाइनल और फाइनल खेले जाएंगे।

विश्व कप से जुड़े महत्वपूर्ण आंकड़े

रिकॉर्ड 1,248 खिलाड़ी होंगे शामिल

48 टीम में रिकॉर्ड 1,248 खिलाड़ी शामिल हैं, जो 71 देशों के 449 घरेलू क्लबों से आए हैं। इनमें 357 खिलाड़ी विश्व कप में पहले खेल चुके हैं, जबकि 891 खिलाड़ी पहली बार इस टूर्नामेंट में भाग लेंगे। इंग्लैंड के क्लबों में खेलने वाले सर्वाधिक 200 खिलाड़ी विश्व कप में अपना जलवा दिखाएंगे। इसके बाद जर्मनी (109)), फ्रांस (86), स्पेन (86), इटली (71) और सऊदी अरब (49) का स्थान आता है। प्रीमियर लीग की टीम मैनचेस्टर सिटी के सर्वाधिक 19 खिलाड़ी विश्व कप में भाग लेंगे। उसके बाद बायर्न म्यूनिख (18), चैंपियंस लीग के फाइनलिस्ट पेरिस सेंट-जर्मन और आर्सेनल (16) और बार्सिलोना ((15) का नंबर आता है।

केवल आठ देशों ने जीता विश्व कप

केवल आठ देशों ने विश्व कप जीता है, जिनमें से छह टीमों ने एक से अधिक खिताब जीते हैं। ब्राजील पांच खिताब के साथ सबसे आगे है। केवल दो देशों ने ही लगातार दूसरी बार चैंपियन बनने का गौरव हासिल किया है। पेले के नेतृत्व में ब्राजील ने 1958 और 1962 में खिताब जीता था, जबकि इटली ने 1934 और 1938 में खिताब अपने नाम किया था।

23वीं बार ब्राजील लेगा हिस्सा

ब्राज़ील एकमात्र ऐसा देश है जिसने 1930 में उरुग्वे में शुरू हुए विश्व कप से लेकर अब तक सभी विश्व कप में भाग लिया है। ब्राज़ील 76 जीत, 237 गोल और 129-0 के गोल अंतर के साथ सभी देशों में सबसे आगे है। पहले 22 विश्व कप में 964 मैचों में 2,720 गोल किए गए हैं।

खिलाड़ियों में 25 साल का अंतर

सबसे उम्रदराज खिलाड़ी और सबसे कम उम्र के खिलाड़ी के बीच 25 साल से अधिक का अंतर है। स्कॉटलैंड के गोलकीपर क्रेग गॉर्डन टूर्नामेंट के पहले दिन 43 साल और 162 दिन, जबकि मैक्सिको के गिल्बर्ट मोरा 17 साल और 240 दिन के होंगे।

फ्रांस करेगा लगातार तीसरी बार फाइनल में पहुंचने की कोशिश

फ्रांस लगातार तीन फाइनल में पहुंचने वाला तीसरा देश बनने की कोशिश करेगा। इससे पहले उसने 2018 में खिताब जीता था लेकिन 2022 में वह हार गया था। पश्चिम जर्मनी 1982 और 1986 में फाइनल हार गया था, जिसके बाद उसने 1990 में अर्जेंटीना को हराया था। ब्राजील ने 1994 और 2002 में जीत हासिल की थी, जबकि 1998 में उसे फ्रांस से खिताबी मुकाबले में हार का सामना करना पड़ा था।

रोनाल्डो ने खेले अब तक 226 अंतरराष्ट्रीय मैच

पुर्तगाल के स्टार क्रिस्टियानो रोनाल्डो टूर्नामेंट में भाग लेने वाले सबसे अनुभवी खिलाड़ी हैं। उन्होंने अब तक 226 अंतरराष्ट्रीय मैच खेले हैं। वह अर्जेंटीना के लियोनेल मेस्सी के साथ छह विश्व कप में भाग लेने वाले पहले खिलाड़ी बनने के लिए तैयार हैं। मेस्सी ने अपने करियर में विश्व कप के सबसे अधिक 26 मैच खेले हैं और वह 200 अंतरराष्ट्रीय मैच खेलने वाले तीसरे खिलाड़ी बनने से केवल दो मैच दूर हैं।

टूट सकता है क्लोज का विश्व कप में 16 गोल करने का रिकॉर्ड : जर्मनी के लिए मिरोस्लाव क्लोज़ का विश्व कप में 16 गोल करने का रिकॉर्ड इस बार टूट सकता है। मेस्सी ने विश्व कप में 13 गोल किए हैं और वह क्लोज़, ब्राज़ील के स्टार रोनाल्डो (15) और गेर्ड मुलर (14) से ही पीछे हैं। फ्रांस के किलियन एमबाप्पे भी इस रिकॉर्ड की दौड़ में हैं, जिन्होंने पिछले दो टूर्नामेंट में कुल मिलाकर 12 गोल किए हैं।

खबर संक्षेप

आईजीपीएल क्लासिक : कोचर ने बनाई शीर्ष 10 में जगह

अल जदीदा। भारत के करणदीप कोचर ने अंतिम दिन बोगीमुक्त चार अंडर 68 का स्कोर बनाया, जिससे वह आईजीपीएल भारत क्लासिक गोल्फ टूर्नामेंट में संयुक्त नौवें स्थान पर रहे। यह इस सत्र में तीसरा अवसर है जबकि कोचर ने इस सत्र में किसी टूर्नामेंट के शीर्ष 10 में जगह बनाई। चंडीगढ़ के इस गोल्फर ने अब एशियन टूर ऑर्डर ऑफ मेरिट में 12वां स्थान हासिल कर लिया है। कोचर का कुल स्कोर 11 अंडर रहा, जबकि स्वीडन के चार्ली लिंध ने 18 अंडर के स्कोर के साथ खिताब जीता। भारत के अन्य खिलाड़ियों में गगनजीत भुल्लर और यशस चंद्र छह अंडर के कुल स्कोर के साथ संयुक्त 27वें स्थान पर रहे। राशिद खान, कार्तिक सिंह और सचिन बैसोया संयुक्त 41वें स्थान पर रहे।

तमीम इकबाल बने बीसीबी के अध्यक्ष

ढाका। पूर्व कप्तान तमीम इकबाल को बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) का अध्यक्ष चुना गया है। वह इस पद पर चुने गए सबसे युवा उम्मीदवार हैं। वह चार साल के लिए इस पद पर रहेंगे।

यह 37 वर्षीय पूर्व खिलाड़ी इससे पहले अप्रैल से तदर्थ समिति के प्रमुख के रूप में कार्य कर रहा है। तमीम ने अध्यक्ष चुने जाने के बाद कहा, ' संगठन में बहुत सी कमियां हैं।अगर हम सभी (संवैधानिक सुधार के बारे में) एकमत होते हैं तो हम अगली वार्षिक आम बैठक में उन पर चर्चा करेंगे। यह 12 या 13 लोगों के बोर्ड जैसा नहीं है, जहां एक व्यक्ति कुछ कहता है और उस पर अमल कर लिया जाता है।' तमीम ने एक क्रिकेटर के रूप में 15 साल के करियर में 70 टेस्ट और 243 वनडे मैच खेले।

विश्व कप में हिस्सा लेने मेक्सिको पहुंची ईरानी टीम

टिजूआना। फीफा विश्व कप में भाग लेने के लिए ईरान की टीम मेक्सिको पहुंची तो खिलाड़ियों ने अपने जैकेट पर ऐसे 'लेपल पिन' लगाए थे, जो पश्चिम एशिया में युद्ध के शुरुआती दौर में एक प्राथमिक स्कूल पर हुए घातक मिसाइल हमले के पीड़ितों की याद दिला रहे थे। खिलाड़ियों को टिजुआना में विमान से उतरते समय '168' अंक लिखे हुए सुनहरे रंग के पिन के साथ देखा गया। यह संख्या उस हमले में मारे गए लोगों की थी, जिनमें ज्यादातर बच्चे थे। यह हमला 28 फरवरी को दक्षिणी ईरान के मिनाब में हुआ था।

3 दिन में अफगानिस्तान ने टेके घुटने, भारत की सबसे बड़ी जीत

टीम इंडिया ने अफगानिस्तान को एक पारी और 300 रन से हराया, 8 साल पुराना कीर्तिमान ध्वस्त

एजेंसी ▶▶| मुल्लांपुर

भारत ने अफगानिस्तान को एकमात्र टेस्ट में तीसरे ही दिन सोमवार को एक पारी और 300 रन से हरा दिया और बाएं हाथ के स्पिनर मानव सुथार का पदार्पण मैच में यादगार प्रदर्शन मेजबान के लिए इस मैच की सबसे बड़ी उपलब्धि रही। पहली पारी में सुथार के 6 विकेट के दम पर भारत ने अफगानिस्तान को 152 रन पर आउट कर दिया था।

दूसरी पारी में अफगानिस्तान की टीम 35.5 ओवर में 112 रन पर सिमट गई। भारत की यह पारी के अंतर के आधार पर सबसे बड़ी जीत रही। दूसरी पारी में वॉशिंगटन सुंदर ने 4 और कुलदीप यादव ने 3 विकेट चटकाए। भारत ने 2018 में अफगानिस्तान को एक पारी और 260 रन से हराया था लेकिन मेहमान टीम के लिए राहत की बात यह है कि वे इस मैच को तीसरे दिन तक खींचकर ले गए।

अफगानिस्तान के बल्लेबाजों का प्रदर्शन निराशाजनक

अफगानिस्तान के बल्लेबाजों का प्रदर्शन निराशाजनक रहा। भारतीय स्पिनरों ने उनके गैर जिम्मेदाराना शॉट चयन का पूरा फायदा उठाया। पहली पारी की गलतियों से भी अफगान बल्लेबाजों ने सबक नहीं सीखा और दूसरी पारी में प्रदर्शन और खराब रहा। बाएं हाथ के सलामी बल्लेबाज सेदिकुल्लाह अटल (42) चाय से पहले आखिरी गेंद पर आउट हुए। अटल ने वॉशिंगटन सुंदर की गेंद पर बैकवर्ड प्वाइंट में मोहम्मद सिराज को आसान कैच दिया। रहमानुल्लाह गुरबाज (24) ने कुलदीप की गेंद पर हवाई शॉट खेला और लांग आन सीमा पर सिराज ने उनका कैच लपक लिया। पहली पारी में अर्धशतक लगाने वाले रहमत शाह (13) ने सुंदर की गेंद पर सुतार को कैच थमाया। सुथार ने सुबह जब पारी में 5 विकेट पूरे किए तो यह कारनामा देखने के लिए मैदान पर बमुश्किल 500 दर्शक थे।

टेस्ट डेब्यू के पहले ओवर में विकेट लेने वाले भारतीय गेंदबाज

मोंटू बनर्जी बनाम वेस्टइंडीज	(1948)
मनोहर हार्दिकर बनाम वेस्टइंडीज	(1958)
वमन कुमार बनाम पाकिस्तान	(1961)
चेतन शर्मा बनाम पाकिस्तान	(1984)
डब्ल्यूवी रमन बनाम वेस्टइंडीज	(1988)
नीलेश कुलकर्णी बनाम श्रीलंका	(1997)
टिनू योहानन बनाम इंग्लैंड	(2001)
मानव सुथार बनाम अफगानिस्तान	(2026)

एक पारी में 5 विकेट लेने वाले दसवें गेंदबाज बने सुथार

मैच के नायक राजस्थान के श्रीगंगानगर के बाएं हाथ के स्पिनर सुथार रहे। पदार्पण में एक पारी के 5 विकेट चटकाने वाले वह भारत के दसवें गेंदबाज बन गए। उन्होंने अपने प्रदर्शन से भविष्य में रविंद्र जडेजा के विकल्प के तौर पर खुद को खड़ा कर दिया। भारत के पास टर्निंग पिचों पर विकेट लेने वाले गेंदबाज रहे हैं लेकिन 23 वर्ष के सुथार ने दिखा दिया कि वह सपाट पिचों पर भी विकेट ले सकते हैं।

वनडे के बाद अब टी-20 की बारी, राह नहीं आसान

12 जून से इंग्लैंड में शुरू होगा टी-20 विश्व कप

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

8 महीने के अंदर दूसरा आईसीसी खिताब जीतने की कवायद में लगी भारतीय महिला क्रिकेट टीम को 12 जून से इंग्लैंड में शुरू होने वाले टी20 विश्व कप में परचम लहराने के लिए व्यक्तिगत प्रतिभा पर निर्भर रहना पड़ सकता है, क्योंकि उसके सभी विभागों में कुछ न कुछ कमियां हैं। भारतीय महिला टीम ने पिछले साल नवंबर में वनडे विश्व कप जीतकर इतिहास रचा था लेकिन तब भी उसकी टीम को बीच में संघर्ष करना पड़ा था। ऐसे में जेमिमा रोड्रिग्स ने जिम्मेदारी संभाली और भारत को चैंपियन बनाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया। कुछ समय पहले तक ऐसा लग रहा था कि भारत ने सबसे छोटे प्रारुप में लगभग सभी विभाग में अपनी पकड़ मजबूत कर ली है, लेकिन टी20 विश्व कप से पहले दक्षिण अफ्रीका और इंग्लैंड से लगातार दो श्रृंखला हारने से उसकी कमजोरियां उजागर हो गई हैं।

शेफाली और स्मृति के प्रदर्शन पर संशय

सलामी बल्लेबाज शेफाली वर्मा और स्मृति मंधाना का प्रदर्शन हाल ही में अच्छा नहीं रहा है। यही नहीं निचले क्रम के बल्लेबाज भी अपेक्षित प्रदर्शन नहीं कर पाए हैं। टीम की प्रमुख पावर हिटर ऋचा घोष 14 जून को पाकिस्तान के खिलाफ विश्व कप के पहले मैच से पहले रन बनाने के लिए जूझ रही हैं। अनुभवी ऑलराउंडर दीप्ति शर्मा का प्रदर्शन भी बल्ले और गेंद दोनों से ही निराशाजनक रहा है।

निशानेबाजी चयन

राही ने मनु को पछाड़ा, एशियाई खेलों के लिए ठोकी दावेदारी

एजेंसी ▶▶| देहरादून

एशियाई खेलों की पूर्व चैंपियन राही सरनोबत ने राष्ट्रीय चयन ट्रायल-4 (टी4) में शानदार प्रदर्शन करते हुए महिलाओं की 25 मीटर पिस्टल स्पर्धा का खिताब अपने नाम किया।

उन्होंने फाइनल में दो बार की ओलंपिक पदक विजेता मनु भाकर को पछाड़ते हुए शीर्ष स्थान हासिल किया। इस ट्रायल का आयोजन भारत की एशियाई खेलों की निशानेबाजी टीम के चयन के लिए किया जा रहा है। ओलंपियन राही पूरे फाइनल के दौरान लय में नजर आईं। उन्होंने 37 निशाने के साथ शीर्ष स्थान पक्का किया।

मनु भाकर 35 निशाने के साथ दूसरे स्थान पर रहीं, जबकि कर्नाटक की दिव्या टीएस ने 29 निशाने के साथ कांस्य पदक हासिल किया।

22 निशाने के साथ पांचवें स्थान पर रिदम

तमिलनाडु की निवेदिता वी. नायर 24 निशाने के साथ चौथे स्थान पर रहीं। ओलंपियन रिदम सांगवान 22 निशाने के साथ पांचवें स्थान पर रहीं जबकि पंजाब की अर्शदीप कौर ने 18 निशाने के साथ छठा स्थान प्राप्त किया। महाराष्ट्र की अभिद्न्या अशोक पाटिल 13 निशाने के साथ सातवें स्थान पर रहीं, जबकि क्वालीफिकेशन में 586 अंक के साथ शीर्ष स्थान हासिल करने वाली मध्य प्रदेश की चिंकी यादव फाइनल में नौ हिट्स के साथ आठवें स्थान पर खिसक गईं। मनु क्वालीफिकेशन में दूसरे (584) जबकि अर्शदीप कौर और राही सरनोबत ने क्रमशः 579 (20 एक्स) और 579 (18 एक्स) अंकों के साथ तीसरा और चौथा स्थान हासिल किया।

प्रज्ञानानंदा पर धनवर्षा, टीएन सरकार ने दी 50 लाख की राशि

चेन्नई । तमिलनाडु के मुख्यमंत्री सी. जोसेफ विजय ने नॉर्वे शतरंज टूर्नामेंट जीतने वाले पहले भारतीय खिलाड़ी ग्रैंडमास्टर आर प्रज्ञानानंदा को 50 लाख रुपए का पुरस्कार देकर सम्मानित किया। प्रज्ञानानंदा ने ओस्लो में अंतिम दौर में जर्मनी के विंसेंट कीमर को हराकर खिताब जीता था। मुख्यमंत्री ने प्रज्ञानानंदा को सम्मानित करने के बाद इस युवा ग्रैंडमास्टर के साथ शतरंज की एक बाजी भी खेली। प्रज्ञानानंदा ने नॉर्वे शतरंज प्रतियोगिता में जीत को अपने करियर की सबसे बड़ी उपलब्धि बताया। उन्होंने कहा कि मैग्नस कार्लसन सहित दुनिया के कुछ शीर्ष खिलाड़ियों को हराना इस खिताब को विशेष रूप से यादगार बनाता है। इस टूर्नामेंट की शुरुआत 2013 में हुई थी और इससे पहले कोई भी भारतीय खिलाड़ी इसे जीत नहीं पाया था।

भारत ने जीते 3 स्वर्ण सहित 17 पदक

उलानबटोर ओपन : टीम तालिका में शीर्ष तीन में शामिल भारत

एजेंसी ▶▶| उलानबटोर

भारत ने उलानबटोर ओपन सीनियर रैंकिंग सीरीज कुश्ती टूर्नामेंट में अपने अभियान का शानदार अंत किया जब प्रतियोगिता के अंतिम दिन दीपक (61 किग्रा), सागर जगलान (74 किग्रा) और दिनेश (125 किग्रा) ने पुरुष फ्रीस्टाइल वर्ग में स्वर्ण पदक जीते।

इन तीनों के शानदार प्रदर्शन की बदौलत भारत पुरुष फ्रीस्टाइल में सात पदक हासिल करने में सफल रहा। भारत ने फ्रीस्टाइल, ग्रीकोरोमन और महिला कुश्ती में कुल मिलाकर 17 पदक जीते और टीम तालिका में शीर्ष तीन में शामिल रहा। दीपक ने कजाखस्तान के आसिल एताकिन को एकतरफा मुकाबले में 6-0 से हराकर 61 किग्रा वर्ग में स्वर्ण पदक जीता जबकि दिनेश ने 125 किग्रा के फाइनल में कजाखस्तान के येदिगे कासिमबेक को 2-0 से हराया। सागर ने रूस के तामिर एशिनिमाएव को कड़े मुकाबले में 3-2 से हराकर 74 किग्रा वर्ग में स्वर्ण पदक अपने नाम किया।

आज से ऑस्ट्रेलिया ओपन, शेट्टी करेंगे पुरुष एकल में चुनौती पेश

सिंधू करेंगी खिताबी सूखे को खत्म करने की कोशिश

एजेंसी ▶▶| सिडनी

दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधू मंगलवार से शुरू होने वाले ऑस्ट्रेलिया ओपन सुपर 500 बैडमिंटन टूर्नामेंट में लंबे समय से चले आ रहे खिताब के सूखे को खत्म करने की कोशिश करेंगी, जबकि उभरते सितारे आयुष शेट्टी पुरुष एकल में भारतीय चुनौती की अगुवाई करेंगे।

तीसरी वरीयता प्राप्त सिंधू 2024 में सैयद मोदी इंटरनेशनल जीतने के बाद से अपना पहला बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड टूर खिताब जीतने की कवायद में हैं। पूर्व विश्व चैंपियन का इस सत्र का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन जनवरी में मलेशिया ओपन के सेमीफाइनल में पहुंचना रहा है।

सिंधू का पहला मैच कैस्टिलो से

सिंधू को यहां अनुकूल ड्रॉ मिला है। इस 30 वर्षीय खिलाड़ी का पहला मैच पेरू की इनेस लूसिया कैस्टिलो से होगा। इस मैच में जीत दर्ज करने के बाद उनका सामना हमवतन इशारानी बरुआ और चीन की हान कियान शी के बीच होने वाले मैच के विजेता से होगा। सिंधू पिछले सप्ताह इंडोनेशिया ओपन में राउंड-ऑफ-16 में पहुंची थी, जहां उन्हें विश्व की नंबर एक खिलाड़ी आन से-यंग से हार का सामना करना पड़ा था। अगर सिंधू सेमीफाइनल तक पहुंचती है तो वहां उनका सामना जापान की विश्व में तीसरे नंबर की खिलाड़ी अकाने यामागुची से हो सकता है। फाइनल में उनका मुकाबला थाईलैंड की दूसरी वरीयता प्राप्त पोर्नपावी चोचुवोंग से हो सकता है।

जिन वेई से मालविका का मुकाबला

महिला एकल ड्रॉ में ही तन्वी शर्मा का सामना चीनी ताइपे की पांचवीं वरीयता प्राप्त चियू पिन-चियान से, जबकि मालविका बंसोड़ का मुकाबला मलेशिया की गोह जिन वेई से होगा। अनमोल खरब को जापान की पूर्व विश्व चैंपियन और चौथी वरीयता प्राप्त नोजोमी ओकुहारा के खिलाफ कड़ी चुनौती का सामना करना होगा। आकर्षी कश्यप का मुकाबला मलेशिया की वोंग लिंग चिंग से, जबकि तान्या हेमंत का अमेरिका की इशिका जायसवाल से होगा।

प्रणय और मोहम्मद जाकी में भिड़ंत

पुरुष एकल में छठी वरीयता प्राप्त आयुष शेट्टी अपना पहला मैच क्वालीफायर के खिलाफ खेलेंगे। एचएस प्रणय का मुकाबला इंडोनेशिया के मोहम्मद जाकी उबा से होगा, जबकि किरण जॉर्ज पहले दौर में मलेशिया के जस्टिन होह का सामना करेंगे। पुरुष युगल में इंडोनेशिया ओपन में क्वार्टर फाइनल में जगह बनाने वाले हरिहरन अमसाकरुनन और एमआर अर्जुन को पहले दौर में चीनी ताइपे के ली फांग-चिह और ली फांग-जेन की आठवीं वरीयता प्राप्त जोड़ी के खिलाफ कड़ी चुनौती का सामना करना पड़ेगा। अच्युतादित्य राव डोड्डावारापू और पोचना अर्जुन रेड्डी का मुकाबला चीन के हुआंग डि और लियू यांग से होगा।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने एक बैठक के जरिए की परियोजना की समीक्षा, परखी तमाम जरूरी तैयारियां

तेजस मार्क-1ए की डिलीवरी में हो रही देरी पर रक्षा मंत्रालय ने तरेरीं आंखें, एचएएल पर लगेगा जुर्माना!

हरिभूमि ब्यूरो ⏭ ई दिल्ली

बढ़ती सुरक्षा चुनौतियों और वायुसेना के जंगी बेड़े में घटती लड़ाकू विमानों की संख्या के बीच बल को की जाने वाली स्वदेशी तेजस मार्क-1ए लड़ाकू विमानों की डिलीवरी में लगातार हो रही देरी को लेकर रक्षा मंत्रालय, हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (एचएएल) से बुरी तरह से उखड़ गया है। जिसके बाद अब मंत्रालय में रक्षा क्षेत्र के इस महत्वपूर्ण सार्वजनिक उपक्रम पर जुर्माना लगाने पर गंभीरता से विचार-विमर्श किया जा रहा है। शीर्ष रक्षा सूत्रों ने सोमवार को बताया कि यह मामला बेहद संवेदनशील है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की अध्यक्षता में 8 जून को हुई समीक्षा बैठक में इस परियोजना से जुड़े हुए हर छोटे-बड़े पहलू पर चर्चा की गई है। जिसमें परियोजना से जुड़ी देरी का मामला भी प्रमुखता से उठा। यहां बता दें कि वायुसेना के पास वर्तमान में लड़ाकू विमानों की कुल करीब 30 से 32 स्क्वाड्रन हैं, पुराने हो चुके विमानों की सेवानिवृत्ति की कवायद भी साल दर साल जारी है। इन सबके बीच चीन और पाकिस्तान से मिलती साझा युद्ध की चुनौती के मध्य विमानों की स्वीकृत या अधिकृत स्क्वाड्रन की संख्या अनिवार्य रूप से 42 होनी चाहिए। ज्ञात हो कि अभी वायुसेना के जंगी बेड़े में तेजस मार्क-1 विमानों की कुल संख्या करीब 40 है। जबकि तेजस मार्क1-ए इसका एक उन्नत संस्करण है।

180 विमानों का दिया था ऑर्डर

गौरतलब है कि रक्षा मंत्रालय ने एचएएल को कुल 180 तेजस मार्क1ए विमानों का ऑर्डर दिया है। जिसके मुख्य रूप से दो भाग हैं। पहले भाग में 2021 में 83 विमानों का ऑर्डर दिया गया। जिसके तहत एचएएल को 2024 से विमानों की डिलीवरी की शुरुआत करनी थी। प्रत्येक वर्ष वायुसेना को 8 विमान दिए जाने थे। लेकिन अभी तक एक भी विमान एचएएल ने बल को नहीं सौंपा है। 2021 के समझौते के बाद रक्षा मंत्रालय ने पिछले साल 2025 में 97 और विमानों का ऑर्डर दिया है। एचएएल ने समय, समय पर इस संबंध में पहले रूस-यूक्रेन और अब पश्चिम-एशिया संकट के चलते अमेरिकी कंपनी जनरल इलेक्ट्रिक (जीई) से होने वाली विमानों के इंजन (जीई-एफ404) की आपूर्ति में बनी हुई देरी को एक वजह बताया था। लेकिन इन सबसे इतर सूत्र कहते हैं कि विमानों में लगाए जाने वाले आधुनिक और उन्नत रक्षा उपकरणों को लेकर किसी प्रकार का कोई समझौता नहीं किया जाएगा। क्योंकि इससे अंत में वायुसेना की मारक क्षमता प्रभावित होगी। इस बाबत बल की जो भी आवश्यकताएं थी। उनके बारे में एचएएल को बहुत पहले ही सूचित कर दिया गया था। लेकिन फिर भी उनका प्रदर्शन मामले में संतोषजनक नहीं कहा जा सकता है।

समय सीमा के शब्द को भूल गया मंत्रालय

सूत्रों ने बताया कि एचएएल की तरफ से विमान और उसकी वायुसेना को की जाने वाली आपूर्ति को लेकर कई मुद्दों पर एचएएल का कार्य संतोषजनक नहीं है। हालांकि इस संबंध में उन्हें मंत्रालय की तरफ से कई बार प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से संकेत दिए गए हैं। जिसके जवाब में एचएएल से सिर्फ और सिर्फ आश्वासन ही मिला है। तेजस मार्क-1ए के संबंध में समय सीमा को इतनी बार पार किया गया है कि अब रक्षा मंत्रालय ने इसका रिकॉर्ड रखना ही छोड़ दिया है। ऐसे में अनुबंध के तहत परियोजना में लगातार होती देरी की वजह से एचएएल पर जुर्माना लगाया जा सकता है।

नहीं हुई एक भी विमान की डिलीवरी

सूत्रों ने कहा कि इस साल अगस्त या सितंबर महीने तक 6 तेजस लड़ाकू विमान पूरी तरह से बनकर तैयार होने की संभावना है। लेकिन बड़ी चिंता इस बात की है कि कंपनी की प्रोडक्शन लाइन पर एयरफ्रेम तैयार हैं, अमेरिका से 6 इंजन आ चुके हैं। लेकिन बावजूद इसके अब तक वायुसेना को एक भी विमान नहीं सौंपा जा सका है। यह स्थिति इतनी चिंताजनक है कि इसे शब्दों में बयान नहीं किया जा सकता है। मामले को व्यापक रूप में देखा जाए तो मसला बाहरी के बजाय आंतरिक ज्यादा जान पड़ता है।

फिलीपींस में 7.8 तीव्रता का भूकंप

इमारतें गिरीं, 32 की मौत, 200 घायल, 2 घंटे में 138 झटके लगे

एजेंसी ⏭ मनीला

फिलीपींस में सोमवार सुबह 7.8 तीव्रता का शक्तिशाली भूकंप आया, जिससे कई इमारतों को नुकसान पहुंचा है। प्रभावित इमारतों में ज्यादातर दुकानें, दफ्तर और व्यावसायिक भवन शामिल हैं। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार अब तक 32 लोगों की मौत हुई है, जबकि 200 से ज्यादा लोग घायल हैं। अमेरिकी भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण (यूएसजीएस) के मुताबिक, भूकंप भारतीय समयानुसार सुबह 5:07 बजे आया। भूकंप का केंद्र मिंडानाओ द्वीप के पास समुद्र में था। यह सारंगानी प्रांत के मासीम कस्बे से लगभग 32 किलोमीटर दक्षिण-पश्चिम में और 33 किलोमीटर की गहराई पर आया।

इस साल फिलीपींस में आया सबसे शक्तिशाली भूकंप है। भूकंप के बाद सुनामी भी आई। सबसे ऊंची लहर की ऊंचाई 1.4 मीटर (करीब 4.6 फीट) रही। एहतियात के तौर पर इंडोनेशिया और मलेशिया ने भी सुनामी की चेतावनी जारी की थी, जिसे कुछ घंटों बाद वापस ले लिया गया। फिलीपींस के ज्वालामुखी और भूकंप विज्ञान संस्थान (फिवोल्क्स) ने बताया कि स्थानीय समयानुसार सुबह 11 बजे तक 138 आफ्टरशॉक दर्ज किए गए। इन झटकों की तीव्रता 1.3 से 6.7 के बीच रही।

कई शहरों में दिखा प्रभाव : भूकंप के बाद एक स्कूल की बिल्डिंग भी गिर गई, इस दौरान छात्र मैदान में बैठे नजर आए। फिलीपींस में 'मलालन बरंगाय हॉल' (सरकारी इमारत) भूकंप के बाद पूरी तरह ढह गया। अलाबेल शहर में आए तेज भूकंप के कारण 'लाडोल बीच रिसॉर्ट' की जमीन में दरार दिखने लगी। कई कॉटेज भी ढह गए।

भूकंप के बाद आई सुनामी 4.5 फीट से ज्यादा ऊंची लहरें उठीं

झटकों की तीव्रता 1.3 से 6.7 के बीच रही

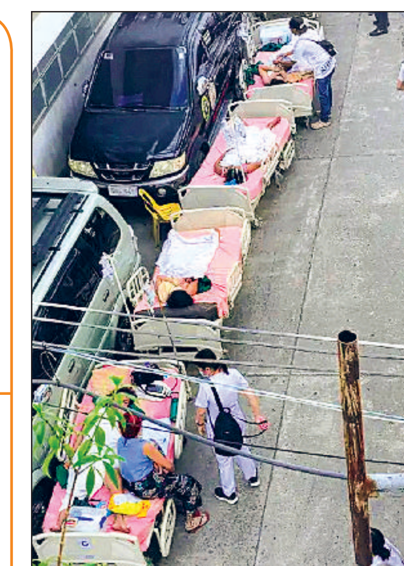

दावाओ शहर में भूकंप के बाद अस्तपाल से मरीजों को बाहर निकाला

सैंटोस शहर में सबसे ज्यादा नुकसान

7 लाख से ज्यादा आबादी वाले बंदरगाह शहर जनरल सैंटोस में सबसे ज्यादा नुकसान हुआ। यहां कई इमारतों में दरारें आ गईं, कुछ छोटी इमारतें आंशिक रूप से ढह गईं और एक पुल भी क्षतिग्रस्त हो गया। शहर में कम से कम 7 लोगों की मौत हुई और करीब 130 लोग घायल हुए हैं। जनरल सैंटोस में एक दो मंजिला स्कूल इमारत के गिरने की खबर के बाद राहत और बचाव अभियान चलाया गया। आशंका जताई गई कि कुछ छात्र मलबे में फंस सकते हैं। वहीं पुलिस के अनुसार शहर में कम से कम 7 लोग लापता हैं।

इंडोनेशिया, मलेशिया, जापान में भी भूकंप के झटके महसूस हुए

भूकंप का असर इंडोनेशिया के उत्तर सुलावेसी और उत्तर मलुकु क्षेत्रों में झटके महसूस हुए। मनाडो शहर के लोगों ने बताया कि कंपन काफी तेज था। इंडोनेशिया की मौसम और भूभौतिकी एजेंसी बीएमकेजी ने अपने उत्तर-पूर्वी तट के लिए सुनामी चेतावनी जारी की है। मलेशिया के कुछ तटीय इलाकों में भी एक मीटर तक ऊंची लहरों की आशंका जताई गई है। जापान मौसम एजेंसी ने इबाराकी प्रीफेक्चर से लेकर ओकिनावा प्रीफेक्चर तक दक्षिणी तटीय इलाकों के लिए सुनामी एडवाइजरी जारी की है।

राहत-बचाव अभियान शुरूः राष्ट्रपति

फिलीपींस के राष्ट्रपति फर्डिनेंड मार्कोस जूनियर ने कहा कि उन्होंने सभी संबंधित सरकारी एजेंसियों को तुरंत कार्रवाई करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने प्रभावित इलाकों में लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाने और राहत-बचाव अभियान शुरू करने को कहा है।

हम प्रतिद्वंद्वी नहीं सहयोगी और साझेदार, दोनों देशों के लिए 'विकास' के मौकेः चीन

बीजिंग। एक शीर्ष चीनी अधिकारी ने कहा कि चीन और भारत को इस सही रणनीतिक धारणा पर कायम रहना चाहिए कि वह प्रतिद्वंद्वी नहीं बल्कि सहयोगी साझेदार हैं। इसके साथ ही एक दूसरे के विकास के अवसर हैं न कि खतरे। चीन के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता लिन जियान ने बीजिंग में मीडिया ब्रीफिंग में भारत-चीन संबंधों पर यह बात कही। उन्होंने कहा कि फिलहाल चीन-भारत सीमा की स्थिति आम तौर पर स्थिर है। दोनों पक्षों के बीच एक संचार चैनल है।

लिन जियान

लिन ने कहा कि चीन और भारत को इस धारणा पर कायम रहना चाहिए कि दोनों देश सहयोगी साझेदार हैं। ना कि प्रतिस्पर्धी और प्रतिद्वंद्वी, और दोनों देश एक दूसरे के विकास के लिए अवसर हैं। न कि खतरे। दोनों पक्षों को द्विपक्षीय संबंधों को रणनीतिक ऊंचाई और दीर्घकालिक परिप्रेक्ष्य से देखना और संभालना चाहिए। आपसी विश्वास को बढ़ाना चाहिए और सहयोग का विस्तार करना चाहिए। मतभेदों को उचित रूप से संभालना चाहिए और चीन-भारत संबंधों के सुचारू और स्थिर विकास को बढ़ावा देना चाहिए।

भारत-पाक चर्चा से मतभेद सुलझाएं

लिन ने कहा कि बीजिंग भारत और पाकिस्तान दोनों को संवाद और परामर्श के माध्यम से अपने मतभेदों को ठीक से सुलझाने और क्षेत्र को शांतिपूर्ण और स्थिर बनाए रखने में समर्थन करता है। लिन ने कहा कि भारत, चीन और रूस तीनों देश उभरती हुई अर्थव्यवस्थाएं हैं। अच्छे संबंध बनाए रखना न केवल तीनों देशों के अपने-अपने हितों में है। बल्कि विश्व शांति, सुरक्षा और स्थिरता के लिए भी जरूरी है।

पश्चिम एशिया में बिगड़ते हालात के बीच भारत की सभी पक्षों से तनाव खत्म की अपील

बोला विदेश मंत्रालय, क्षेत्र में शांति-स्थिरता बहाली के लिए जारी बातचीत के सिलसिले को जल्द निष्कर्ष तक पहुंचाया जाना चाहिए

- ईरान, इजरायल में रह रहे भारतीय नागरिकों के लिए जारी की गई एडवाइजरी
- ओमान की खाड़ी क्षेत्र में एक तेल टैंकर पर हुआ हमला, सभी सवार 24 भारतीय सुरक्षित हैं

हरिभूमि ब्यूरो ⏭ ई दिल्ली

पश्चिम-एशिया सहित समूचे खाड़ी क्षेत्र में ईरान, इजरायल के बीच एक बार फिर से शुरू हुए हमलों को लेकर भारत ने सोमवार को एक बयान जारी कर इस पूरे घटनाक्रम पर गंभीरता के साथ खेद प्रकट किया है। साथ ही सभी पक्षों से तत्काल तनाव खत्म करने की अपील की है। विदेश मंत्रालय के मुताबिक, यह संघर्ष 100 दिनों से ज्यादा वक्त से चल रहा है। जिसका परिणाम अंतरराष्ट्रीय अर्थव्यवस्था और ऊर्जा आपूर्ति पर गंभीर रूप से पड़ता हुआ नजर आ रहा है। ऐसे में हम सभी पक्षों से क्षेत्र में शांति और स्थिरता की बहाली के लिए कूटनीतिक रूप से जारी बातचीत की प्रक्रिया को जल्द से जल्द किसी परिणाम तक पहुंचाने का आह्वान करते हैं। यह मामला वैश्विक समुदाय के लिए भी बेहद गंभीर चिंता का मामला है। जिसमें यह सुनिश्चित किया जाना चाहिए कि किसी भी रूप में नागरिकों को कोई क्षति न पहुंचे। यहां बता दें कि इस साल 28 फरवरी से हुई इस युद्ध की शुरुआत के बाद से लेकर अब तक कुल करीब 9 भारतीयों की मौत हो चुकी हैं। जबकि कई अन्य घायल हुए हैं।

भारतीयों के लिए जारी की गई एडवाइजरीः हमलों के बीच ईरान और इजरायल में रह रहे भारतीयों की सुरक्षा के मद्देनजर परामर्श भी जारी किया गया है। जिसमें मुख्य रूप से ताजा चिंताजनक घटनाक्रम को देखते हुए दोनों देशों में भारतीयों को किसी भी प्रकार के गैर जरूरी भ्रमण या आवाजाही पर रोक लगाने, हर समय चौकन्ना रहने को कहा गया है। साथ ही यातायात के किसी भी उपलब्ध साधन की मदद से तुरंत ईरान छोड़ने का निर्देश भी दिया गया है। वहीं, हर छोटी बड़ी जानकारी प्राप्त करने के लिए दूतावासों द्वारा दी जा रही सूचना पर पैनी नजर बनाए रखने को भी कहा गया है।

जहाज पर हुआ हमला, सुरक्षित 24 भारतीय

वहीं, इन सबके बीच 8 जून को ही ओमान तट पर खड़े मेडागास्कर के ध्वज वाले एमटी मारीवेक्स नामक तेल टैंकर जहाज पर हुए हमले की एक घटना सामने आई है। जिसमें कुल 24 भारतीय नाविक सवार थे, सभी फिलहाल सुरक्षित हैं। केंद्रीय पोर्ट, शिपिंग और वाटरवेज मंत्रालय के निदेशक ओपेश कुमार शर्मा ने एक प्रेस ब्रीफिंग में हमले के पीछे का कारण तो नहीं बताया।

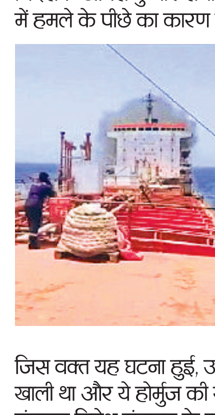

लेकिन उन्होंने यह जरूर कहा कि जहाज खाली था और उस पर चालक दल के कुल 24 भारतीय नाविक सवार थे। आग लगने की घटना दोपहर करीब 1 बजकर 30 मिनट पर सामने आई थी। जिस वक्त यह घटना हुई, उस समय तेल टैंकर खाली था और ये होर्मुज की खाड़ी के बाहर था। मंत्रालय विदेश मंत्रालय के साथ समन्वय कर मामले पर कड़ी नजर बनाए हुए हैं। शिप ट्रेकिंग डेटा के मुताबिक, हमले के वक्त यह जहाज मस्कट के दक्षिण में खड़ा था। उधर, सोशल मीडिया पर सामने आए वीडियो में दिखाए जा रहे आडियो-वीडियो संदेश में जहाज पर हुए हमले के लिए अमेरिका को जिम्मेदार ठहराया जा रहा है। लेकिन इस संबंध में आधिकारिक पुष्टि फिलहाल नहीं की गई है।

मौसम वैज्ञानिकों की बड़ी चेतावनी, अल नीनो से टूटेंगे तापमान बढ़ने के रिकॉर्ड

दुनिया बन जाएगी जलता चूल्हा, भोजन से लेकर पानी की होगी कमी

एजेंसी ⏭ कोलंबो

मौसम विज्ञानियों ने अपने एक नए अनुमान के आधार पर चेताते हुए कहा है कि इस साल बनने वाला अल नीनो अब तक का सबसे शक्तिशाली अल नीनो हो सकता है। यह घटना दुनियाभर में तापमान को रिकॉर्ड स्तर पर बढ़ाएगी, जिसका सीधा असर खेती-बाड़ी को नुकसान से लेकर पानी की कमी होने तक में देखने को मिलेगा। यूरोपियन सेंटर फॉर मीडियम-रेंज वेदर फोरकास्ट (ईसीएमडब्ल्यूएफ) का अनुमान है कि अल नीनो के चलते इस साल दिसंबर तक मध्य भूमध्यरेखीय प्रशांत महासागर के इलाके में समुद्री सतह का तापमान औसत से 5.4 डिग्री फारेनहाइट (3 डिग्री सेल्सियस) तक बढ़ सकता है। कुछ अनुमानों में तापमान 7.2एफ (4 डिग्री सेल्सियस) से ऊपर जाने की संभावना जताई गई है।

अल नीनो का असर तेजी से सीमा पर

संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस

वर्ल्ड मेटियोरोलॉजिकल ऑर्गनाइजेशन (डब्ल्यूएमओ) ने चेतावनी दी है कि इस क्लाइमेट पैटर्न के सितंबर से पहले बनने की संभावना 80% और नवंबर से पहले 90% है। संयुक्त राष्ट्र के महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने कहा है कि अल नीनो 90% निश्चितता के साथ आने वाले महीनों में हमारे दरवाजे पर दस्तक देने वाला है। दुनिया को इसे क्लाइमेट चेतावनी के तौर पर लेना चाहिए। यह पहले से ही खतरनाक रूप से गर्म हो रही धरती पर ज्यादा गर्मी बढ़ाएगा। उन्होंने कहा कि अल नीनो की स्थितियां गर्म होती दुनिया की आग में घी का काम करेंगी। इसके असर दूर-दूर तक फैलेंगे और बहुत तेजी से सीमाओं को पार करेंगे। ऐसे में एहतियाती कदम उठाना जरूरी है।

3 से 4 डिग्री सेल्सियस तापमान बढ़ेगा

ईसीएमडब्ल्यूएफ के अनुमान इस साल का अल नीनो (प्राकृतिक जलवायु चक्र का गर्म चरण) दुनियाभर में तापमान को बहुत ज्यादा बढ़ा देगा। यह साल 2015-2016 और 1997-1998 के पिछले रिकॉर्ड-धारक अल नीनो से कहीं ज्यादा शक्तिशाली होगा। ग्लोबल वेदर राइटर बेन नोल ने एक्स पर लिखा है कि अब तकरीबन हर अनुमान 3 डिग्री सेल्सियस से ऊपर जा रहा है और कुछ अनुमान तो 4 डिग्री सेल्सियस से भी ज्यादा तापमान दिखा रहे हैं। इसे दुनिया को निश्चित ही एक चेतावनी की तरह लेना चाहिए।

रिन्यूएबल एनर्जी की ओर तेजी से बढ़ें

अल नीनो का एकमात्र असरदार जवाब संकट के बराबर क्लाइमेट एक्शन है। यानी फॉसिल फ्यूल पर निर्भरता खत्म करना, रिन्यूएबल एनर्जी की ओर तेजी से बढ़ना, ज्यादा खतरे वाले लोगों की सुरक्षा करना और सभी के लिए अर्ली वॉर्निंग सिस्टम लागू करना जरूरी है।

हरिभूमि कम्यूनिकेशंस प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक देवेन्द्र सिंह बाल्यान द्वारा हरिभूमि पब्लिकेशंस, चुलियाना मोड़, दिल्ली रोड, रोहतक-124517 से मुद्रित एवं हरिभूमि कार्यालय, 129, ट्रांसपोर्ट सैंटर, पंजाबी बाग, पश्चिमी दिल्ली, नई दिल्ली-110035 से प्रकाशित। सम्पादक : डॉ.हिमांशु द्विवेदी। आरएनआई नं 69631/1998, फोन : 011-40451115/16, 40451109